दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

श्रीलीला ने बताया क्यों छोड़ना चाहती... 11

वर्ष - 01, अंक - 353 | गाजियाबाद / शुक्रवार 27 मार्च 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

अमेरिका को झटका देते हुए ईरान ने किया बड़ा ऐलान

'भारत और रूस सहित पाँच दोस्तों के लिए खोला होर्मुज जलमार्ग'

- दुश्मन को कोई अनुमति नहीं : अराघची

"बता दें कि होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया का सबसे अहम तेल मार्ग है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20% हिस्सा गुजरता है। फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी को जोड़ने वाला यह 33-39 किमी चौड़ा मार्ग प्रमुख खाड़ी देशों से तेल निर्यात के लिए इकलौता रास्ता है।

तेहरान (एजेंसी)। पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच ईरान ने अमेरिका को झटका देते हुए ऐलान किया वह भारत समेत पांच मित्र देशों से संबंधित जहाजों पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाएगा, जिससे उन्हें रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति मिल जाएगी, जबकि अन्य देशों के लिए पहुंच सीमित रहेगी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक साक्षात्कार में स्पष्ट किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह से बंद नहीं किया गया है और कुछ ऐसे देशों को प्रतिबंधों से छूट दी गई है, जिनके साथ ईरान के मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। अराघची ने कहा कि शत्रु को जलडमरूमध्य से गुजरने देने का कोई कारण नहीं है। हमने कुछ ऐसे देशों को गुजरने की अनुमति दी है, जिन्हें हम मित्र मानते हैं। हमने चीन, रूस, भारत, इराक और पाकिस्तान को आने-जाने की अनुमति दी है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका, इजरायल और कुछ खाड़ी देशों के जहाज, जो वर्तमान संकट बढ़ने में भूमिका निभा रहे हैं, उन्हें जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। सरकारी सूत्रों के अनुसार पेट्रोलियम उत्पाद लेकर भारत आने वाले चार जहाज पहले ही होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर चुके हैं, जबकि पांच और के जल्द ही पार करने की उम्मीद है। भारत आने वाले 18 जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास फंसे हुए हैं।

पश्चिम एशिया संकट: पीएम मोदी आज मुख्यमंत्रियों संग करेंगे मंथन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मुख्यमंत्रियों के साथ बातचीत करेंगे, जिसमें वे पश्चिम एशिया संघर्ष के संबंध में राज्यों की तैयारियों और योजनाओं की समीक्षा करेंगे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि इस बैठक का मुख्य मकसद 'टीम इंडिया' की भावना के साथ मिलकर काम करने की कोशिशों में तालमेल बैठाना होगा। पीएम मोदी मुख्यमंत्रियों को मौजूदा हालात के बारे में जानकारी देंगे और इस संकट से निपटने के भारत के तरीके पर व्यापक सहमति बनाने की कोशिश करेंगे। अधिकारी ने बताया कि चुनाव वाले राज्यों के मुख्यमंत्री इस बैठक में शामिल नहीं होंगे, क्योंकि वहां 'आचार संहिता' लागू है। उन्होंने बताया कि चुनाव वाले राज्यों के मुख्य सचिवों के लिए एक अलग बैठक होगी, जिसका आयोजन कैबिनेट सचिवालय के जरिए किया जाएगा।

नीरव मोदी को भारत लाने का रास्ता साफ

ब्रिटेन की अदालत में खारिज की याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)।

"अदालत ने स्पष्ट किया कि कानूनी मापदंडों के आधार पर अपील को फिर से शुरू करने का कोई ठोस कारण नहीं है। यह निर्णय लॉर्ड जस्टिस स्टुअर्ट-स्मिथ और जस्टिस जे ने सुनाया।

ब्रिटेन के हाईकोर्ट ने भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को झटका देते हुए उसके भारत में प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील पर फिर से सुनवाई की मांग करने वाली याचिका को खारिज कर दिया। अदालत ने केन्द्र सरकार के ताजा आश्वासनों को पर्याप्त और विश्वसनीय मानते हुए यह फैसला सुनाया।

लंदन स्थित रॉयल कोर्ट ऑफ जस्टिस की खंडपीठ ने 25 मार्च 2026 को दिए फैसले में कहा कि अपील को दोबारा खोलने के लिए 'असाधारण परिस्थितियों' की आवश्यकता होती है, जो इस मामले में मौजूद नहीं हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि कानूनी मापदंडों के आधार पर अपील को फिर से शुरू करने का कोई ठोस कारण नहीं है। यह निर्णय लॉर्ड जस्टिस स्टुअर्ट-स्मिथ और जस्टिस जे ने सुनाया। गौरतलब है कि नीरव मोदी की याचिका मुख्य रूप से 2025 के एक अन्य अदालती फैसले पर आधारित थी, जिसमें भारत में पूछताछ के दौरान खराब व्यवहार की आशंका जताई गई थी।

ब्रिटिश अदालत ने सुनवाई करते कहा कि भारत सरकार ने सितंबर 2025 से फरवरी 2026 के बीच 'व्यापक, विस्तृत और विश्वसनीय' आश्वासन दिए हैं कि प्रत्यर्पण के बाद नीरव मोदी से किसी भी प्रकार की पूछताछ नहीं की जाएगी। भारतीय राजनयिक आश्वासनों के अनुसार, सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय या किसी अन्य भारतीय जांच एजेंसी को ब्रिटेन के अधिकारियों की पूर्व सहमति के बिना नीरव मोदी से पूछताछ करने की अनुमति नहीं होगी। अदालत ने कहा कि ये वादे राजनयिक स्तर पर बाध्यकारी हैं और यह मानने का कोई आधार नहीं है कि भारत अपनी प्रतिबद्धताओं के विपरीत कार्य करेगा।

आकाश मिसाइल सिस्टम का पहला प्रोडक्शन मॉडल तैयार

हैदराबाद (एजेंसी)। भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) ने उन्नत उप-प्रणालियों के साथ उन्नत आकाश हथियार प्रणाली के प्रथम उत्पादन मॉडल (एफओपीएम) को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया। आकाश एक कम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है। हवाई हमलों से संवेदनशील क्षेत्रों और बिंदुओं की रक्षा करने में सक्षम है। इसके संचालन की सीमा 4.5 से 25 किमी है, जबकि ऑपरेशन की ऊंचाई 100 मीटर से 20 किमी. तक है। सिस्टम की लंबाई, 5870 मिमी, व्यास, 350 मिमी और वजन 710 किलो है।

घर खरीदारों को बड़ी राहत

गौतमबुद्ध नगर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश भू-सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) ने अपने सामान्य विनियम, 2019 में 10वां संशोधन लागू कर दिया है। इन बदलावों का सबसे बड़ा फायदा उन घर खरीदारों को मिलेगा, जिन्होंने ऐसी परियोजनाओं में निवेश किया है, जो रेरा में पंजीकृत नहीं हैं। इस व्यवस्था के लागू होने से अब ऐसे खरीदारों को इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिन्हें अब तक न्याय पाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। साथ ही, यूपी रेरा जल्द ही अपने पोर्टल पर एक नई सुविधा भी शुरू करेगा, जिससे प्रभावित लोग फॉर्म-एम के माध्यम से अपनी शिकायतें आसानी से दर्ज कर सकेंगे।

नायरा एनर्जी का पेट्रोल 5 रुपए और डीजल 3 रुपए महंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। निजी ईंधन विक्रेता नायरा एनर्जी ने वीरवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी। कंपनी ने पेट्रोल के दाम 5 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 3 रुपए प्रति लीटर बढ़ाए हैं। हालांकि, अलग-अलग राज्यों में वैट (वीएटी) जैसे स्थानीय टैक्स के कारण कीमतों में थोड़ा फर्क हो सकता है। कुछ जगहों पर पेट्रोल की कीमत 5.30 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ गई। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई, जब मिडिल ईस्ट में तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में तेज उछाल आया है।

निजी ट्रैवल बस और डंपर की टक्कर, 13 जिंदा जले

मरकापुरम(एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मरकापुरम जिले में रायवरम के पास वीरवार सुबह 6 बजे निजी ट्रैवल बस और डंपर की टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही बस में आग लग गई। हादसे में बस में सवार 13 यात्री जिंदा जल गए। मुख्यमंत्री कार्यालय ने इसकी पुष्टि की। अधिकारियों ने बताया कि हरिकृष्णा ट्रैवल्स की बस तेलंगाना के निर्मल से नेल्लोर जा रही थी। मरकापुरम के एसपी वी. हर्षवर्धन राजू ने कहा कि डंपर ड्राइवर समेत 22 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। बस में 35 यात्री सवार थे। घटना की पूरी जानकारी जुटाने की कोशिश की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने लोगों की मौत पर दुख जताया।

एयर इंडिया विमान तकनीकी खराबी के चलते वापिस लौटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया की दिल्ली से लंदन हीथ्रो जाने वाली एक फ्लाइट को वीरवार दोपहर बीच रास्ते से वापस दिल्ली लौटना पड़ा। उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी का शक होने पर यह फैसला लिया गया। यह फ्लाइट एआई111 सुबह करीब 6 बजे दिल्ली से रवाना हुई थी और लगभग 7 घंटे तक हवा में रहने के बाद वापस लौटी। यह विमान दोपहर करीब 12:30 बजे सुरक्षित दिल्ली एयरपोर्ट पर उतर गया। एयर इंडिया के प्रवक्ता के मुताबिक, यात्रा के दौरान तकनीकी समस्या का संदेह होने पर एहतियात के तौर पर विमान को वापस बुलाया गया। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सबसे पहली प्राथमिकता है, इसलिए यह निर्णय लिया गया। एयर इंडिया ने इस घटना से यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया है।

पंचकूला एफडीआर अनियमितता मामले में बैंक रिलेशनशिप मैनेजर गिरफ्तार

चंडीगढ़/पंचकूला (एजेंसी)। हरियाणा के राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसवीएसीबी) ने वित्तीय अनियमितताओं के एक गंभीर मामले में कार्रवाई करते हुए कोटक महिन्द्रा बैंक के रिलेशनशिप मैनेजर दिलीप कुमार राघव को गिरफ्तार कर लिया। यह मामला पंचकूला के सेक्टर-11 स्थित बैंक शाखा में नगर निगम पंचकूला की सावधि जमा रसीद (एफडीआर) और बैंक खातों में पाई गई अनियमितताओं से जुड़ा है। ब्यूरो द्वारा थाना एसीबी, पंचकूला में 24 मार्च को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच के अनुसार, नगर निगम ने बैंक में लगभग 145 करोड़ रुपये की 16 एफडी जमा कराई थीं, जिनकी परिपक्वता राशि करीब 158 करोड़ रुपये थी, लेकिन बैंक रिकॉर्ड और निगम के दस्तावेजों में गंभीर अंतर पाया गया। खातों में दर्शायी गई राशि अपेक्षा से काफी कम मिली, वहीं कुछ ऐसे अतिरिक्त खाते भी सामने आए जो निगम के आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज नहीं थे। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी ने अन्य संदिग्धों के साथ मिलकर एफडी से संबंधित भ्रामक और गलत रिपोर्ट्स भेजीं, जिससे रिकॉर्ड में गड़बड़ी पैदा हुई। इस आधार पर बैंक के अन्य अज्ञात अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ भी जांच जारी है।

अनुराग शर्मा के राज्यसभा चुनाव को चुनौती

- ईसीआई समेत केन्द्र और हिमाचल सरकार को नोटिस

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने राज्यसभा सांसद अनुराग शर्मा के चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका पर सांसद समेत भारत निर्वाचन आयोग, केन्द्र सरकार, हिमाचल प्रदेश सरकार और रिटर्निंग अधिकारी को नोटिस जारी करते हुए आगामी 21 मई तक अपना जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य न्यायाधीश जी.एस. संधावालिया और न्यायमूर्ति बी.सी. नेगी की पीठ ने संबंधित मामले में सुनवाई के दौरान यह निर्देश दिए। याचिकाकर्ता विनय शर्मा ने आरोप लगाया है कि अनुराग शर्मा राज्यसभा चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य थे, क्योंकि नामांकन पत्र दाखिल करते समय कथित तौर पर सरकार के साथ उनके संविदात्मक अनुबंध जारी थे। याचिका में तर्क दिया गया कि नामांकन के समय जिस किसी भी व्यक्ति के पास कोई सक्रिय सरकारी अनुबंध होता है, वह चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य माना जाता है। याचिका के अनुसार जब अनुराग शर्मा ने अपना नामांकन दाखिल किया था, तब उनके पास सात सक्रिय सरकारी अनुबंध थे, लेकिन रिटर्निंग अधिकारी इन पहलुओं की ठीक से जांच करने में विफल रहे और उन्होंने उनका नामांकन स्वीकार कर लिया। याचिकाकर्ता ने इन आधारों पर चुनाव को रद्द और अमान्य घोषित करने की न्यायालय से मांग की। याचिका में आगे यह भी तर्क दिया गया है कि यदि उस समय ऐसे अनुबंधों का अस्तित्व साबित हो जाता है, तो यह कानून के तहत स्पष्ट अयोग्यता मानी जाएगी।

पश्चिम बंगाल में पहली पूरक मतदाता सूची से 12 लाख नाम हटे

कोलकाता (एजेंसी)। चुनाव आयोग की ओर से जारी पश्चिम बंगाल के मतदाताओं की पहली पूरक सूची से 12 लाख नाम हटा दिए गए हैं। चुनाव आयोग के सूत्रों ने यह जानकारी दी। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी के कार्यालय के सूत्रों के मुताबिक सोमवार आधी रात से कुछ पहले जारी की गई इस सूची में जांच के दायरे में आए करीब 32 लाख मतदाताओं के नामों पर फैसला कर दिया गया। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद 28 फरवरी को जारी पहली अंतिम सूची के मुताबिक राज्य में मतदाताओं की कुल संख्या 7,04,59,284 थी। इनमें से 60,06,675 मतदाताओं को 'जांच के दायरे में' वाली सूची में रखा गया था। उन्होंने बताया कि दूसरी पूरक सूची शुक्रवार को जारी होने वाली है, लेकिन आयोग ने कलकत्ता उच्च न्यायालय से हर दिन अपडेटेड आंकड़ों के साथ एक पूरक सूची जारी करने की इजाजत मांगी है।

आधार, पेन कार्ड का गलत इस्तेमाल कर मुंबई में खोली फर्म, करोड़ों का हुआ लेनदेन

मिट्टी के बर्तन बनाने वाले को भेजा 9 करोड़ का नोटिस

- सदमे में आया विष्णु कुमार प्रजापत का परिवार

"बूंदी के पुलिस अधीक्षक अवनीश शर्मा ने कहा कि पीड़ित ने पहले एफआईआर दर्ज कराई थी। इस संबंध में पूछताछ की जा चुकी है। अब जांच पुलिस उपाधीक्षक के स्तर पर की जाएगी।

जयपुर (एजेंसी)। पिछले साल आयकर विभाग से 9 करोड़ रुपए का भारी-भरकम टैक्स नोटिस पाने वाले एक सड़क किनारे कुम्हार की हालत एक बार फिर बेहद खराब है, क्योंकि विभाग ने एक बार फिर उसे करीब 9 करोड़ रुपए के टैक्स की डिमांड वाला नोटिस भेजा है, जिससे उसका परिवार सदमे में है। मिट्टी के बर्तन बनाकर और बेचकर मामूली आजीविका कमाने वाले विष्णु कुमार प्रजापत ने बताया कि 18 मार्च के नोटिस में उन्हें एक महीने के भीतर 8,98,79,260 रुपए जमा करने का निर्देश दिया गया है। इस नोटिस के मिलने के बाद से वह और उनका परिवार बेहद तनाव में हैं और उन्हें नींद नहीं आ रही है।

विष्णु कुमार प्रजापत का दावा है कि इस भारी गलती को सुधारने के लिए कई सरकारी दफ्तरों में जाने के बावजूद आयकर विभाग के अधिकारियों से उन्हें अभी तक कोई राहत नहीं मिली है। विष्णु कुमार प्रजापत के अनुसार, उन्हें सबसे पहले 11 मार्च, 2025 को बूंदी स्थित आयकर विभाग से एक चौंकाने वाला नोटिस मिला। नोटिस में आरोप लगाया गया था कि उन्होंने वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान सुरेंद्र सिंह बाबेल नामक व्यक्ति के साथ 10.61 करोड़ रुपए के लेन-देन किए थे। हालांकि, विष्णु कुमार प्रजापत ने ऐसे किसी व्यक्ति या लेन-देन के बारे में किसी भी जानकारी

से इनकार किया है। आयकर और जीएसटी पोर्टल पर रिकॉर्ड की जांच करने पर उन्होंने पाया कि 19 मार्च, 2020 को मुंबई के गिरगांव में भूमिका ट्रेडिंग नामक एक फर्म उनके दस्तावेजों का उपयोग करके पंजीकृत की गई थी। विष्णु को संदेह है कि अज्ञात व्यक्तियों ने उनके आधार, पैन और अन्य दस्तावेजों का दुरुपयोग करके फर्म को पंजीकृत किया और उनकी जानकारी के बिना वित्तीय लेन-देन किए। रिकॉर्ड से यह भी पता चलता है कि फर्म ने एक अन्य कंपनी के साथ 2.83 करोड़ रुपए का लेन-देन किया, जिससे उनका कोई संबंध नहीं है।

रिपोर्ट के अनुसार, ये लेन-देन 19 मार्च, 2020 और 1 फरवरी, 2021 के बीच हुए थे, जिसके दौरान प्रजापत का कहना है कि उन्हें ऐसी किसी भी गतिविधि की कोई जानकारी नहीं थी। विभाग ने उन्हें नोटिस का जवाब देने के लिए 31 मार्च, 2025 तक का समय दिया था। प्रजापत ने बताया कि उन्होंने पहली बार अपना आयकर रिटर्न दाखिल किया है, जिसमें उन्होंने मात्र 95,000 रुपए की वार्षिक आय घोषित की है। 16 अप्रैल, 2025 को प्रजापत ने गेंडोली पुलिस स्टेशन में प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि उनके पैन कार्ड नंबर का उपयोग करके व्यावसायिक लेनदेन किए जा रहे थे और उनके नाम पर कर नोटिस जारी किए गए थे। हालांकि, पुलिस ने कथित तौर पर पीड़ित को धोखाधड़ी की सूचना दिए बिना मामले में अंतिम रिपोर्ट (एफआर) दाखिल कर दी। व्यथित विष्णु कुमार प्रजापत ने पुलिस अधीक्षक को मामले की जानकारी दी, जिन्होंने आश्वासन दिया कि मामले की जांच पुलिस उपाधीक्षक के स्तर के अधिकारी द्वारा की जाएगी। बूंदी के पुलिस अधीक्षक अवनीश शर्मा ने कहा कि पीड़ित ने पहले एफआईआर दर्ज कराई थी। इस संबंध में पूछताछ की जा चुकी है। अब जांच पुलिस उपाधीक्षक के स्तर पर की जाएगी।

तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या

कोलकाता (एजेंसी)। दक्षिण कोलकाता में बुधवार देर रात तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक कार्यकर्ता की अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी और एक अन्य युवक घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना बाघजतिन पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत पूर्वी फूलबागान में आधी रात के आसपास हुई। घटना का पता तब चला जब स्थानीय निवासियों ने एक रिहायशी इमारत की छत से तीन राउंड गोलियां चलने की आवाज सुनी और दौड़कर छत पर पहुंचे तो उन्होंने राहुल डे को खून से लथपथ जमीन पर पड़ा पाया। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गंभीर रुप से घायल युवक की पहचान जीत मुखोपाध्याय के रूप में हुई है। वह अस्पताल में भर्ती है और उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी।

राज्यपाल से 'भीष्म' थिंक टैंक के सदस्यों ने की मुलाकात

वैश्विक व सामरिक मुद्दों पर चर्चा

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से. नि.) से लोक भवन में भारत हिमालयन इंटरनेशनल स्ट्रेटेजिक मंच (भीष्म) थिंक टैंक के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान समकालीन वैश्विक परिदृश्य एवं उसके राष्ट्रीय प्रभावों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में थिंक टैंक से जुड़े वरिष्ठ पूर्व सैन्य अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों ने आधुनिक युद्ध के बदलते स्वरूप, साइबर और तकनीकी आयाम, ऊर्जा सुरक्षा तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था पर संभावित प्रभावों पर अपने विचार साझा किए। इस मौके पर राज्यपाल ने विशेषज्ञों के अनुभव और ज्ञान की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान समय में वैश्विक परिदृश्य तेजी से परिवर्तित हो रहा है, जिसमें पारंपरिक युद्ध के साथ-साथ तकनीक, सूचना और आर्थिक आयाम भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के विमर्श नीति-निर्माण को सुदृढ़ दिशा प्रदान करने के साथ ही उभरती चुनौतियों को समझने और उनके समाधान खोजने में सहायक सिद्ध होंगे।

इस अवसर पर अजय कुमार सिंह, श्याम सरन, ए. जी. थपलियाल, अरविंद वर्मा, संजय शर्मा, अभय कार्की, संतोष नायर, अनिल शर्मा, अनिर्बान दत्ता, संजीव चोपड़ा, शत्रुघ्न सिंह, प्रो. दुर्गेश पंत सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

विवाह समारोह में खाना खाने के बाद फूड प्वाइजनिंग से 200 से ज्यादा बीमार

मध्य प्रदेश के सीहोर जिले का मामला

सीहोर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के सीहोर जिले की इछावर तहसील के ग्राम बबड़िया नोआबाद में विवाह समारोह के बाद आयोजित भोज में शामिल लोगों में फूड प्वाइजनिंग की घटना सामने आई है, जिसमें 200 से अधिक लोग बीमार हो गए।

बीती रात आयोजित कार्यक्रम में लगभग 1200 से अधिक लोगों ने भोजन किया था। देर रात इनमें से करीब 200 से अधिक लोगों को पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत होने लगी, जिसके बाद बड़ी संख्या में मरीज इछावर स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचने लगे। अचानक बड़ी संख्या में मरीजों के पहुंचने पर जिला स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी गई। इसके बाद विभाग ने तत्काल टीम इछावर रवाना की और जिला अस्पताल में इमरजेंसी कॉल कर डॉक्टर, पैरामेडिकल और नर्सिंग स्टाफ को बुलाया गया। साथ ही दो वार्ड फूड प्वाइजनिंग से प्रभावित मरीजों के लिए आरक्षित किए गए। इछावर से मिली जानकारी के अनुसार 50 से अधिक मरीजों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया है, जबकि करीब 15 मरीज इछावर स्वास्थ्य केंद्र में और 2 मरीज जिला अस्पताल में भर्ती हैं। कुछ मरीजों के निजी अस्पतालों में इलाज कराने की भी जानकारी सामने आई है। उधर एसडीएम के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंच गई और समारोह में परोसे गए भोजन के नमूने जांच के लिए लिए। अधिकारियों के अनुसार अस्पताल में भर्ती अधिकांश मरीज अधिक उम्र के हैं, जिन पर फूड प्वाइजनिंग का प्रभाव अधिक पड़ा है।

चार्ली चैपलिन की अपील : युद्ध ख़त्म करो शांति के मार्ग पर चलो

-नो वार की तख्ती और गुलाब का फूल लेकर लोगों में उत्साह जगा रहें

पटना (बिहार) (एजेंसी)। चार्ली चैपलिन द्वितीय हीरो राजन कुमार ने ईरान-इजरायल-अमेरिका के बीच युद्ध को रोकने की अपील की हैं। वह पटना में भगवान बुद्ध की मूर्ति के सामने खड़े होकर लोगों की समस्या को देखते हुए युद्ध को तत्काल रोकने का निवेदन कर रहे हैं ।हीरो राजन कुमार एक कलाकार के साथ – साथ एक सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं ।वह सदैव सामाजिक मुद्दों पर जनहित में आवाज उठाते हैं। दुनियाभर में युद्ध के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं,जिसमें 1000 से ज्यादा शहरों में प्रदर्शन हो चुके हैं। लंदन में 30,000 से ज्यादा लोगों ने सड़कों पर उतरकर युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन किया, जबकि मैड्रिड, एथेंस, एम्स्टर्डम, एडिनबर्ग, मॉन्ट्रियल, जर्मनी और ऑस्ट्रिया में भी विरोध प्रदर्शन तेज हुए हैं। चार्ली चैपलिन द्वितीय का युद्ध ख़त्म करने को लेकर अपील का अंदाज़ हाथ में नो वार की तख्ती और गुलाब का फूल लेकर लोगों में उत्साह जगा रहें हैं।

नाबालिगों के यौन शोषण मामले में फंसे बीजेपी नेता के बेटे के खिलाफ जांच तेज

-गोवा के डीजीपी ने क्राइम ब्रांच को सौंपा मामला, बोले- निष्पक्षता से होगी जांच

पणजी (एजेंसी)। गोवा पुलिस ने नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के गंभीर आरोपों में फंसे बीजेपी पार्षद के बेटे सोहम नाइक के खिलाफ अपनी जांच तेज कर दी है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए अब यह मामला क्राइम ब्रांच को सौंपा गया है। गोवा के डीजीपी ने जनता और पीड़ित परिवारों को आश्वासन दिया है कि पुलिस बिना किसी दबाव के निष्पक्षता से काम कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीजीपी ने कहा कि इस मामले को क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर करने के पीछे ठोस कारण हैं। यह मामला अत्यंत संवेदनशील है और इसमें कई कड़ियों को जोड़ने के लिए गहराई से तफ्तीश की जरूरत है। स्थानीय थानों पर कानून-व्यवस्था का भारी बोझ होता है, जबकि क्राइम ब्रांच का मुख्य ध्यान केवल जांच पर केंद्रित रहता है। जटिल आपराधिक मामलों को सुलझाने के लिए क्राइम ब्रांच के पास विशेषज्ञता और ज्यादा समय उपलब्ध होता है। आरोपी के राजनीतिक रसूख को लेकर उठ रहे सवालों पर डीजीपी ने भरोसा दिलाया कि गोवा पुलिस तेजी से और निष्पक्ष जांच कर रही है। किसी के मन में कोई शक नहीं होना चाहिए। अगर कोई बड़ा डेवलपमेंट होता है, तो इसकी जानकारी दी जाएगी। फिलहाल सोहम नाइक पुलिस की गिरफ्त में है और क्राइम ब्रांच उन सभी नाबालिगों से जुड़े सबूत जुटा रही है जिनका शोषण किए जाने का आरोप है। पुलिस इस मामले में किसी भी बड़े नेटवर्क या अन्य संदिग्धों की संलिप्तता की भी जांच कर रही है।

अलग-अलग जगह से 30 लाख से ज्यादा का नशा पकड़ा, राजस्थान में 5 बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) नशे के खिलाफ एक बड़े अभियान के तहत एक ही दिन में प्रदेश के विभिन्न जिलों में पांच बड़ी कार्रवाई कर करीब 30 लाख 32 हजार रुपये के मादक पदार्थ जब्त किए। इस ऑपरेशन में कुल 4 किलो अफीम, 15 किलो गांजा और 18 किलो डोडा पोस्त बरामद किया। यह अभियान एडीजी दिनेश एमएन के मार्गदर्शन और आईजी विकास कुमार के नेतृत्व में चलाया गया। भीलवाड़ा के मांडल क्षेत्र में पुलिस ने चित्तौड़गढ़ निवासी मुकेश कुमार ढोली को 2.058 किलो अवैध अफीम के साथ गिरफ्तार किया, जो जयपुर सप्लाई करने की तैयारी में था। श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ इलाके में माणकसर ओवरब्रिज के पास योगेश कुमार अरोड़ा को 1.062 किलो अफीम और 15.04 किलो डोडा पोस्त के साथ पकड़ा गया। बाड़मेर के धनाऊ में 'श्री बजरंग बली एंटरप्राइजेज' नामक किराना दुकान से अवैध नशे का कारोबार करने वाले देराजराम जाट को बोगस ग्राहक के जरिए 690 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया गया। बारां में बीना-कोटा पैसेंजर ट्रेन से नशा ला रहे मलखान माली को रेलवे स्टेशन पर 15.282 किलो गांजे के साथ पकड़ा गया। हनुमानगढ़ के टिब्बी थाना क्षेत्र में मलखेड़ा गांव के पास एक क्रेटा कार से प्रशिक्षित स्निफर डॉग की मदद से 2.600 किलो डोडा पोस्त बरामद किया।

कोलकाता में पार्टी के दौरान दो गुटों में जबरदस्त फायरिंग, टीएमसी समर्थक ने तोड़ा दम

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में एक पार्टी के दौरान हुई हिंसक घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी। कोलकाता के वार्ड नंबर 101 में दो गुटों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि गोलाबारी शुरू हो गई। इस घटना में 36 वर्षीय राहुल दे की मौत हो गई, जबकि जीत मुखर्जी गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार, यह घटना रात करीब 12:30 बजे की है, जब एक इमारत की छत पर पार्टी चल रही थी। बताया गया कि जीत मुखर्जी ने अपने घर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया था, जिसमें राहुल को भी आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद कुछ लोग छत पर बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान अचानक विवाद शुरू हुआ और देखते ही देखते फायरिंग हो गई। मौके से कई खाली कारतूस बरामद किए गए हैं, जिससे साफ है कि कई राउंड गोलियां चलाई गईं। प्राथमिक जांच में यह सामने आया है कि विवाद पैसों के बंटवारे को लेकर हुआ हो सकता है। घटना के बाद वहां मौजूद अन्य लोग डरकर भाग गए। पड़ोसियों ने गोली चलने की आवाज सुनकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस जब मौके पर पहुंची, तब तक राहुल और जीत दोनों घायल अवस्था में पड़े थे।

दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता बने पीएम मोदी, बीजेपी का तंज... कांग्रेस को इस बात से तकलीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व के सबसे लोकप्रिय लोकतांत्रिक नेता के रूप में शीर्ष पायदान पर कायम है। हाल ही में मॉर्निंग कंसल्ट द्वारा कराए गए वैश्विक सर्वेक्षण में उन्हें 68 प्रतिशत अनुमोदन रेटिंग प्राप्त हुई है, जो उनके निरंतर घरेलू समर्थन और बढ़ती अंतरराष्ट्रीय मान्यता को दिखाता है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि यह भारत के लिए अत्यंत गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता बने हुए हैं। यह उनकी विश्वसनीयता को दिखाता है। यह भारत और पूरी दुनिया के लोगों के उनके नेतृत्व में विश्वास को दिखाता हैज्......प्रधानमंत्री मोदी, जो भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले राष्ट्राध्यक्ष भी हैं, सत्ता समर्थक रुख, लोकप्रियता, निर्भरता और विश्वसनीयता का प्रतीक हैं।

बीजेपी प्रवक्ता पूनावाला ने भारत की वैश्विक उपलब्धियों पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया की आलोचना कर कहा कि लेकिन दूसरी ओर, जब भी भारत को कोई वैश्विक पहचान मिलती है, तब कांग्रेस पार्टी को तकलीफ होती और वहां निराशावाद फैलाना शुरु कर देती है। यह ग्लोबल रेटिंग कांग्रेस के पूरे दावे को ध्वस्त करती है। कांग्रेस कहती है कि पीएम मोदी तानाशाह हैं, लेकिन वे सिर्फ चुनाव जीत रहे हैं और उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। 2 से 8 मार्च, 2026 के बीच एकत्रित की गई ये रेटिंग ग्लोबल लीडर अप्रूवल रेटिंग ट्रैकर का हिस्सा हैं और प्रत्येक सर्वेक्षण किए गए देश में वयस्कों की राय का सात-दिवसीय मूविंग औसत को दिखाती हैं। सर्वेक्षण में पीएम मोदी को अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के नेताओं से काफी आगे दिखाया गया है। स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाय पार्मेलिन और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्यंग 62 प्रतिशत अनुमोदन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। तुलनात्मक रूप से, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रेटिंग 39 प्रतिशत है, जबकि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की रेटिंग 24 प्रतिशत है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन सर्वेक्षण में शामिल नेताओं में सबसे निचले स्थान पर हैं, उनकी अनुमोदन रेटिंग 17 प्रतिशत और अस्वीकृति रेटिंग 75 प्रतिशत है।

मैंने राम मंदिर का कभी विरोध नहीं किया, निर्माण के लिए दान भी दिया

अयोध्या पहुंचे दिग्विजय सिंह हनुमान गढ़ी और राम मंदिर में किए दर्शन

अयोध्या (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह गुरुवार को अयोध्या पहुंचे। दिग्विजय सिंह ने राम मंदिर में पूजा-अर्चना की और कहा कि उन्होंने मंदिर निर्माण का कभी विरोध नहीं किया, बल्कि इसके विपरीत मंदिर ट्रस्ट को दान भी दिया। दिग्विजय सिंह गुरुवार को अयोध्या के महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहुंचे और वहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि राम नवमी के शुभ अवसर पर मैं सभी को शुभकामनाएं देता हूं। भगवान राम का आशीर्वाद सभी पर बना रहे। राहुल गांधी के अयोध्या दौरे से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि राहुल गांधी से इसके बारे में पूछिए, उन्हें इस पर कोई आपत्ति नहीं है। इसके बाद दिग्विजय सिंह ने हनुमान गढ़ी और राम मंदिर में दर्शन किए। बता दें कांग्रेस पार्टी ने जनवरी 2024 में हुए प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण ठुकरा दिया था, जिसे उसने चुनावी हितों से प्रेरित एक राजनीतिक कदम बताया था। पार्टी ने यह भी कहा था कि उस समय मंदिर का निर्माण कार्य अधूरा था और यह आयोजन पूरी तरह से धार्मिक न रहकर एक पक्षपातपूर्ण रूप ले चुका था। इस मुद्दे पर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए दिग्विजय सिंह ने अपनी निजी राय स्पष्ट करते हुए कहा कि मैंने इसका कभी विरोध नहीं किया। मैंने दान के माध्यम से अपना योगदान दिया। मैं यहां राजनीति करने नहीं आया हूं। दिग्विजय सिंह के अयोध्या दौरे पर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज है। बीजेपी ने उनकी आलोचना करते हुए कहा कि राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के लिए कांग्रेस नेतृत्व को पहले भी आमंत्रित किया गया था, लेकिन उन्होंने उसमें शामिल न होने का फैसला किया था। भोपाल से बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने तंज कसते हुए कहा कि मैं उनसे अनुरोध करूंगा कि राम मंदिर की अपनी यात्रा के दौरान वे कृपया उन शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करें, जिन्होंने 1992 में गोलियां खाई थीं। अगर देश के राजनीतिक नेतृत्व ने इस सच्चाई को पहले ही समझ लिया होता, तो अयोध्या में राम मंदिर कई साल पहले ही बन गया होता।

बंगाल में न्यायिक जांच 32 लाख मामले निपटाए, 13 लाख नाम और हटाए

-अब तक 76 लाख वोटर्स के नाम कटे, चुनाव आयोग ने दिया नया आंकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारी ने कोलकाता में बताया कि अब तक कुल 76 लाख से ज्यादा नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं। पहले एसआईआर यानी मतदाता सूची जांच के दौरान 58 लाख नाम हटाए गए। इससे राज्य के कुल वोटर 7.66 करोड़ से घटकर 7.08 करोड़ रह गए। अब जो नाम अंडर एडजुडिकेशन यानी न्यायिक जांच में थे। उनमें से 32 लाख मामले निपटाए गए हैं। इनमें से 40 फीसदी यानी करीब 13 लाख नाम और हटाए जा रहे हैं। दोनों मिलाकर कुल 76 लाख के करीब नाम लिस्ट से हटाए जा चुके हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभी भी 28 लाख मामले बाकी हैं। राज्य में 705 न्यायिक अधिकारी इन मामलों को निपटाने में लगे हैं। चुनाव आयोग ने सोमवार को पहली सप्लीमेंट्री लिस्ट जारी की थी, जिसमें 10 लाख नाम अपलोड किए गए, लेकिन आयोग ने यह नहीं बताया कि इनमें से कितने हटाए गए जिस पर कई लोगों ने नाराजगी जताई। अगली लिस्ट हर शुक्रवार को जारी होगी। 29 लाख मामले हटाए गए थे लेकिन उनमें से सिर्फ एक तिहाई ही पहली लिस्ट में आ सके। वजह न्यायिक अधिकारियों की ई-साइन यानी डिजिटल हस्ताक्षर की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई थी। बाकी नाम धीरे-धीरे जारी किए जाएंगे।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कलकत्ता हाईकोर्ट में अपील की है कि उन्हें हर रोज सप्लीमेंट्री लिस्ट जारी करने की इजाजत दी जाए, लेकिन कोर्ट ने कहा कि इस मामले की सुनवाई 27 मार्च के बाद होगी। 76 लाख नाम हटाना यह बहुत बड़ा आंकड़ा है। सीएम ममता बनर्जी पहले ही इसे लेकर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर हमलावर हैं। आरोप है कि यह एक खास समुदाय के वोट काटने की कोशिश है। चुनाव आयोग का कहना है कि मृत, पलायन किए, डुप्लीकेट और न मिलने वाले लोगों के नाम हटाए गए हैं।

इजराइल से संबंध के आरोप पर जयशंकर का जबाव... भारत अब किसी बाहरी दबाव में नहीं झुकता

इजराइल रणनीतिक और तकनीकी सहयोग में अग्रणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की विदेश नीति ने हाल ही में एक नया आयाम प्राप्त किया है। केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सर्वदलीय बैठक में बेबाकी और ठोस अंदाज में बताया कि भारत अब किसी बाहरी दबाव में नहीं झुकता और अपने राष्ट्रीय हितों के लिए हर मोर्चे पर संतुलित और आक्रामक रणनीति रखता है। उन्होंने कहा कि इजराइल ने भारत को सैन्य संघर्षों में महत्वपूर्ण मदद दी और रक्षा प्रौद्योगिकी में भरोसेमंद साझेदार साबित हुआ। यह बयान पहले छुपी हुई कूटनीतिक हकीकत को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने जैसा था। बैठक में विदेश मंत्री जयशंकर ने बताया कि अमेरिका भारत का प्रमुख व्यापारिक साझेदार और उच्च तकनीक का स्रोत है, जबकि इजराइल रणनीतिक और तकनीकी सहयोग में अग्रणी है। विपक्ष द्वारा अमेरिका और इजराइल के साथ भारत की नजदीकियों पर सवाल उठने के बावजूद, जयशंकर ने इन सवालों का जवाब तथ्यों के साथ दिया। जयशंकर ने बैठक को संबोधित कर कहा कि भारत ने कई मोर्चों पर अपनी ताकत दिखाई है। इजराइल के साथ मजबूत रक्षा संबंधों के साथ ही भारत ने ईरान के साथ भी संतुलित और स्थिर संबंध बनाए रखे। होर्मुज जलडमरूमध्य से चार भारतीय जहाजों को सुरक्षित गुजरने की अनुमति देने जैसे कदम भारत की सामरिक स्थिति की मजबूती को दिखाते हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता के निधन पर भारत ने समय पर शोक संवेदना व्यक्त कर यह संदेश दिया कि वह किसी एक पक्ष के साथ खड़ा नहीं होता।

साथ ही, खाड़ी देशों में रहने वाले अस्सी लाख भारतीयों की सुरक्षा को प्राथमिकता देकर भारत ने संतुलन बनाए रखा। ईरानी ड्रोन और मिसाइल हमलों के बीच न ईरान से दूरी बनाई और न ही खाड़ी देशों की अनदेखी की। कोच्चि बंदरगाह पर ईरानी नौसैनिक जहाज को सुरक्षित ठिकाना देने से भारत की समुद्री रणनीति और निर्णायक भूमिका भी उजागर हुई। अब भारत की यह रणनीति वैश्विक मंच पर और स्पष्ट होगी। जयशंकर जी-7 देशों की विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने फ्रांस गए हैं, जहां भारत न केवल अपनी बात रखेगा, बल्कि द्विपक्षीय वार्ता के जरिए नए समीकरण भी बनाएगा। रणनीतिक दृष्टि से भारत ने अमेरिका, इजराइल और ईरान जैसे तीन बड़े शक्ति केंद्रों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखकर यह दिखाया कि वह वैश्विक राजनीति में अपनी रणनीति समझदारी से लागू करने में सक्षम है। भारत अब वैश्विक एजेंडा तय करने वाला देश बन चुका है। वह अपने हितों को सर्वोपरि रखता है, अपनी शर्तों पर संबंध बनाता है और जरूरत पड़ने पर हर मोर्चे पर सख्त रुख अपनाता है। नया भारत न तो दबाव में आता है, न भ्रम में पड़ता है। यह देश वैश्विक राजनीति के शतरंज पर हर चाल सोच-समझकर चलाता है और हर बार खेल को अपने पक्ष में मोड़ देता है।

सिख समुदाय के खिलाफ बड़े पैमाने पर हिंसा, एक तरह से नरसंहार जैसा

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1984 दंगे से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करते हुए की सख्त टिप्पणी

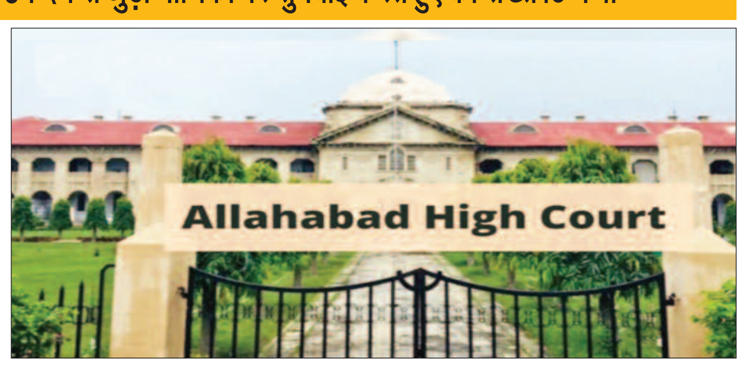

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1984 कानपुर सिख विरोधी दंगे से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करते हुए सख्त टिप्पणी की है। सिख विरोधी दंगे से जुड़े मामलों को रद्द करने वाली याचिकाओं को खारिज करते हुए हाईकोर्ट ने इसे भीषण नरसंहार बताते हुए आपराधिक कार्यवाही जारी रखने का आदेश दिया है। जस्टिस अनिश कुमार गुप्ता की सिंगल बेंच में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने 9 आरोपियों द्वारा दायर 7 याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा कि केवल देरी या मूल रिकॉर्ड के अभाव के आधार पर मुकदमा खत्म नहीं किया जा सकता।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रदीप अग्रवाल व अन्य की तरफ से हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। याचिका दाखिल कर चार्जशीट एवं सीजेएम कानपुर नगर की कोर्ट में चल रही आपराधिक केस कार्यवाही को रद्द करने की मांग की गई थी। कोर्ट ने कहा कि यह घटनाएं देशभर में पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की हत्या के बाद सिख समुदाय के खिलाफ बड़े पैमाने पर हुई हिंसा का हिस्सा थीं, जो एक तरह से नरसंहार जैसा था। आरोपियों ने दलील दी थी कि मूल दस्तावेज जैसे एफआईआर, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आदि उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए निष्पक्ष विचारण संभव नहीं है। साथ ही उन्होंने गवाहों के बयान में देरी और पहचान पर भी सवाल उठाए थे।

कोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले ही इन मामलों की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच दल गठित किया जा चुका है और फिर जांच के आदेश दिए, भले ही मूल रिकॉर्ड उपलब्ध न हों। प्रदेश सरकार की ओर से कहा गया कि उस समय जल्दबाजी में अंतिम रिपोर्ट दाखिल कर आरोपियों को बचाने की कोशिश की गई। कोर्ट ने भी माना कि कई रिकॉर्ड नष्ट हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद गवाहों के स्पष्ट बयान और पुनर्निर्मित एफआईआर के आधार पर मामला बनता है।

कोर्ट ने कहा कि गवाहों ने आरोपियों की पहचान की है और घटनाओं का विस्तृत विवरण दिया है, जिससे प्रथम दृष्टया मामला बनता है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इतने गंभीर मामलों में केवल समय बीत जाने के आधार पर कार्यवाही खत्म नहीं की जा सकती। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व फैसलों का भी हवाला दिया गया साथ ही एक आरोपी द्वारा कहा गया कि घटना स्थल पर मौजूद न होने के तर्क को अदालत ने ट्रायल के दौरान साबित करने योग्य बताया। हाईकोर्ट ने कहा कि इस आधार पर मामला खत्म नहीं किया जा सकता है। हाइकोर्ट ने सभी याचिकाएं खारिज कर दीं और ट्रायल कोर्ट में चल रही कार्यवाही को जारी रखने का रास्ता साफ कर दिया।

शांति के लिए पहल नहीं कर रहा भारत... केंद्र के इस रुख से दुखी हुए कांग्रेस नेता शशि थरूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष को सुलझाने के प्रयासों में पाकिस्तान की भूमिका पर निराशा जाहिर की है। उन्होंने कहा कि भारत को, अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा और दोनों पक्षों से संबंधों को देखकर कूटनीतिक नेतृत्व करना चाहिए था। अमेरिका और ईरान के बीच गुप्त मध्यस्थता के प्रयासों में पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र की भूमिका की खबरों पर प्रतिक्रिया देकर थरूर ने कहा कि उन्होंने पहले भारतीय सरकार के सतर्क रुख का समर्थन किया था, क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि नई दिल्ली एक रचनात्मक शांति पहल करेगा। थरूर ने कहा कि मुझे यह कहते हुए खेद हो रहा है कि फिलहाल हालात अच्छे नहीं हैं। यह हम सभी के लिए थोड़ा शर्मनाक है........मैंने ईरान युद्ध पर मोदी सरकार के संयम और चुप्पी का समर्थन इसकारण किया था क्योंकि मुझे उम्मीद थी कि केंद्र सरकार इसका इस्तेमाल शांति स्थापित करने के लिए करेगी और शांति की अगुवाई करेगी, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि भारत को करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिणाम उन उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं।

कांग्रेस नेता थरूर ने कहा कि उन्होंने भारत से बार-बार आग्रह किया था कि वह अपनी राजनयिक सद्भावना का उपयोग कर संबंधित देशों के बीच सार्थक बातचीत को बढ़ावा दे। उन्होंने जोर दिया कि नई दिल्ली के संतुलित संबंध उस शांति पहल शुरू करने में एक अनूठा लाभ दे सकते थे। उन्होंने कहा कि देखिए, अगर पाकिस्तान में शांति वार्ता होती है,तब भारत का इससे कोई लेना-देना नहीं है। मैं करीब तीन सप्ताह से भारत से आग्रह कर रहा हूं कि वे दोनों पक्षों के साथ अपने अच्छे संबंधों का लाभ उठाकर शांति पहल में अग्रणी भूमिका निभाए। अब, जाहिर तौर पर, पाकिस्तान, मिस्र और तुर्की ने ऐसा कर दिया है। उन्हें शुभकामनाएं, हम सभी शांति चाहते हैं। लेकिन जब पाकिस्तान शांति वार्ता कर रहा है, तब भारत को कोई श्रेय नहीं मिल रहा है। थरूर की ये टिप्पणियां केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक के संदर्भ में आईं, जहां मोदी सरकार ने विपक्षी नेताओं को आश्वस्त किया कि पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत समान स्थिति में बना हुआ है।

ईरान और इजराइल-अमेरिका युद्ध खत्म होते ही शुरु होगा असली संकट !

-होर्मुज पर टोल सिस्टम करेगा लागू, भारत भी आ सकता है इसकी चपेट में

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजराइल-अमेरिका के युद्ध ने अभी तक जो नुकसान कराया, वह तो सिर्फ एक झलक थी। असली संकट तो अब शुरू हुआ है, क्योंकि अभी तक जो काम फ्री में हो जाता था, उसके लिए ईरान ने करोड़ों रुपये वसूलने शुरू कर दिए हैं। इसका असर दुनिया के तमाम देशों पर पड़ेगा और इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि भारत भी इसकी चपेट में आ सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध के दौरान ईरान ने जितना नुकसान मिसाइलें दागकर नहीं किया, उससे ज्यादा चपत होर्मुज जलडमरूमध्य का रास्ता बंद करके लगा दी है। यही वह वजह है, जिसने भारत समेत दुनियाभर को भारी नुकसान पहुंचाया। अब खबर है कि ईरान भले ही युद्ध खत्म होने के बाद इस रास्ते को खोल देगा लेकिन यहां से गुजरने वाले जहाजों से वह करोड़ों रुपए की फीस वसूलेगा। ईरान ने एक तरह से यहां टोल सिस्टम लागू कर दिया है, क्योंकि अब उसने हर कॉमर्शियल जहाज से फीस वसूलना शुरू कर दिया है।

ईरान के होर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया का 20 फीसदी से ज्यादा तेल गुजरता है। भारत तो इस रास्ते से अपना आधे से भी ज्यादा तेज व गैस खरीदता है। अगर ईरान ने हमें छूट न दी तो निश्चित रूप से हमारे लिए भी तेल खरीदना और महंगा होने वाला है। मामले से जुड़े सूत्रों का कहना है कि ईरान ने फिलहाल हर जहाज के गुजरने पर 20 लाख डॉलर यानी करीब 18 करोड़ रुपए फीस वसूलना शुरू कर दिया है। कुछ जहाजों ने तो यह कीमत चुकाई भी है, जिससे होर्मुज पर अब एक तरह से टोल जैसा माहौल बन गया है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान यह भुगतान किस सिस्टम और करेंसी में वसूल रहा है।

ईरान यह कदम साफ बताता है कि युद्ध के बाद उसकी ताकत और बढ़ गई है। दूसरे शब्दों में कहें तो ईरान ने युद्ध से हुए नुकसान की भरपाई दुनिया से करने की ठान ली है, जो दिखाता है कि होर्मुज पर उसका कितना प्रभाव है। इस रास्ते से सिर्फ तेल और गैस ही नहीं आता, बल्कि खाने-पीने के सामान और मेटल समेत अन्य कमोडिटी भी बड़ी मात्रा में गुजरती है। सूत्रों का कहना है कि फिलहाल होर्मुज पर यह टोल भुगतान चुपचाप किए जा रहे हैं और कोई भी इसके बारे में खुलकर बात नहीं कर रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान अभी इस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों से केस बाई केस के आधार पर फीस वसूल रहा है, लेकिन युद्ध के बाद होने वाले समझौते में उसने होर्मुज पर टोल वसूलने की बात को लेकर शर्त के रूप में पेश करने का विचार भी जताया है। पिछले दिनों ईरान की संसद में भी एक प्रस्ताव दिया गया था कि होर्मुज से अन्य देशों के जहाजों को सुरक्षित गुजरने देने के लिए ईरान अनिवार्य रूप से ट्रांजिट शुल्क

वसूल सकता है। इसका सबसे ज्यादा असर खाड़ी देशों के तेल व गैस उत्पादों पर दिखेगा साथ ही यूरोप तक सामान की आवाजाही महंगी हो सकती है।

आपूर्ति का स्टॉक करने वालों पर हो सख्त कार्यवाही : डीएम रविंद्र कुमार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। डीजल, पेट्रोल व सीएनजी को लेकर चल रही अफवाह को लेकर गाजियाबाद डीएम रविंद्र कुमार मॉदड़ सख्त है और इन पर अंकुश लगाने के लिए उन्होंने समस्त कंपनियों के सेल्स ऑफिसर के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने सभी कंपनी के सेल्स आफिसर से अलग-अलग डीजल/पेट्रोल/सीएनजी स्टॉक की सूचना मांगी। सभी सेल्स ऑफिसर ने अलग-अलग पुष्टि की और बताया कि गाजियाबाद में कोई भी पम्प ड्राई नहीं है व गाजियाबाद में डीजल/पेट्रोल/सीएनजी का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है।

जिलाधिकारी ने सभी जनपद वासियों से अपील कि कोई भी अपने पास डीजल/पेट्रोल/सीएनजी का अनावश्यक स्टॉक ना करें। किसी भी पेट्रोल पम्प पर अनाश्यक भीड़ न लगायें। सोशल मीडिया/व्यक्तियों आदि द्वारा डीजल/पेट्रोल/सीएनजी की कमी सम्बन्धित झूठा एवं भ्रामक दुष्प्रचार ना करें। समस्त पेट्रोल पंप संचालक नो हेलमेट नो फ्यूल का अनुपालन करें। कोई भी पंप संचालक खुले पात्र में डीजल/पेट्रोल की बिक्री न करें। आपूर्ति विभाग की टीम प्रत्येक तहसील/क्षेत्र में प्रगतिमान है एवं जगह-जगह पर छापेमारी कर रही है। अनावश्यक डीजल/पेट्रोल एकत्र करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। सभी उपजिलाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत स्वयं एवं अन्य कार्यकारी मजिस्ट्रेट, पुलिस क्षेत्राधिकारी/थाना प्रभारी, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी/पूर्ति निरीक्षक के साथ निरंतर रूप से भ्रमणशील रहकर यह सुनिश्चित कर लें कि कहीं पर भी डीजल/पेट्रोल/सीएनजी का अनाधिकृत रूप से भण्डारण/डायवर्जन/ कालाबाजारी न हो।

हाउस टैक्स में बड़ी राहत : नगर पालिका बोर्ड बैठक में संशोधित स्वकर प्रणाली पास

शामली (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद शामली की बोर्ड बैठक में शहरवासियों को हाउस टैक्स में बड़ी राहत देने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। चेयरमैन अरविन्द संगल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में स्वकर निर्धारण प्रणाली में संशोधन का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया, जिससे हजारों मकान मालिकों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। पालिका सभागार में आयोजित वित्तीय वर्ष 2025-26 की अंतिम बोर्ड बैठक में 25 में से 23 सभासद उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य एजेंडा शहर की जनता को कर में राहत प्रदान करना रहा। चेयरमैन अरविन्द संगल ने बताया कि पिछले कुछ समय से हाउस टैक्स में बढ़ोतरी को लेकर चल रही चचाओं और नागरिकों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

नई व्यवस्था के तहत शहर के वार्डों को श्रेणी ह्यअह्न और ह्यबह्न में विभाजित किया गया है। साथ ही सड़कों के आधार पर उन्हें चार भागों में बांटकर नई कर दरें निर्धारित की गई हैं। संशोधित स्वकर निर्धारण प्रणाली को लागू करने के लिए गजट प्रकाशन की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश भी दिए गए हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि नए कर बिल जारी होने के बाद दो माह तक किसी भी प्रकार का अधिभार नहीं लिया जाएगा। इसके साथ ही समय पर कर जमा करने पर मिलने वाली छूट भी दो माह तक जारी रहेगी, जिससे आम नागरिकों को अतिरिक्त राहत मिलेगी। इस निर्णय का बैठक में मौजूद सभासदों ने स्वागत किया। चेयरमैन अरविन्द संगल ने इसे जनता की जीत बताते हुए कहा कि लगातार मिल रही शिकायतों और सुझावों के आधार पर यह फैसला लिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि शहर के विकास कार्यों, प्रमुख मार्गों, नालों की सफाई तथा सार्वजनिक स्थलों के सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

बैठक के दौरान सभासदों को अपने अपने वार्ड की समस्याएं रखने का अवसर भी दिया गया, जिन पर संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही कार्रवाई के निर्देश दिए गए। बैठक का संचालन ईओ विनोद कुमार सोलंकी ने किया।

इस अवसर पर हाजी साजिद, अजीत निर्वाल, नीरज देवी, अरविन्द खटीक, राजीव गोयल, प्रमोद जांगिड, गुलजार मंसूरी, सेठपाल जांगिड, आशीष गुप्ता, तोहिद रहमानी, शाहिदा मंसूरी, अनिल उपाध्याय, निशीकांत संगल सहित अन्य सभासद मौजूद रहे।

छात्र की गोली मारकर हत्या से भड़का आक्रोश, शव रखकर मुजफ्फरनगर हाईवे पर जाम

शामली (शिखर समाचार)। गांव तलवा माजरा निवासी 22 वर्षीय छात्र अभि की गोली मारकर हत्या किए जाने से क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया। गुरुवार को गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने मुजफ्फरनगर हाईवे पर शव रखकर जाम लगा दिया और जमकर हंगामा किया। इस दौरान परिजनों ने पुलिस पर आरोप लगाया कि घटना के बाद भी आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे उनमें रोष और बढ़ गया। परिजनों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो वे दोबारा उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार बाबरी क्षेत्र के गांव तलवा माजरा निवासी अभि पुत्र सुनील कुमार कक्षा 12 का छात्र था। बुधवार को गांव गोहरपुर में नवरात्र की सप्तमी के अवसर पर मेले का आयोजन किया गया था। अभि भी अपने गांव से मोटरसाइकिल पर सवार होकर मेला देखने गया था। बताया जाता है कि शाम करीब पांच बजे जब वह मेला देखकर वापस लौट रहा था, तभी गांव गोहरपुर और तलवा माजरा के बीच रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों ने उसे रोक लिया। आरोप है कि युवकों ने पहले उसके साथ मारपीट की और फिर उसे गोली मार दी।

गोली लगने से गंभीर रूप से घायल अभि को उपचार के लिए मेरठ भेजा गया, जहां देर रात चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही छात्र का शव गांव पहुंचा तो परिजनों में कोहराम मच गया। गम और गुस्से से भरे परिजनों व ग्रामीणों ने गांव के बाहर स्थित शिव मंदिर के निकट शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया और पुलिस प्रशासन के

खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। घटना की सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला, क्षेत्राधिकारी नगर जितेन्द्र कुमार, क्षेत्राधिकारी थानाभवन अमरदीप मौर्य सहित शहर कोतवाली, बाबरी, आदर्श मंडी तथा कैराना कोतवाली सहित कई थानों की पुलिस बल मौके पर पहुंचा। अधिकारियों ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया और आश्वासन दिया कि मामले में त्वरित कार्रवाई की जाएगी। काफी समझाने बुझाने के बाद परिजन शांत हुए और जाम खोला गया। अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला ने भरोसा दिलाया कि 48 घंटे के भीतर हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा कर दिया जाएगा। इस पर परिजनों ने चेतावनी दी कि यदि तय समय सीमा में कार्रवाई नहीं हुई तो वे पुनः सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे। इस दौरान बाबा श्याम सिंह, कालेन्द्र मलिक, विक्की देशवाल कसेरवा, लवली डायरेक्टर, कालू प्रधान, विनोद प्रधान, सरजीत प्रधान सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

टीबी के खिलाफ जंग तेज: सरस्वती मेडिकल साइंसेज का बड़ा जन जागरूकता अभियान, नुक्कड़ नाटक से दिया प्रभावी संदेश

हापुड़ (शिखर समाचार)। विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा मुकिमपुर गांव एवं संस्थान के ओपीडी परिसर में व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम इस वर्ष की वैश्विक थीम हाँ! हम टीबी को समाप्त कर सकते हैं: देशों के नेतृत्व में, लोगों की शक्ति सेके अनुरूप आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य आमजन को क्षय रोग (टीबी) के प्रति जागरूक करना, इसके लक्षणों की समय पर पहचान, रोकथाम, पूर्ण उपचार के महत्व और बीमारी से जुड़े सामाजिक कलंक को समाप्त करना रहा। कार्यक्रम का आयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. (ब्रिग.) विनीत रस्तोगी के मार्गदर्शन में हुआ। नेतृत्व डॉ. विनय कुमार (टीबी नोडल अधिकारी) और डॉ. सिनीश टी. वी. (सीनियर रेजिडेंट) ने किया, जिसमें फैकल्टी, रेजिडेंट्स और एमबीबीएस छात्रों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

मुकिमपुर गांव में आयोजित चिकित्सा शिविर में ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच के साथ टीबी के लक्षण, जांच और उपचार संबंधी विस्तृत जानकारी दी गई। बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों को समय पर परामर्श मिला, जिससे संभावित मरीजों की पहचान भी संभव हो सकी। अभियान की सबसे खास आकर्षण एमबीबीएस 2023 और 2024 बैच के छात्रों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक रहा। मुकिमपुर गांव और ओपीडी परिसर में मंचित इस नाटक के माध्यम से टीबी संक्रमण, देर से जांच के खतरे और पूरा इलाज करने की जरूरत को सरल और प्रभावी तरीके से समझाया गया। प्रस्तुतियों ने लोगों का ध्यान आकर्षित कर जागरूकता फैलाने में अहम भूमिका निभाई। ओपीडी गतिविधियों का संचालन डॉ. सचेत डावर (एसोसिएट प्रोफेसर, पल्मोनरी मेडिसिन) के निर्देशन में किया गया।

स्वास्थ्य वार्ता के दौरान डॉ. विनय कुमार ने लगातार खांसी, वजन घटना और बुखार जैसे शुरूआती लक्षणों को नजरअंदाज न करने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि टीबी की जांच और इलाज राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत निशुल्क उपलब्ध है और पूरा उपचार लेना बेहद जरूरी है, ताकि दवा प्रतिरोध जैसी समस्या से बचा जा सके। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. अरशद, डॉ. सानोजा श्रेया, डॉ. धर्मेंद्र सिंह, डॉ. ललित, भूप सिंह और इरफान का विशेष योगदान रहा। संस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनस्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया।

पत्नी और उसके आशिक की हत्या के आरोपी पति राशिद को मुठभेड़ में लगी गोली

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। बीती 23 मार्च 2026 को पत्नी शबनम और उसके आशिक फईम की गोली मारकर हत्या के आरोप में पुलिस ने आरोपी पति राशिद को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस हत्या में प्रयुक्त असलाह बरामद कराने के लिए राशिद को लेकर गई थी। इसी दौरान उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी फायरिंग की, जिसमें उसके पैर में गोली लग गई। पुलिस ने उपचार के लिए उसे अस्पताल में भर्ती कराया है। वहीं उसके कब्जे से आलाकत्ल 1 देशी तमंचा मय, 1 खोखा कारतूस व 1 जिंदा कारतूस बरामद किया। एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि थाना ट्रॉनिका सिटी पुलिस टीम मुकदमा अपराध संख्या 98/26 धारा 103 (1) BNS में अभियुक्त राशिद को गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद अभियुक्त ने बताया कि वह आलाकत्ल की बरामदगी करा सकता है। उसकी बातों पर भरोसा कर बाउम्मीद बरामदगी आलाकत्ल करने के उद्देश्य से जैन कॉलोनी हरमपुर वाले जंगल में पहुंचे तो अभियुक्त ने पहले से छुपाए हुए तमंचे से पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया। पुलिस ने भी फायरिंग की, जिसमें उसके पैर में गोली लगी। उसे घायल अवस्था में मौके पर गिरफ्तार किया गया और उपचार हेतु अस्पताल भिजवाया गया। उन्होंने बताया कि अभियुक्त ने 23 मार्च 26 को अपने दोस्त फईम व अपनी पत्नी शबनम की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। राशिद के खिलाफ हत्या, हत्या का प्रयास व चोरी जैसे कई आपराधिक मुकदमे दर्ज है।

अष्टमी पर महामाया देवी मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब, लाखों श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

मोदीनगर (शिखर समाचार)। सीकरी खुर्द स्थित प्रसिद्ध एवं पौराणिक महामाया देवी मंदिर में बृहस्पतिवार को अष्टमी के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से लेकर देर शाम तक मंदिर परिसर और मेला क्षेत्र में आस्था का जनसैलाब देखने को मिला। अनुमान है कि लाखों श्रद्धालुओं ने देवी मां के दर्शन कर अपनी मन्नतें मांगीं।

पिछले दो दिनों से राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु मेले में पहुंच रहे थे, लेकिन अष्टमी के दिन स्थानीय श्रद्धालुओं की संख्या अधिक रही। सुबह से ही मेले में भीड़ बढ़नी शुरू हो गई थी और दोपहर तक स्थिति यह हो गई कि पूरा मेला क्षेत्र श्रद्धालुओं से खचाखच भर गया। श्रद्धालु ट्रैक्टर ट्रॉली और अन्य वाहनों से परिवार सहित मेले में पहुंचे। ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार महिलाएं ढोलक और मंजीरे के साथ माता के भजन गाते और जयकारे लगाते हुए मंदिर की ओर बढ़ती रहीं। पूरे दिन मंदिर परिसर और आसपास के रास्तों पर "जय माता दी" के उद्घोष गूंजते रहे, जिससे वातावरण भक्तिमय बना रहा। भीड़ के चलते सीकरी रोड से लेकर दिल्ली मेरठ मार्ग तक यातायात व्यवस्था प्रभावित रही और दिनभर जाम की स्थिति बनी रही। पुलिस

प्रशासन यातायात को सुचारु बनाए रखने में जुटा रहा।

मेले में आने वाले मार्गों के किनारे बड़ी संख्या में दुकानें सजी हुई हैं। इन रास्तों से गुजरते श्रद्धालुओं को देखने के लिए आसपास के घरों की महिलाएं अपने दरवाजों और छतों पर खड़ी नजर आईं।

डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी ने भी मेले का निरीक्षण किया और मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए, ताकि व्यवस्था सुचारु बनी रहे। मेले का अंतिम दिन नवमी को होगा। शाम के समय विधिवत समापन के साथ यह धार्मिक आयोजन संपन्न हो जाएगा।

मारपीट व आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में पिता-पुत्री गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। बढ़ापुर थाना पुलिस ने एक युवक को आत्महत्या के लिए मजबूर करने के मामले में कार्रवाई करते हुए पिता और पुत्री को गिरफ्तार किया है, जबकि परिवार के अन्य दो आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। हरियाणा के फतेहाबाद (रत्ताखेड़ा) निवासी बिट्टू राम ने बढ़ापुर थाने में तहरीर देकर बताया कि उसके भाई रविकांत के साथ गांव रामजीवाला निवासी फौजा सिंह, उसकी पत्नी कौशल्या देवी, पुत्री राजविंदर कौर और पुत्र सोनू ने मारपीट की थी। आरोप है कि लगातार उत्पीड़न और प्रताड़ना से परेशान होकर रविकांत ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर 14 मार्च को बढ़ापुर थाने में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच तेज की और रविवार को आरोपी फौजा सिंह और उसकी पुत्री राजविंदर कौर को गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं, फरार चल रहे अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

नगर पालिका बोर्ड बैठक में छात्रा का सम्मान, जनप्रतिनिधियों का अभिनंदन

शामली (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद में आयोजित बोर्ड बैठक के दौरान एक विशेष अवसर पर सभासद प्रमोद कुमार जांगिड की पुत्री एकजा जांगिड को एक दिन का डीआईओएस बनाए जाने पर सम्मानित किया गया। इस मौके पर चेयरमैन अरविन्द संगल ने छात्रा को मंच पर आमंत्रित कर पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने छात्रा को मन लगाकर पढ़ाई करने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए शुभकामनाएं दीं। बैठक के दौरान चेयरमैन द्वारा नगर पालिका के चार नामित सदस्यों देवानंद गौड़, मीरा चावला, संगीता जिंदल और हरिओम पाठक का भी सम्मान किया गया। सभी नामित सभासदों का स्वागत करते हुए उनके योगदान की सराहना की गई। इसके अतिरिक्त सभासद अनिल कुमार उपाध्याय को भारतीय जनता पार्टी में जिला मंत्री बनाए जाने पर भी बधाई दी गई और उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका के अन्य सभासद एवं अधिकारी भी उपस्थित रहे।

केके जैन पीजी कॉलेज में वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता के तहत दौड़ आयोजित

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। श्री कुन्द कुन्द जैन महाविद्यालय परिसर स्थित खेल मैदान में वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिताओं के अंतर्गत एथलेटिक्स मीट में दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। छात्रा वर्ग में ज्योति (बीए द्वितीय वर्ष) ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए चैम्पियन का खिताब हासिल किया, जबकि शालिनी तंवर (बीए तृतीय वर्ष) को रनरअप घोषित किया गया। वहीं छात्र वर्ग में तुषार राणा (बीए प्रथम वर्ष) ने प्रथम स्थान प्राप्त कर छात्र चैम्पियन का खिताब जीता तथा निकिल कुमार (बीए तृतीय वर्ष) रनरअप रहे। प्रतियोगिता का शुभारम्भ महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. नीतू वशिष्ठ, क्रीड़ा अधिकारी प्रो. अरविन्द कुमार, उपक्रीड़ा अधिकारी डॉ. विपिन कुमार बंसल एवं आशीष जैन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में क्रीड़ा समिति के सदस्य विकास जैन, डॉ. विशु, निखिल कुमार, डॉ. पारूल शर्मा, रजत गुप्ता, मुकुल जैन, मनोज मलिक, सुधीर कुमार, हिमांशु कुमार और प्रियांशु कुमार सहित समस्त प्राध्यापकगण एवं तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।

आर्य समाज भवन का लोकार्पण समारोह संपन्न, वैदिक संस्कृति के प्रसार का लिया संकल्प

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव इटावा में नव निर्मित आर्य समाज भवन का तीन दिवसीय भव्य लोकार्पण समारोह गुरुवार को विधिवत संपन्न हो गया। कार्यक्रम के दौरान विद्वानों ने यज्ञ-हवन कर वेदों की महिमा का विस्तार से वर्णन किया और उपस्थित लोगों को वैदिक जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। लोकार्पण समारोह के अंतिम दिन आर्य संन्यासी स्वामी सत्यवेश ने अपने प्रवचनों में समाज में फैल रही कुरीतियों पर चिंता व्यक्त करते हुए लोगों को पाखंड और नशाखोरी से दूर रहने की सीख दी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए वैदिक सिद्धांतों का पालन आवश्यक है। कार्यक्रम में वैदिक भजनोपदेशक सोमपाल आर्य, भूपेंद्र आर्य और घनश्याम प्रेमी ने महर्षि दयानंद सरस्वती तथा भारत माता के वीर सपूतों पर आधारित भजन प्रस्तुत किए, जिनसे वातावरण भक्तिमय और प्रेरणादायी बन गया। आर्य समाज बुढ़ाना के प्रधान प्रवीण राणा ने कहा कि इटावा गांव में आर्य समाज भवन का निर्माण क्षेत्र में वैदिक संस्कृति, नैतिक मूल्यों और संस्कारों के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य नई पीढ़ी को पाखंड और नशे जैसी बुराइयों से दूर रखकर उन्हें महर्षि दयानंद के आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित करना है। समारोह में पूर्व मंत्री योगराज सिंह, रालोद विधायक प्रसन्न चौधरी, आर्य समाज इटावा के संरक्षक महक सिंह, मदन राठी, प्रेम सिंह और उदयवीर राठी सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

योगी बोले: जंग न होती तो रविकिशन दुबई में होते

जैसे पहले सिलेंडर घर पहुंचता था, अब भी पहुंचाएंगे, अफवाहों से सतर्क रहिए

गोरखपुर (एजेंसी)। सीएम योगी ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका-इजराइल और ईरान में युद्ध चल रहा है। यह लंबा खिंचा तो हर व्यक्ति पर असर पड़ेगा। हमें घबराना नहीं है। अफवाहों पर ध्यान नहीं देना है। चुनौती आती है तो सबको सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना होगा। यही सच्ची राष्ट्रभक्ति होती है। योगी ने सांसद रविकिशन की चुटकी ली। कहा- युद्ध न हो रहा होता तो हो सकता है रविकिशन दुबई में होते। लेकिन, वहां हालात ठीक नहीं है तो उन्होंने सोचा कि चलो मैं भी सहजनवा चलता हूं। सीएम ने सहजनवा में 3.5 एकड़ में बने आईटी पार्क का लोकार्पण किया। कहा- रविकिशन को विश्वास नहीं हो रहा था। कह रहे थे कि गोरखपुर के विकास में 5000 करोड़ रुपए तो लग गए होंगे। मैंने कहा- नहीं, आप गलत बोल रहे हैं। सिर्फ गोरखपुर में पिछले 9-10 साल में एक लाख करोड़ से ज्यादा पैसे लगे हैं। सीएम ने गैस सिलेंडर के लिए लग रहीं लाइनों को लेकर कहा- देश के हित में अगर सरकार ने कोई कदम उठाया है, तो हमें उसके लिए खुद को तैयार करना होगा। कोई भी रसोई गैस का सिलेंडर बिना खत्म हुए न लेने जाएं। जैसे पहले सिलेंडर घर तक पहुंचता था, वैसे अब भी पहुंचाएंगे। लाइन लगाने की जरूरत नहीं है। योगी ने कहा- कुछ लोग अव्यवस्था पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं। जब जरूरत हो तभी डीजल और पेट्रोल लेने जाएं। यदि लाइन लगाएंगे तो हमारी राष्ट्रभक्ति पर लोग संदेह करेंगे। सीएम योगी ने कहा कि रविकिशन को विश्वास नहीं हो रहा था। उन्होंने कहा कि 5 हजार करोड़ तो गोरखपुर में लग गया होगा। मैंने कहा नहीं, आप गलत बोल रहे हैं। मैंने कहा कि 1 लाख करोड़ से अधिक पैसा लगा है। एम्स बना, फर्टिलाइजर बना, स्किल डेवलपमेंट के सेंटर बने। 350 से अधिक उद्योग आए। चारों ओर हाईवे की कनेक्टिविटी हुई। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे बना। इससे लाखों युवाओं के रोजगार की संभावनाएं भी बनी हैं। योगी ने कहा कि इन नौ सालों में नवनिर्माण की नई प्रगति को दुनिया के सामने रखा है। लगभग 350 से अधिक उद्योग GIDA में लगे हैं। 15 हजार करोड़ से अधिक निवेश हुआ। 50 हजार से अधिक युवाओं के रोजगार की संभावना विकसित हुई। गीडा में फ्लैटेड फैक्ट्री में रेडीमेड गारमेंट उद्यमियों को सुविधा मिलेगी। यहां प्लास्टिक पार्क भी विकसित हो रहा है। योगी ने कहा कि एसटीपीआई को धन्यवाद देंगे कि इस तरह के आईटी पार्क के लिए उन्होंने गोरखपुर को चुना। अन्य जगहों पर जो अच्छे स्टार्टअप हैं, वे यहां आकर यहां के युवाओं को प्रेरित करेंगे। घर में बैठे-बैठे बहुत सारे अवसर आपको आईटी पार्क उपलब्ध कराएगा। एसटीपीआई से कहूंगा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश से जुड़े हुए तकनीकी संस्थान एवं उच्च शिक्षा संस्थानों को भी इससे जोड़ सकेंगे तो उनके मन में स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ाने में इससे सहायता मिलेगी। आपमें भी क्षमता है कि आप भी स्टार्टअप कर सकते हैं। योगी ने कहा कि भविष्य की एनर्जी के लिए हमें किसी देश पर निर्भर न रहना पड़े। इसके लिए ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी उसका माध्यम बनने वाली है। उसी के लिए हमने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए पैसा उपलब्ध कराया है। इस तकनीकी को लाने के लिए हम जापान भी गए थे। जापान काफी एडवांस स्टेज में है। इस तकनीकी के मामले में। तकनीकी को आने में थोड़ा समय लगता है। इनोवेशन को रिसर्च व डेवलपमेंट में बदलने में समय लगता है। युवाओं के विचारों को सरकार प्लेटफार्म दे रही है। योगी ने कहा कि मदन मोहन मालवीय प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय को ग्रीन हाइड्रोजन के लिए सेंटर आफ एक्सीलेंस उपलब्ध कराया है। 50 करोड़ रुपये से इसकी स्थापना होगी। उन्होंने कहा कि हो सकता है मिडिल ईस्ट में युद्ध न हो रहा होता तो रविकिशन दुबई में होते। वहां युद्ध हो रहा है तो वह सोचे कि चलो सहजनवा चलते हैं। योगी ने कहा कि 15 अप्रैल को पूर्वी उत्तर प्रदेश का पहला सेंटर ऑफ एक्सिलेंस का शुभारंभ होने जा रहा है। अब हम सॉफ्टवेयर में भी यहां का युवा अपनी प्रतिभा का परिचय वैश्विक मंच पर देने में सफल हो पाएगा। यूपी के बजट में तकनीक पर विशेष ध्यान देने का प्रयास किया है। हम सब का मानना है कि तकनीक आज के समय में हमारी गति को प्रगति में बदल सकती है। स्पीड कई गुना बढ़ा सकती है। जब हम तकनीकी नहीं बढ़ाते तो प्रतिस्पर्धा में नहीं रहते तो वह गति दुर्गति की ओर ले जाती है। सीएम ने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी भारत में है। स्केल था, लेकिन 2014 के पहले की सरकारों ने स्केल को महत्व नहीं दिया। उसे स्किल में बदलने का प्रयास नहीं किया। कोई प्लेटफॉर्म नहीं उपलब्ध कराया। परिणाम था युवा हतोत्साहित होकर पलायन करता था। लेकिन 2014 के बाद एक-एक करके हर क्षेत्र में परिवर्तन देखने को मिला। सीएम योगी ने कहा कि स्टार्टअप चलाने वाला व्यक्ति केवल कंप्यूटर लेकर सेंटर जाएगा। उसे सारी सुविधाएं इस आईटी पार्क में मिलेंगी। उसे किसी सुविधा की चिंता नहीं करनी है। देश दुनिया में जहां कहीं भी सॉफ्टवेयर की तकनीक धमक दिखा रही है, वहां यही मॉडल ने सफलता दिलाई है। हमारा जो युवा है। उसमें टैलेंट है। उसे जब तकनीक से जोड़ते हैं तो वह अपनी प्रतिभा को कई गुना तेजी से आगे बढ़ाने में सफल होता है। यही प्रधानमंत्री ने पिछले 11 वर्षों में देश में किया है।

ट्रेलरों की टक्कर के बाद आग लगी, 3 जिंदा जले

बांदा (एजेंसी)। यूपी के बांदा में बुधवार रात 2 बजे दो ट्रेलरों की आपस में टक्कर हो गई। हाईवे पर आमने-सामने से हुई टक्कर के बाद ट्रेलरों में आग लग गई। 3 लोग जिंदा जल गए। एक युवक झुलस गया। आग इतनी भीषण थी कि लपटें 15 फीट ऊंचाई तक उठीं। जो 2 किलोमीटर दूर से दिखाई दे रही थी। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शुरू किया। बताया कि तेज रफ्तार और अंधेरे की वजह से हादसा हुआ। दोनों ट्रेलरों के दरवाजे लॉक हो गए थे। ड्राइवर और खलासी अंदर ही फंस गए। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। वाहनों में फंसे शवों को पॉलिथीन में भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया।

घायल का इलाज चल रहा है। घटना जिला मुख्यालय से 30 किलोमीटर दूर बांदा-झांसी-मीरजापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मटौंध थाना क्षेत्र की है। बांदा-झांसी-मिजार्पुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मटौंध रेलवे क्रॉसिंग के पास जोरदार हादसा हुआ। एक ट्रेलर कबरई से गिट्टी लेकर आ रहा था, जबकि दूसरा ट्रेलर खाली था। हादसे में दोनों ड्राइवर और एक खलासी जिंदा जल गए, जबकि एक खलासी गंभीर रूप से झुलस गया। हादसे की सूचना मिलते ही मटौंध थाना निरीक्षक दीपेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे। राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन भीषण आग के कारण काफी देर तक बचाव कार्य प्रभावित रहा। हादसे के बाद करीब 2 घंटे तक हाईवे पर जाम के हालात बने। मृतकों की पहचान सुल्तानपुर निवासी सुरेश पांडेय (55), आजमगढ़ के अहिरौला निवासी सूरज नाथ (50) और शनि (30) के रूप में हुई है। घायल की पहचान अभिषेक पुत्र रवेंद्र कुमार (23) के रूप में हुई। घायल अभिषेक ने बताया- मैं ट्रेलर से गिट्टी लेकर जा रहा था। रेलवे क्रॉसिंग के पहले अंधेरा था। तभी सामने से आ रहे ट्रेलर से टक्कर हो गई। ट्रेलर की तेज लाइट के कारण सामने कुछ नहीं दिखाई दिया। दोनों गाड़ियों में आग लग गई। मैं ट्रेलर के पिछले हिस्से में था, इसलिए नीचे कूदकर दूर हो गया और बच गया। ड्राइवर अंदर ही फंसा रह गया।

राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने रामलला के किए दर्शन: हनुमानगढ़ी में टेका मत्था

अयोध्या (एजेंसी)। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह गुरुवार सुबह अयोध्या पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने हनुमानगढ़ी मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद रामलला के दर्शन किए और फिर कनक भवन जाकर आशीर्वाद लिया। इस दौरान कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। मीडिया से बात करते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा- जब प्रभु का बुलावा आता है तो हर व्यक्ति आ जाता है। इसलिए जब मुझे बुलावा आया, तो मैं उपस्थित हो गया। प्रभु के दर्शन करके अच्छा लगा। कनक भवन मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ महाराज का है, वहां भी जा करके आशीर्वाद लिया। रामलला के दर्शन की उनकी लंबे समय से इच्छा थी। राम मंदिर निर्माण में मेरा भी छोटा-मोटा योगदान रहा है। प्रभु का बुलाया आया और हम आ गए। कांग्रेस में हर व्यक्ति अपनी आस्था अनुसार धर्म का पालन करता है। हम धर्म का दुरुपयोग ना तो व्यवसाय के लिए करते हैं और ना राजनीति के लिए करते हैं। अयोध्या के विकास पर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा- एक-दो घंटे की यात्रा से कुछ पता नहीं लगता है, अयोध्या के लोग जानते हैं किसका क्या असर होगा। वहीं, देश में ईंधन और गैस की किल्लत पर दिग्विजय सिंह ने कहा- भाजपा शासन में केवल लाइने नहीं लग रही हैं। लोग गरीब से गरीब होते जा रहे हैं। कुछ लोग अमीर से अमीर होते जा रहे हैं। राम मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद यह दिग्विजय सिंह का पहला अयोध्या दौरा था। सुबह करीब 9 बजे वे महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचे, जहां कांग्रेस कार्यकताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने यूपी कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष निर्मल खत्री के आवास जाकर उनका हालचाल जाना। इसके बाद दिग्विजय सिंह हनुमानगढ़ी, रामलला और कनक भवन के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए निकल गए। दर्शन और पूजा पूरी करने के बाद वह लखनऊ के लिए रवाना हो गए। राम जन्मभूमि मंदिर के विरोध पर दिग्विजय सिंह ने कहा- मैंने कभी राम मंदिर निर्माण का विरोध नहीं किया है। सभी पर श्रीराम की कृपा बनी रहे। वहीं, दिग्विजय सिंह के कार्यालय की ओर से जारी प्रेस रिलीज में बताया गया कि वे रामानंद संप्रदाय के संत पीपाजी महाराज के वंशज हैं। उनके पैतृक निवास राघौगढ़ में रघुजी महाराज (भगवान राम) और हनुमान जी के प्राचीन मंदिर भी स्थित हैं। 18 जनवरी 2021 को उन्होंने राम मंदिर निर्माण के लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को 1,11,111 रुपए का दान दिया था। इसमें उन्हें सनातन परंपरा से जुड़ा बताते हुए उनकी 3,300 किलोमीटर लंबी नर्मदा परिक्रमा का भी उल्लेख किया गया, जिसे उन्होंने पैदल पूरा किया था।

मजार पर चादर चढ़ाने को लेकर विवाद, तोड़फोड़-पथराव

बदायूं (एजेंसी)। थाना सहसवान क्षेत्र के गांव हिंडौर में बृहस्पतिवार को मजार पर चादर चढ़ाने को लेकर एक के ही समुदाय के दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। कहासुनी से शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते झड़प में बदल गया। दोनों तरफ से पथराव किया गया। इस दौरान मजार की दीवार भी ढह गई। इससे गांव में अफरातफरी मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति पर काबू पाया। दोनों पक्षों के 12 लोगों को हिरासत में लिया गया है। सहसवान थाने के प्रभारी निरीक्षक के अनुसार, ग्राम हिंडौर में असलम पुत्र अख्तर के सहखातेदार मंजर पुत्र अख्तर, मुझक्किर पुत्र हाडे अली, अतहर पुत्र अफसर व मुताहिर पुत्र अफसर ने अपनी जमीन दूसरे पक्ष के असलम पुत्र इस्माइल को विक्रय कर दी थी। इसी जमीन पर एक पुरानी मजार बनी हुई है, जो असलम के घर से सटी हुई है और जिसका प्रवेश द्वार भी उनके घर की ओर है। मजार की चारदीवारी भी कुछ वर्ष पूर्व असलम ने ही बनवाई थी। बृहस्पतिवार को मजार पर चादर चढ़ाने को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। तोड़फोड़ और पथराव किया गया। विवाद के दौरान मजार की दीवार गिर गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि वह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने दोनों पक्षों के कुल 12 लोगों को हिरासत में लेकर थाने भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मामले में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

अखिलेश बोले: हमने मिट्टी के दो चूल्हे बनवा लिए

गैस किल्लत पर तंज, पूजा पाल पर कहा: हमारी विधायक को गुमराह किया

लखनऊ (एजेंसी)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने लखनऊ में गुरुवार दोपहर 12 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सीएम योगी पर तंज कसा। उन्होंने कहा- वह धुरंधर से भी बड़े धुरंधर हैं। हमारी विधायक (पूजा पाल) को गुमराह कर ले गए। बताइए, हम कहां FIR कराएं। उन्होंने कहा- महिला थीं, इसलिए पहले नहीं निकाला गया। बाद में मजबूरी में निकालना पड़ा। ये बयान इसलिए दिए जा रहे हैं कि कहीं से टिकट मिल जाए। दरअसल, 24 मार्च को पूजा पाल ने कहा था कि सीएम योगी धुरंधर मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने अतीक और मुख्तार अंसारी जैसे माफिया का अंत किया। अखिलेश ने सीएम के अंग्रेजी ट्वीट पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा- यह ट्वीट उन्होंने खुद नहीं लिखा, बल्कि एआई के जरिए किया गया है, जिसका झूठ पकड़ा जा चुका है। जो लोग एआई का फुल फॉर्म नहीं जानते, वे पीडीए को क्या समझेंगे। पीडीए का दुख-दर्द क्या समझेंगे। सपा प्रमुख ने सरकार के साइन किए गए एमओयू पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि एमओयू का कोई वित्तीय आधार नहीं है। सभी एमओयू की जांच कराई जाए। गैस किल्लत को लेकर उन्होंने कहा- हमने मिट्टी के दो चूल्हे बनवा लिए हैं। अखिलेश ने कहा- सीएम की बातों में न आओ, वो योगी नहीं हैं। वो कुछ भी बोल सकते हैं। चली चला की बेला है। सुनने में आया है कि गांजा गंज फिल्म बनने जा रही है। जितनी पीड़ा बढ़ेगी, उतना ही पीडीए बढ़ता चला जाएगा। इसलिए पीडीए को सम्मान दिलाने के लिए हम समाजवादी लोग उनको जोड़कर आगे बढ़ते जा रहे हैं।अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार में हुए कई एमओयू (MoU) का कोई वित्तीय आधार नहीं है। हम मांग करते हैं कि अब तक हुए सभी एमओयू की जांच कराई जाए। ये जनता को गुमराह करने के लिए किए गए। उन्होंने कहा- एआई के नाम पर भी सरकार भ्रम फैला रही है।

एक कंपनी की बात हो रही है, वह 2025 में बनी और उसकी वेबसाइट 2026 में बनी। 5% इंसेंटिव से ही पूरा मामला सामने आ गया।अखिलेश ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए कहा कि हिटलर के समय एक प्रोपेगेंडा मिनिस्टर होता था, लेकिन भाजपा सरकार में केंद्र और प्रदेश के सभी मंत्री प्रोपेगेंडा मिनिस्टर हैं। हर कोई खुद को प्रधानमंत्री समझ रहा है। कहा- भाजपा दुनिया की पहली राजनीतिक पार्टी है जो दूसरों की छवि खराब करने के लिए अरबों रुपए खर्च करती है। उन्होंने कहा- लोक भवन में जिस सोफे को तोड़ रहे हैं, वो किसका बनवाया हुआ है? लोकभवन किसका बनवाया हुआ है।अखिलेश ने महंगाई और गैस सिलेंडर पर तंज कसते हुए कहा कि नया महीना आ रहा है, भाजपा सरकार में लोगों को लाइन के अलावा क्या मिला? लोग बजट बनाकर चलते हैं कि महीने के आखिर में सिलेंडर भरवाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने 14.2 किलो सिलेंडर को घटाकर 10 किलो कर दिया। हमने तो अपने घर में मिट्टी के दो चूल्हे बनवा लिए।

संक्षिप्त डायरी

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की फिर बढ़ीं मुश्किलें, काशी की मुस्लिम महिला ने एफआईआर दर्ज कराने को दी तहरीर

वाराणसी (एजेंसी)। जिले में मुस्लिम महिला फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं हनुमान चालीसा फेम नाजनीन अंसारी ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के बयान 'इन्द्रेश कुमार ने 10 लाख हिन्दू लड़कियों की शादी मुस्लिम घरों में कराई है' पर आपत्ति जताई है। इस आरोप को पूरी तरह झूठ बताते हुए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ लालपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए तहरीर दिया है। नाजनीन अंसारी अपने अधिवक्ता डॉ. आत्म प्रकाश सिंह, डॉ. नजमा परवीन, युवा परिषद के यूपी प्रमुख विवेकानंद सिंह एवं जिला प्रमुख सत्यम राय के साथ लालपुर-पांडेयपुर थाने पहुंचीं। इस दौरान थाने में उपस्थित एसआई प्रभाकर सिंह को प्राथमिकी दर्ज करने के लिए तहरीर दी गई। नाजनीन अंसारी ने कहा है कि अविमुक्तेश्वरानंद स्वामी बोलकर अपनी राजनीति चमका रहे हैं। स्वामी ने जब आरोप लगाया है तो सबूत भी देना चाहिए। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ महिलाओं ने किया प्रदर्शन स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के बयान ह्य10 लाख हिन्दू लड़कियों का विवाह मुस्लिम घरों में करा दिया गयाह्न से नाराज महिलाओं ने वाराणसी में बृहस्पतिवार को विरोध प्रदर्शन किया। दलित महिला परिषद ने लमही के मुंशी प्रेमचंद स्मृति द्वार पर जमकर प्रदर्शन किया। इससे पहले दलित महिलाओं की नेता खुशी रमन के नेतृत्व में दलित महिला परिषद ने मुंशी प्रेमचंद स्मारक से प्रेमचन्द स्मृति द्वार तक आक्रोश मार्च निकाला। हाथों में तख्तियां, भिंची हुई मुट्ठी, ड्रम की आवाज पर नारे लगाती दलित बेटियों ने स्वामी के खिलाफ बिगुल फूंक दिया।

तेजस्वी सूर्या ने परिवार सहित रामलला के दरबार में लगाई हाजिरी

अयोध्या (एजेंसी)। रामनगरी अयोध्या में रामनवमी की तैयारियां अपने चरम पर हैं। इसी बीच गुरुवार को भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने परिवार सहित पहुंचकर रामलला का आशीर्वाद लिया। उन्होंने मंदिर की भव्यता और व्यवस्थाओं की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि रामनवमी के अवसर पर परिवार और अपने कार्यकताओं के साथ रामलला के दर्शन का सौभाग्य मिला। देश को एकजुट रखने में राम तत्व और कृष्ण तत्व का बहुत बड़ा योगदान है। पिछली बार जब आया था, तब मंदिर निर्माण अधूरा था, लेकिन इस बार इसकी भव्यता अद्भुत है। तेजस्वी सूर्या ने मंदिर ट्रस्ट द्वारा किए गए इंतजामों की भी तारीफ की। देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्था की सराहना की। कहा कि लाखों की संख्या में भक्त यहां आ रहे हैं। सभी के लिए बहुत अच्छी व्यवस्था की गई है। मैं उन सभी लोगों का अभिनंदन करता हूं जिन्होंने इस मंदिर के निर्माण में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से योगदान दिया। इस दौरान कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के दर्शन को लेकर तेजस्वी ने कहा कि ये मंदिर किसी एक राजनीतिक दल का नहीं है। भगवान श्रीराम किसी एक दल की पहचान नहीं हैं। अच्छा है कि दिग्विजय सिंह भी यहां दर्शन के लिए आए। मैं कांग्रेस और सपा के शीर्ष नेतृत्व से भी आग्रह करता हूं कि वे भी यहां आकर दर्शन करें।

स्कूल में रोई मासूम बच्ची तो टीचर ने कर दी पिटाई, चोट लगने से होंठ से निकला खून

बरेली (एजेंसी)। हार्टमैन पुल के पास स्थित एक प्रतिष्ठित स्कूल की शिशु शाखा में पढ़ने गई साढ़े तीन साल की बच्ची की टीचर ने पिटाई कर दी। मासूम को कई थप्पड़ मारे, जिससे होंठ में चोट लग गई। खून बहने लगा। जानकारी होने पर अभिभावकों ने प्रधानाचार्य से शिकायत की लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। इसके बाद वह पुलिस के पास पहुंचे। किला इलाके के निवासी एक शख्स ने एसपी सिटी कार्यालय में शिकायत देकर बताया कि उनकी साढ़े तीन साल की बेटी ने तीन दिन पहले ही स्कूल जाना शुरू किया है। बुधवार दोपहर बाद जब वह और उनकी पत्नी बच्ची को स्कूल से लेने गए तो वह बुरी तरह रोने लगी। पता चला कि एक शिक्षिका ने उसकी जमकर पिटाई की है। दरअसल बच्ची अपने मम्मी पापा को याद करके रो रही थी और घर जाने की जिद कर रही थी। इसी बात को लेकर टीचर को गुस्सा आ गया। अभिभावकों के मुताबिक बच्ची का मसूड़ा फट गया और खून बहने लगा। शरीर पर और भी जगह चोटों की निशान हैं। परिवार ने पहले इज्जतनगर थाने में तहरीर दी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। बृहस्पतिवार को वह एसपी सिटी कार्यालय पहुंचे और वहां मौजूद स्टाफ को शिकायत पत्र देकर शिक्षिका के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

अनियंत्रित टाटा कर्व कार ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, चालक की मौत

बुलंदशहर (एजेंसी)। सिकंदराबाद के कटाखेड़ा के पास एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। एक अनियंत्रित टाटा कर्व कार ने पहले एक स्कॉर्पियो को टक्कर मारी। इसके बाद कार ने एक ई-रिक्शा को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में ई-रिक्शा चालक विशाल की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। विशाल की उम्र 28 वर्ष थी और वह सिकंदराबाद का निवासी था। पुलिस ने घटना की सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू की। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने टाटा कर्व कार के चालक को हिरासत में ले लिया है। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और घायलों की मदद करने का प्रयास किया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया ताकि यातायात सुचारु हो सके। इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस घटना के कारणों की गहनता से जांच कर रही है।

रोड रेंज में युवक पर हुई सरेराह फायरिंग, क्रॉसिंग पुलिस ने 4 को लिया हिरासत में

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में रोड रेंज के दौरान एक बड़ी अनहोनी होने से बच गई। रोड रेंज के दौरान सरेराह युवक सुमित के ऊपर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई। गनीमत रही की इस दौरान सुमित को गोली नहीं लगी, वरना एक बड़ी अनहोनी हो सकती थी। सुमित ने इस संबंध में थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पर शिकायती दी, जिसके बाद पुलिस ने 4 आरोपियों को हिरासत में लेकर जाँच शुरू कर दी है। खास बात यह है कि घटना से जुड़ा एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें फायरिंग की आवाज साफ सुनाई दे रही है। पीड़ित सुमित चौधरी ने बताया कि वह ग्राम डबाना का निवासी है। क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र के मुख्य ग्लास गेट पर जाम होने के कारण अपोजिट सर्विस रोड से घर जा रहा था। इसी दौरान सामने से एक स्कॉर्पियो गाड़ी आई। गाड़ी चालक ने उसे गाड़ी हटाने के लिए कहा, जबकि साइड से निकलने की जगह थी। जब उसने गाड़ी नहीं हटाई तो स्कॉर्पियो में से चार लोग निकले और उसकी गाड़ी का शीशा नीचे करवा कर गाड़ी पीछे हटने के लिए कहने लगे। इसी दौरान उनके बीच में कहा सुनी शुरू हो गई। उन्होंने वहां से गाड़ी हटाकर असल के गेट में ली और हथियार निकाल कर फायरिंग शुरू कर दी। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया है और पूछताछ जारी है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर एयरपोर्ट के भव्य उद्घाटन कार्यक्रम हेतु सिकन्द्राबाद विधानसभा अंतर्गत विभिन्न गाँवों में जनसंपर्क

गौतमबुद्ध नगर (शिखर समाचार)। सांसद गौतमबुद्ध नगर एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार डा. महेश शर्मा ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर-कमलों द्वारा दिनांक 28 मार्च 2026 को प्रस्तावित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर एयरपोर्ट) के भव्य उद्घाटन कार्यक्रम हेतु अपने संसदीय क्षेत्र गौतमबुद्ध नगर के सिकन्द्राबाद विधानसभा अंतर्गत विभिन्न गाँवों में जनसंपर्क किया।

इस दौरान झाझर (इनायतपुर, कुटवाया, नंगल केसरी, चैकी ख्वाजपुर), शेरपुर (सैदमपुर, शेखपुर माम, भोपतपुर, सुबरा) सलेमपुर जाट (महमदपुर केहरी, अजयनगर, सुनपेड़ा, नंगला गोविन्दपुर) वैर (अरौण्डा, रोनी, कमालपुर, भौरा, महेपा, बड़ौदा, नूरपुर, जाहिदपुर, दुल्हेरा, हसनपुर बकसुआ) फतेहपुर जादौन (निठारी, अलियाबाद, गांगरौल, नगला बंषी, कादलपुर, खानपुर, दाउदपुर) ख्वासपुर (सुल्तानपुर, नगला इलाहाबाद, रसूलपुर रिठौरी) चोला (धमैडा नारा, पचगाई, अगराई, चचोई, भौरावास, नवादा, बिरौण्डी ताजपुर, फौलादपुर) शाहपुर कला (लुहाकर, बंचावली, कौंदू, कनकपुर, नगला बड़ौदा) प्रानगढ (बुटैना, हदीमपुर, बोढ़ा, आ-ढ़ा, शहबाजपुर, सराय दूल्हा) फरीदपुर (निजापुर, हसनपुर जागीर, खैरपुर, बवैया बिसवाना, शेरपुर, अंधैल, तिलबेगमपुर) प्रेम गार्डन, सिकन्द्राबाद नगर, सनौटा (कोटा, मुहाना, औलेढ़ा, औरंगाबाद अहीर, ईसापुर, बेनीपुर, गाजीपुर, गेसुपुर, भराना) भटौना (कुरली, भोगपुर, बराल, बिसाईच, छपरावत, पितोबास,खुशहालपुर , नयाबांस) परशुराम भवन, गुलावठी नगर सहित अनेक गांवों में पहुंचकर स्थानीय निवासियों से संवाद किया। ग्रामीणों से आत्मीय भेंट करते हुए उन्हें दिनांक 28 मार्च 2026 को प्रातः 09:30 बजे उद्घाटन स्थल पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने हेतु सादर आमंत्रित किया। सिकन्द्राबाद विधानसभा में जनसंपर्क अभियान के दौरान इस ऐतिहासिक अवसर को लेकर क्षेत्र-ावासियों में व्यापक उत्साह परिलक्षित हुआ। स्थानीय जनता ने प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में संचालित विकास कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। यह एयरपोर्ट न केवल गौतमबुद्ध नगर बल्कि सम्पूर्ण पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सर्वांगीण विकास को नई गति प्रदान करेगा।

महिला कर्मचारियो के यौन उत्पीड़न कानून 2013 : आंतरिक समिति की बैठक नोएडा की पॉजिटिव प्लास्टिक कंपनी में हुई संपन्न

नोएडा (शिखर समाचार)। कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियो के यौन उत्पीड़न कानून 2013 के सम्बन्ध मे आंतरिक समिति की बैठक नोएडा की पॉजिटिव प्लास्टिक कंपनी में संपन्न हुई, जिसमे एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन (एनजीओ) की तरफ से रीचा कंचन ने कंपनी की सभी महिला और पुरुष को कानून के बारे जानकारी दी। कार्यस्थल पर आंतरिक शिकायत समीती के सदस्यों को समझाया की यदि किसी महिला कर्मचारी को इस प्रकार की कोई शिकायत है तो वह घटना घटित होने के तीन माह के अंदर अपनी लिखित शिकायत समिति के समक्ष प्रस्तुत करेगी। समिति का दायित्व होगा की वह तत्काल इस सम्बन्ध मे आवश्यक बैठक बुलाकर प्राप्त शिकायत पत्र मे उल्लिखित बिन्दुओ पर छानबीन करके, उसका समाधान करने का प्रयास करेगी। यदि समिति का प्रयास विफल हो जाता हो तो तत्काल इस शिकायत के सम्बन्ध मे प्रबंधक / प्रबंधन के उच्चाधिकारी को संपर्क करके उसका समाधान का प्रयास कराया जायेगा। यदि समस्या का समाधान नहीं हो तो प्रबंधक / प्रतिष्ठान के उच्चाधिकारी इस सम्बन्ध मे आवश्यक कार्यवाही लागू सेवा शर्तो / स्थायी आदेश के प्राविधानों के अनुसार समुचित कार्यवाही करेगा। यह भी आवश्यक होगा की इस प्रकार की शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण क्षेत्र के जिला अधिकारी के कार्यालय में प्रत्येक वर्ष की 15 जनवरी तक जमा करना अनिवार्य है अन्यथा कंपनी के ऊपर दंड के भी प्रावधान है। मिनिस्ट्री ऑफ महिला एव बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार की (SHE BOX PORTAL) पर रजिस्ट्रेशन करवाना और शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण अपलोड करना अनिवार्य है।

मलिन बस्तियों में एनएसएस स्वयंसेवकों ने जगाई शिक्षा की अलख

गाजियाबाद (शिखर समाचार) आईटीएस (स्नातक परिसर) की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवें दिन स्वयंसेवकों ने सामाजिक सरोकार का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए वसुंधरा सेक्टर 6 के आसपास की मलिन बस्तियों में रहने वाले बच्चों को साक्षरता का पाठ पढ़ाया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमित शर्मा के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर आर्थिक रूप से कमजोर एवं वंचित वर्ग के बच्चों के लिए ह्यसर्व शिक्षा अभियानह्न के अंतर्गत खेल खेल में रोचक एवं मनोरंजक शिक्षण प्रशिक्षण गतिविधियां आयोजित की गईं। स्वयंसेवकों ने बच्चों को बुनियादी शिक्षा के साथ साथ स्वच्छता, अनुशासन और अच्छे व्यवहार के बारे में भी जानकारी दी। इसके अतिरिक्त बच्चों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण कर मानवता और सेवा भाव का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के माध्यम से यह भी प्रयास किया गया कि छात्र-छात्राएं समाज के उस वर्ग के करीब जाएं, जिनकी समस्याओं से वे सामान्यतः अनभिज्ञ रहते हैं। शिविर ने स्वयंसेवकों की संवेदनशीलता को बढ़ाने के साथ उन्हें वास्तविक जीवन की चुनौतियों से रूबरू कराया, जिससे उनकी सामाजिक सोच में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में कदम बढ़े। संस्थान की प्राचार्या डॉ. नैंसी शर्मा ने स्वयंसेवकों को प्रेरित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल उद्देश्य युवाओं में सेवा, समर्पण और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का दायित्व केवल शैक्षणिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उन्हें समाज सेवा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। इस कार्यक्रम में संस्थान के शिक्षक एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से डॉ. अमित शर्मा, विकास त्यागी, डॉ. संदीप गर्ग, प्रो. विकास कुमार, प्रो. आदिल खान, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. नीरज कुमार जैन और प्रो. प्रशांत त्यागी सहित बीबीए एवं बीसीए पाठ्यक्रमों के लगभग 100 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

500 के नकली नोटों की खेप के साथ 3 अभियुक्तों को लोनी बॉर्डर पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नकली नोटों की सप्लाई करने वाले नेक्सस का लोनी बॉर्डर पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने 500 के नकली नोट के साथ सुबोध, रोहित और मुन्ना को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से 234 नकली नोट बरामद किए है। वहीं इनके दो साथी अभी फरार है, जिनको गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीम लगी हुई है। संवाददाता सम्मेलन में एसीपी ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पुलिस ने चेकिंग के दौरान मोटरसाइकिल सवार 3 लोगों को रोका था। जब इनकी तलाशी ली गई तो उसमें 500 के नोटों की बाड़ी मात्रा में नगदी मिली। जब इनसे पूछताछ की गई तों पता चला यह सभी नोट नकली है और वह इसकी सप्लाई हाजीपुर में करने जा रहे थे। इनके पास से 234 नोट 500 के बरामद किए गए है और इनके खिलाफ कार्यवाही की जा रही है। इनके नेक्सस से जुड़े कुछ नाम सामने आए है, उन्हें भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वह इन नकली नोटों को बेचा करते थे। नकली नोट उन्हें एक झारखंड का निवासी दिया करता था। वह इस खेप की सप्लाई हाजीपुर में करने जा रहे थे।

गांधी चौक शिव कुटी मंदिर की दुकानों पर कब्जे को लेकर बवाल, साधु संतों व दुकानदार पक्ष में मारपीट

शामली। (शिखर समाचार) गुरुवार को शहर के गांधी चौक स्थित शिव कुटी मंदिर परिसर की दुकानों पर कथित अवैध कब्जे को लेकर एक बार फिर विवाद भड़क गया। साधु संतों का एक समूह दुकान पर पहुंचा और कब्जे के प्रयास के दौरान दुकानदार पक्ष से कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। आरोप है कि पुलिस की मौजूदगी में ही दुकान का शटर तोड़कर अंदर घुसने का प्रयास किया गया और विरोध करने पर दुकानदार व उसके परिजनों के साथ मारपीट की गई।

बताया जा रहा है कि गांधी चौक स्थित भैरवनाथ मंदिर की संपत्ति और दुकानों के मालिकाना हक को लेकर लंबे समय से विवाद चला आ रहा है। इस पर पेहवा के महंत और शहर के टंकी रोड स्थित भैरवनाथ मंदिर से जुड़े पीर शेरनाथ दोनों ही अपना अपना दावा जता रहे हैं। इसी विवाद के चलते फरवरी 2024 में एक पक्ष ने अपने समर्थकों के साथ मंदिर पर कब्जा कर लिया था और दुकानदारों को दुकानें खाली करने का अल्टीमेटम दिया था। इसके विरोध में किराएदार दुकानदारों ने न्यायालय की शरण ली थी।

मार्च 2025 में भी इसी विवाद को लेकर तनातनी हुई थी, जब साधु संतों ने एक दुकान पर कब्जा कर लिया था। तब से वह दुकान बंद पड़ी है और मामला न्यायालय में विचाराधीन है।

गुरुवार को फिर से स्थिति तनावपूर्ण हो गई। आरोप है कि महारानी कलेक्शन नामक दुकान का शटर तोड़कर कब्जा करने की कोशिश की गई। इसी दौरान दुकानदार पुष्पेंद्र भारद्वाज अपने परिजनों के साथ मौके पर पहुंचे और विरोध किया। आरोप है कि इसके बाद साधु संतों और उनके समर्थकों ने दुकानदार पक्ष के साथ सरेआम मारपीट की। घटना बाजार में लोगों की भीड़ के बीच हुई, जबकि पुलिस मौके पर मौजूद होने के बावजूद मूकदर्शक बनी रही।

सूचना मिलने पर क्षेत्राधिकारी नगर जितेंद्र कुमार मौके पर पहुंचे और किसी तरह स्थिति को नियंत्रित किया। इसके बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ शहर कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

दुकानदार पुष्पेंद्र भारद्वाज का कहना है कि गांधी चौक में दो अलग अलग मंदिर हैं, लेकिन विरोधी पक्ष ने कथित साजिश के तहत दुकानों और मंदिर की संपत्ति अपने नाम नगर पालिका में दर्ज करा ली है, जबकि इस मामले में न्यायालय से फैसला उनके पक्ष में आ चुका है। उनका आरोप है कि इसी के चलते उनकी दुकान पर कब्जा करने की कोशिश की गई।

वहीं, दूसरे पक्ष से जुड़े लक्ष्मण कौशिक का कहना है कि संबंधित दुकान मंदिर की संपत्ति है और वे केवल किराया चाहते हैं।

फिलहाल पुलिस ने दोनों पक्षों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है और मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

अल्फा स्पोर्ट्स अकादमी गोल्फ चैम्पियनशिप 2026 में सुनीत चौधरसिया की एक शॉट से जीत

पटना (शिखर समाचार)। लंबे समय तक चोट के कारण प्रतियोगी गोल्फ से दूर रहने के बाद कोलकाता के गोल्फर सुनीत चौधरसिया ने शानदार वापसी करते हुए अल्फा स्पोर्ट्स अकादमी गोल्फ चैम्पियनशिप 2026 में एक शॉट से खिताब अपने नाम किया। यह टूर्नामेंट पटना गोल्फ क्लब में आयोजित किया गया और यह डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई नेक्सजेन सत्र 2026 का चौथा चरण था। प्रतियोगिता की कुल पुरस्कार राशि 25 लाख रुपये रही।

सुनीत चौधरसिया ने तीन राउंड में 71, 65 और 73 का स्कोर करते हुए कुल सात अंडर 209 का स्कोर बनाया और अपने करियर का पहला पेशेवर खिताब जीता। वह दूसरे दिन के बाद तीन शॉट की बढ़त के साथ शीर्ष पर थे और अंतिम दिन स्थिर खेल दिखाते हुए अपनी बढ़त बरकरार रखने में सफल रहे।

इस जीत के साथ 31 वर्षीय सुनीत को 3,17,875 रुपये की पुरस्कार राशि मिली, जिससे वे नेक्सजेन ऑर्डर ऑफ मेरिट में 41वें स्थान से छलांग लगाकर छठे स्थान पर पहुंच गए। सुनीत, भारतीय गोल्फ के दिग्गज खिलाड़ी एसएसपी चौधरसिया के भतीजे हैं। प्रतियोगिता में बिपिन मुखिया ने अंतिम दिन का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 67 लगाया और कुल छह अंडर 210 के साथ उपविजेता रहे। उन्हें 2,67,875 रुपये की पुरस्कार राशि मिली और वे इस सत्र की कमाई 5,28,688 रुपये के साथ ऑर्डर ऑफ मेरिट में शीर्ष स्थान पर पहुंच गए। दीवेश राणा, विनय कुमार यादव और राजेश कुमार गौतम ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान हासिल किया। इन तीनों का कुल स्कोर तीन अंडर 213 रहा। वहीं पटना के पेशेवर खिलाड़ियों में

मोहम्मद नवाब ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए एक ओवर 217 के साथ संयुक्त 13वां स्थान प्राप्त किया। पटना गोल्फ क्लब का कोर्स पार-72 का नौ होल वाला मैदान है, जिसमें एक राउंड पूरा करने के लिए नौ होल दो बार खेले जाते हैं।

अंतिम दिन सुनीत का प्रदर्शन उतना प्रभावशाली नहीं रहा, लेकिन उन्होंने दबाव की स्थिति में धैर्य बनाए रखा और बैक-नाइन पर लगातार पार बनाते हुए बढ़त कायम रखी। अपनी जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए सुनीत चौधरसिया ने कहा कि अंतिम राउंड में उनका लक्ष्य संयमित खेलना और मौके मिलने पर बर्डी बनाना था। उन्होंने कहा कि साढ़े तीन वर्ष तक चोट के कारण बाहर रहने के बाद यह जीत उनके आत्मविश्वास को नई ऊर्जा देने वाली है और आगे के सत्र में उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी।

अल्फा स्पोर्ट्स अकादमी के संस्थापक और निदेशक सुमित प्रकाश ने कहा कि इस चैम्पियनशिप का उद्देश्य बिहार और देश में गोल्फ प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि अकादमी की ह्यस्पॉट, क्रिएट और डेवलपह्न नीति के तहत युवा पेशेवर खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धात्मक अवसर देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमनदीप जोहल ने टूनामेंट की सफलता पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि पटना गोल्फ क्लब में आयोजित इस उद्घाटन संस्करण ने उभरते भारतीय पेशेवरों को अपनी प्रतिभा दिखाने का उत्कृष्ट मंच प्रदान किया है और भविष्य में ऐसे आयोजनों से भारतीय गोल्फ को नए क्षेत्रों में विस्तार मिलेगा।

खुर्शेदपुरा रोड पर पुलिस की कार्रवाई: दो शराब तस्कर गिरफ्तार, 75 बोतल शराब और कार जब्त

दादरी (शिखर समाचार)। जारचा कोतवाली क्षेत्र में पुलिस और आबकारी टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध शराब तस्करी का बड़ा खुलासा किया है। खुर्शेदपुरा से गेसुपुर जाने वाले मार्ग पर चेकिंग के दौरान दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया, जिनके कब्जे से 75 बोतल हरियाणा मार्का अवैध शराब और एक कार बरामद की गई।

प्रभारी निरीक्षक कैलाश नाथ के अनुसार, मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर पुलिस ने पहले से ही घेराबंदी कर रखी थी। इसी दौरान खुर्शेदपुरा की ओर से आ रही ऑल्टो कार को रोककर तलाशी ली गई। कार में भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमरोहा के पिलक सराय निवासी चंद्रपाल और संभल के खेता पुर निवासी जितेंद्र के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों शराब के संबंध में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

लुहारली टोल प्लाजा पर बढ़ा बोझ: 1 अप्रैल से टोल दरों में वृद्धि, कैश पेमेंट पूरी तरह बंद

दादरी (शिखर समाचार)। जीटी रोड स्थित लुहारली टोल प्लाजा से गुजरने वाले वाहन चालकों को 1 अप्रैल से अधिक भुगतान करना होगा। टोल दरों में करीब 3 प्रतिशत की वृद्धि लागू की जा रही है, साथ ही कैश पेमेंट की सुविधा पूरी तरह समाप्त कर दी जाएगी। टोल प्रबंधन के अनुसार अब टोल टैक्स केवल फास्टैग और यूपीआई के माध्यम से ही लिया जाएगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य टोल प्लाजा पर लगने वाली लंबी कतारों को कम करना और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना है। नई दरों के तहत कार, जीप और वैन का टोल 150 से बढ़ाकर 155 रुपये कर दिया गया है। लाइट कमर्शियल वाहनों के लिए शुल्क 235 से बढ़कर 240 रुपये, बस और ट्रक के लिए 480 से 495 रुपये, भारी कॉमर्शियल वाहनों के लिए 735 से 755 रुपये और ओवरसाइज वाहनों के लिए 940 से 965 रुपये कर दिया गया है। स्थानीय 20 किलोमीटर दायरे के मासिक पास को 350 से बढ़ाकर 360 रुपये और सामान्य मासिक पास को 5040 से बढ़ाकर 5165 रुपये कर दिया गया है। नई दरें 1 अप्रैल से प्रभावी होंगी।

फैजआम प्राइमरी स्कूल में रिजल्ट डे: मेधावी छात्रों को ट्रॉफी देकर किया सम्मानित

जेवर (शिखर समाचार)। काजीवाड़ा स्थित फैजआम प्राइमरी स्कूल में परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद मेधावी छात्रों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को सराहा गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। स्कूल के हेड मास्टर रईस अब्बासी ने बताया कि जिन छात्रों ने प्रथम और द्वितीय श्रेणी में सफलता हासिल की है, उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस मौके पर अभिभावकों ने भी स्कूल के शिक्षकों की मेहनत की सराहना की।

स्कूल प्रबंधन की ओर से बच्चों को आगे भी इसी तरह मेहनत करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का माहौल उत्साह और गर्व से भरा रहा, जहां बच्चों के चेहरे पर सफलता की खुशी साफ नजर आई।

नेपाल में चमकी कुरावा की बेटी, आकृति मलिक ने जूडो में जीता स्वर्ण

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव कुरावा की प्रतिभाशाली बेटी आकृति मलिक ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए न केवल अपने गांव और जनपद बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। नेपाल के पोखरा में आयोजित इंडो नेपाल अंतरराष्ट्रीय युवा खेल श्रृंखला 2026 में आकृति ने जूडो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर तिरंगा फहराया और अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। नेपाल के पोखरा स्थित रंगशाला स्टेडियम में 19 से 23 मार्च तक आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत और नेपाल के खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। विभिन्न वर्गों में हुए मुकाबलों के बीच जूडो स्पर्धा विशेष आकर्षण का केंद्र रही। जैसे ही आकृति मलिक ने मुकाबलों में भाग लिया, उन्होंने अपनी बेहतरीन तकनीक, तेज गति और संतुलन का परिचय देते हुए एक के बाद एक प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों को पराजित कर दिया। प्रारंभिक दौर से ही आकृति ने आत्मविश्वास के साथ खेलते हुए अपनी मजबूत पकड़ बनाई और सेमीफाइनल में भी दमदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश किया।

फाइनल मुकाबले में उन्होंने संयम और रणनीति का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत करते हुए प्रतिद्वंद्वी को परास्त किया और स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। उनके इस प्रदर्शन ने दर्शकों और खेल प्रेमियों को भी प्रभावित किया। आकृति की इस उपलब्धि की खबर मिलते ही क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। गांव कुरावा सहित आसपास के क्षेत्रों में लोगों ने गर्व व्यक्त करते हुए इसे पूरे इलाके के लिए सम्मान का क्षण बताया। कस्बे के हीरो बाइक एजेंसी संचालक संजीव पंवार ने कहा कि आकृति मलिक ने यह सिद्ध कर दिया है कि ग्रामीण क्षेत्र की बेटियां भी सीमित संसाधनों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय मंच पर सफलता हासिल कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। क्षेत्र के गणमान्य लोगों, खेल प्रेमियों और सामाजिक संगठनों ने आकृति को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। लोगों का कहना है कि यदि ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को उचित मार्गदर्शन और सुविधाएं मिलें तो वे देश को और भी बड़े मंचों पर गौरवान्वित कर सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने के बाद अब आकृति मलिक का लक्ष्य राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ओलंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करना है। उनकी इस उपलब्धि ने यह संदेश दिया है कि मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के बल पर कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

रामनवमी पर बजरंग दल की विशाल रैली, दिल्ली मेरठ मार्ग घंटों जाम

मोदीनगर (शिखर समाचार)। रामनवमी के पावन अवसर पर नगर में बृहस्पतिवार देर शाम बजरंग दल के तत्वावधान में भव्य और विशाल रैली का आयोजन किया गया। रैली के चलते दिल्ली मेरठ मार्ग पर कई घंटों तक यातायात बाधित रहा, जिससे राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा और यातायात को सुचारू बनाए रखने के प्रयास जारी रहे। यह रैली मोदी मंदिर से प्रारंभ होकर दिल्ली मेरठ मार्ग से होती हुई बस स्टैंड तक पहुंची। इसके बाद रैली मुख्य मार्ग पर राज चौक, कपड़ा मिल होते हुए गोविंदपुरी स्थित अग्रसेन की प्रतिमा पर संपन्न हुई। रैली में श्रीराम मंदिर की भव्य झांकी आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। इसके अलावा भगवान श्रीराम और हनुमान की सुंदर झांकियों सहित अनेक धार्मिक झांकियां शामिल रहीं, जिन्हें देखने के लिए

लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। रैली के दौरान बजरंग दल के युवा कार्यकर्ता हाथों में फरसा, तलवार और भगवा ध्वज लेकर उत्साहपूर्वक नृत्य करते नजर आए। पूरे मार्ग पर भक्तिमय माहौल बना रहा और जय श्रीराम के उद्घोष से वातावरण गूंजता रहा। रैली को देखने के लिए मुख्य मार्ग के दोनों ओर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा रही, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।

संपादकीय

जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट : विकास की नई उड़ान और संभावनाओं का विस्तृत आकाश

26 मार्च 2026 को जब देश विकास के नए आयामों की ओर तेजी से बढ़ रहा है, ऐसे समय में उत्तर प्रदेश के जेवर में तैयार हुआ नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में सामने खड़ा है। 28 मार्च को प्रधानमंत्री द्वारा इसके उद्घाटन की प्रस्तावित तिथि ने इसे न केवल क्षेत्रीय बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का केंद्र बना दिया है। यह परियोजना केवल एक हवाई अड्डा नहीं, बल्कि उत्तर भारत के आर्थिक, औद्योगिक और सामाजिक परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, और उसी कड़ी में जेवर एयरपोर्ट का निर्माण एक दूरदर्शी सोच का परिणाम है। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में पहले से ही इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा मौजूद है, लेकिन बढ़ती जनसंख्या, यात्रियों की संख्या और व्यापारिक गतिविधियों के दबाव को देखते हुए एक वैकल्पिक और आधुनिक एयरपोर्ट की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। जेवर एयरपोर्ट इसी आवश्यकता की पूर्ति करता है।

इस एयरपोर्ट के शुरू होने से सबसे बड़ा लाभ पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और यहां तक कि उत्तराखंड के कुछ हिस्सों को भी मिलेगा। अब तक इन क्षेत्रों के लोगों को हवाई यात्रा के लिए दिल्ली पर निर्भर रहना पड़ता था, जिससे समय और संसाधनों की बबार्दी होती थी। जेवर एयरपोर्ट इस दूरी को कम करेगा और यात्रा को अधिक सुगम बनाएगा।

आर्थिक दृष्टि से देखें तो यह परियोजना क्षेत्र में निवेश का बड़ा केंद्र बनने जा रही है। एयरपोर्ट के आसपास इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, लॉजिस्टिक हब, वेयरहाउसिंग और आईटी पार्क के विकास की संभावनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। इससे न केवल बड़े उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा बल्कि छोटे और मध्यम उद्यमों को भी नए अवसर प्राप्त होंगे। रोजगार के क्षेत्र में भी यह परियोजना लाखों युवाओं के लिए नए दरवाजे खोलेगी। निर्माण कार्य के दौरान ही हजारों लोगों को रोजगार मिला है और संचालन के बाद यह संख्या और अधिक बढ़ने की उम्मीद है।

जेवर एयरपोर्ट का एक महत्वपूर्ण पहलू इसकी आधुनिकता और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता है। इसे एक ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के रूप में विकसित किया गया है, जिसमें आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है ताकि पर्यावरण पर न्यूनतम प्रभाव पड़े। सौर ऊर्जा, जल संरक्षण और हरित क्षेत्र के विकास जैसे उपाय इसे भविष्य के एयरपोर्ट मॉडल के रूप में स्थापित करते हैं।

हालांकि, इस विकास के साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। भूमि अधिग्रहण के दौरान स्थानीय किसानों और ग्रामीणों की समस्याएं सामने आई थीं। विस्थापन, मुआवजा और पुनर्वास जैसे मुद्दे आज भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुए हैं। सरकार और संबंधित एजेंसियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि विकास की इस दौड़ में स्थानीय लोगों के अधिकारों और हितों की अनदेखी न हो। यदि विकास समावेशी नहीं होगा, तो वह दीर्घकालिक रूप से टिकाऊ नहीं रह सकता।

इसके अलावा, तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण पर्यावरणीय संतुलन पर भी ध्यान देना आवश्यक है। एयरपोर्ट के आसपास बढ़ती आबादी, यातायात और औद्योगिक गतिविधियों से प्रदूषण का खतरा बढ़ सकता है। इसके लिए एक सशक्त और प्रभावी शहरी नियोजन की आवश्यकता होगी, जिसमें हरित क्षेत्र, जल संसाधन और स्वच्छ वायु को प्राथमिकता दी जाए।

~ मौलिक चिंतन ~

अगर प्रतिक्रिया व्यक्त न की जाए, तो झूठे खुद अपनी पोल खोल देते हैं।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

©
विनय संकोची

सेहत से खिलवाड़ कब तक, खेत से थाली तक विष ही विष

मुकेश तिवारी

दूध हो या सब्जियां या फिर खाद्यान्न लोगों की सेहत के साथ हो रहा खिलवाड़ अब किसी से ढका छुपा नहीं है हाल की घटनाओं से यह बात भी सामने आ चुकी है कि नामी-गिरामी कंपनियां भी इस गोरखधंधे में बिना किसी हिचकिचाहट के शामिल है ,हैरानी की बात यह है कि इतना सब कुछ जग जाहिर होने के बाद हम अभी तक कोई ऐसा तंत्र विकसित नहीं कर पाए जिससे बच्चे से लेकर बूढ़े तक के स्वास्थ्य के साथ हो रहे खिलवाड़ को रोका जा सके, निगरानी का अभाव और लाचार कानून मिलावटखोरों को सींकचों पीछे जाने से रोक रहे हैं ।हरित क्रांति का मकसद देश को खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाना है ।इस दिशा में देश को अभूतपूर्व सफलता भी मिली लेकिन कब जहरीले पंजों ने खेती किसानी में घुसपैठ कर ली,पता नहीं चला हद तो तब हो गई जब जानबूझकर प्रदेश सरकारे इस ओर आंखें मूंदे रहीं हैरानी इस बात की है। इस गंभीर मामले को अभी तक हमारे राजनीतिक दल अपनी नीतियों का हिस्सा नहीं बना पाए मुनाफा कमाने की अंधी दौड़ ने किसानों को भी परंपरागत खेती से पीछे छोड़ दिया और बढ़ती आबादी की जरूरत और मुनाफाखोरी की हवस ने मिलावट खोरी की जड़े गहरी कर दी पिछले तीन दशकों में खेती-किसानी में आए बदलाव ने उत्पादन को बढ़ाया लेकिन इस बदलाव के भयानक दुष्परिणामों पर ध्यान नहीं दिया गया। बैल और मवेशियों की जगह अब ट्रैक्टर और दूसरे आधुनिकतम यंत्रों ने ले ली है । लिहाजा गोबर और घूरे की राख से बनी कंपोस्ट खाद अब खेतों में दिखाई नहीं देतीं। फसल कटाई के पश्चात उसके रखरखाव में कीटनाशकों का जमकर उपयोग हो रहा है। जो स्वास्थ्य के लिए तो हानिकारक है ही आसपास के वातावरण को भी दूषित कर रहा है। कड़वा सच तो यह है कि आज खतरा सिर्फ रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के बढ़ते प्रयोग से ही नहीं है बल्कि खाद्य पदार्थों में जिस तरह मिलावट खोरी का कारोबार तेजी से पनप रहा है वह मानवीय स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा बन गया है । टमाटर गोभी और मूली, पालक जैसी सब्जियां पहले सिर्फ जाड़े के मौसम में ही बिकती थी। लेकिन अब वे मौसमी सब्जियां बारहों महीने धडल्ले से बिकने लगी हैं। महानगरों में इन सब्जियों की मांग अधिक है। क्योंकि अब लोगों के खानपान की शैली में तेजी से बदलाव आ रहा है। नई आर्थिक नीति के पश्चात देश में शहरी करण का तेजी के साथ विस्तार हुआ है। दिलचस्प तथ्य यह है कि शहरों में रह रहे लोगों की आमदनी बढ़ने का असर लोगों के रहन-सहन और खान-पान पर भी पड़ा है । वहीं यह कड़वा सच है बेमौसम फल और सब्जियां खाने की ललक ने रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग को बेहद बढ़ावा दिया है । यहां ध्यान देने की बात यह है कि वेमौसमी फल और सब्जियों को उगाने में उर्वरक और कीटनाशक ज्यादा लगता है। यह तथ्य भी काफी दिलचस्प है कि दूध ,दही, पनीर फल और अनाज में भी आजकल जमकर मिलावट हो रही है। इस मामले में एक दिलचस्प तथ्य यह है कि मांसाहार हो या शाकाहार ऐसा कोई खाद्य पदार्थ नहीं है जो विषैले कीटनाशक और मिलावट से रहित हो बाजार में उपलब्ध आम , केला और पपीता जैसे फलों को कैल्शियम कार्बाइड की मदद से पकाया जाता है । खाद्य वस्तुओं में विषैले रसायनों के अतिरिक्त कई दूसरे किस्म की खतरनाक चीजों की मिलावट को चिकित्सक स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक मानते हैं। सूत्रों का कहना है कि फलों को चमकाने के लिए उन पर वेक्स भी लगाया जाता है । चिकित्सकों के मुताबिक वैक्स युक्त फलों का सेवन करने से डायरिया और कैंसर जैसी बीमारियां होती हैं। कृषि उत्पादों विशेषकर सब्जियों और डेयरी में ऑक्सीटॉसिन का बेहिचक होकर उपयोग हो रहा है। हैरानी इस बात पर है कि ऑक्सीटॉक्सिन का गलत ढंग से इस्तेमाल न हो इसलिए सरकार ने इसकी खुली बिक्री पर पाबंदी लगा रखी है । इसके बावजूद हिंदुस्तान भर में ऑक्सीटोक्सिन का उपयोग दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। गौरतलब है कि खाद्य वस्तुओं में मिलावट रोकने के लिए खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम 1954 और प्रिवेंशन आफ फूड एडल्टरेशन एक्ट 1955 बनाया गया है । लेकिन इस एक्ट का ईमानदारी के साथ पालन नहीं हो रहा है। इन सब के बावजूद त्योहारों , शादी के सीजन में देश के प्रथक प्रथक भागों में कुंतल नकली मावा, पनीर, क्रीम,जप्त किया जाता है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने कुछ माह पूर्व कृत्रिम और मिलावटी दूध के गोरखधंधे का खुलासा किया था।

मध्यप्रदेश में दूध की गुणवत्ता परखने के लिए भेजे गए हैपलोग्रुप के परिणाम बताते हैं कि पिछले तीन सालों में औसतन 13-16 फीसदी सैपल अचानक पाये गये।

प्राधिकरण ने अपनी रिपोर्ट सार्वजनिक करते हुए बताया था कि देश में बिकने वाला 68.5 प्रतिशत दूध मिलावटी है । अभी हाल ही में आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में मिलावटी दूध के सेवन से 16 लोगो की मौत हो गई,जबकि तीन लोग गभीर रुप से बीमार है।दूध में मिलावट के कारण हुई मौतों के पीछे दूध में एथिलीन ग्लाइकोल नाम का जहरीला पदार्थ मिलाया जाना वताया जा रहा है।खुले बाजार में उपलब्ध पीसे हरे धनिया का चटक हरा रंग देख कर ग्राहक आकर्षित होता है । लेकिन इस सच्चाई को जाने बगैर कि इसमें रंग धान की भूसी और घोड़े की लीद मिली हुई है। ऐसे मिलावटी धनिए को उपयोग में लेने से लीवर किडनी और तिल्ली काफी प्रभावित होती है इसी तरह आटे में भी तमाम सारी चीजों की मिलावट की जाती है। तुअर और चने की दालों में भी खेसारी मटर बटरे की मिलावट की जाती है। ग्राहकों को हानिकारक तत्वों की मिलावट का पता न चले इसलिए बड़े ही सुनियोजित ढंग से दालों पर पोलिस की जाती है। खेसारी दाल में एक खास तरह का रसायन पाया जाता है ।इस दाल के इस्तेमाल से स्नायु तंत्र और गठिया से जुड़ी बीमारियां होती हैं।

दुनिया एक रंगमंच है और हम सब बस एक किरदार

ऋतुपर्ण दवे

वास्तव में रंगमंच जीवंत कला को समझने.सम्मानित करने का एक अवसर होता है। विश्व रंगमंच दिवस की शुरूआत 1961 में अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान;आईटीआईद्ध द्वारा की गई और 27 मार्च 1962 को पेरिस में ष्थिएटर ऑफ नेशंसष सत्र के उद्घाटन के साथ मनाया गया। तभी से इस दिन को विश्वभर में विभिन्न कार्यक्रमोंए प्रस्तुतियोंए वाताओं और अन्य गतिविधियों के साथ मनाया जाने लगा। नाटक.अभिनय हर संस्कृति का अहम हिस्सा होते हैं। ये वैश्विक स्तर पर समाज और रंगमंच के गहरे प्रभाव की न केवल याद दिलाते हैं बल्कि रंगमंचीय कलात्मकता और रचनात्मकता का जश्न भी मनाते हैं। यह एक ऐसा अवसर और कला का प्रदर्शन है जिससे समाज में सामाजिकए सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी सामने आते हैं। दुनिया भर में इस मौके पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नाट्य कार्यक्रम आयोजित होते हैं। इसी कड़ी में सबसे खास विश्व रंगमंच दिवस के संदेश का प्रसार होता हैए जिसमें अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान के बुलावे पर वैश्विक हस्तियां रंगमंच और शांति की संस्कृति विषय पर अपने विचार साझा करती हैं। इस आयोजन की शुरूआत करते हुए पहला विश्व रंगमंच दिवस संदेश 1962 में जीन कोक्टू जो प्रख्यात फ्रांसीसी लेखकए नाटककार और निर्देशक थेए उनके द्वारा लिखा गया।

हर वर्षए थिएटर समुदाय में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति को अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान द्वारा विश्व रंगमंच दिवस संदेश की रचना हेतु चुना जाता हैए जो ष्रंगमंच और शांति की संस्कृतिष यानी थिएटर एंड ए कल्चर ऑफ पीस की थीम पर आधारित होता है। रंगमंच की खूबसूरती इसी में है कि यह कल्पनाओं पर आधारित न होकर समाज में घटित घटनाओंए मानव भावनाओं और जीवन संघर्षों को प्रभावी ढंग से दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करता है। रंगमंच यानी थिएटर केवल मनोरंजन ही नहीं बल्कि उससे कहीं अधिक है। यह अभिव्यक्ति का प्रभावी और सशक्त जरिया है जो इंसानी अनुभवों और भावनाओं की विविधता को दशार्ता है। इसके जरिए प्राचीन ग्रीक त्रासदियों से अब तक तमाम प्रस्तुतियों का मंचन कर लगातार रंगमंच निखरता रहा है। सच कहें तो पीढ़ियों और संस्कृतियों के दर्शकों के हृदय को यही तो छूता है! दरअसल यह अपनी कहानी कहने का भी मंच प्रदान करता है। अवसर कुछ ऐसा होता है जिसमें व्यक्ति जटिल से जटिल विषयों का अन्वेषण करए चिंतन के लिए बढ़ सकता है। परिवर्तन की प्रेरणा को साकार मूर्त रूप देने का भी यह अवसर होता है।

चाहे समाज में जागरूकता बढ़ाना हो या अंधविश्वास उजागर करनाए इन सारे महत्वपूर्ण विषयों में थिएटर की भूमिका अहम होती है। कला के जरिए प्रोत्साहन का इससे बेहतर अवसर और मंच की आवश्यक्ता को यह सिध्द करता है। कार्यशालाओंए प्रदर्शनों और चचाओं के जरिए एक दूसरे की भाषा से अनभिज्ञ दुनिया भर के लोग रंगमंच के जादू और इसकी परिवर्तनकारी क्षमता का जश्न मनाते एक साथ आकर भाषा न समझे लेकिनए भावनाओं को समझते हैं। सच कहें तो रंगमंच न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करता हैए बल्कि आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भागीदार होता है। रोजगार सृजन से लेकर पर्यटन के आकर्षण और आर्थिक विकास को गति देने में रंगमंच उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता। इसके अलावाए रंगमंच रचनात्मकए आलोचनात्मक सोच और सहानुभूति को बढ़ावा देता हैए जो व्यक्तिगत और सामाजिक विकास के लिए आवश्यक कौशल है। सांस्कृतिक आदान.प्रदान और संवाद को बढ़ावा देकरए रंगमंच विभिन्न पृष्ठभूमियों के व्यक्तियों के बीच दूरियों को कम करता है और समझ को बढ़ाता है। यह सहयोग और समन्वय भी प्रोत्साहित करता हैए जिससे समुदाय और अपनेपन की भावना विकसित होती है।

रंगमंच महज मनोरंजन का साधन न होकर समाज का आईना भी है। जिसमें हमेंए हमारी छवि साफ दिखती है। इसके जरिए समाज की हकीकत भी सामने आती हैं। मंच पर प्रस्तुत सारी कहानियांए संवाद और अभिनय कहीं न कहीं हमारे वास्तविक जीवन की किसी न किसी सच्चाई को प्रतिबिंबित करते हैं। इसका जरिया कुछ भी हो सकता है। चाहे ग्रीक ट्रैजेडी होए कॉमेडी या फिर लोकनाट्य या फिर हमारा मौजूदा थिएटर सबका मकसद एक ही होता है कि किस प्रकार समाज को जागरूक करेंए कैसे नई दिशा और दृष्टि देकरए सुधार ला सकें।

भारतीय रंगमंच के संदर्भ में देखें तो इसका बहुत पुराना इतिहास है जो वैदिक काल से जुड़ा हुआ है। इसे भरतमुनि के ष्नाट्य शास्त्रष द्वारा औपचारिक रूप दिया गया जो कि नाटक पर एक जरूरी ग्रन्थ के रूप में दस्तावेज है। यह ईसा पूर्व 2000 और चौथी शताब्दी के बीच लिखा गया था। यह कहानी कहने की शैलियों से विकसित हुआ जिसमें सस्वर पाठए गायन और नृत्य शामिल थे। शास्त्रीय संस्कृत नाटकए पारंपरिक स्थानीय रूप और समकालीन रंगमंच शामिल हैं। भारतीय नाट्यशास्त्र नाटक के विभिन्न रूपों को न केवल वगीर्कृत करता है बल्कि रंगमंच में अभिनेताओं द्वारा उपयोग की जाने वाली विधियों को भी रेखांकित करता है। पारंपरिक भारतीय रंगमंच नृत्य और नाटक को मिलाते हुए प्रायः हिंदू ग्रंथों में निहित कहानियों को भी प्रदर्शित करते हैं। कथकली विशेष उदाहरण है जिसमें जटिल वेशभूषा और श्रृंगार की विशेषताओं से युक्त अत्यधिक शैलीगत प्रदर्शन होता है।

भारत के संदर्भ में कई व्यावसायिक थियेटर ग्रुप अच्छा काम कर रहे हैं। इनसे जुड़कर अच्छे रोजगार की संभावनाएं भी बनती हैं और रंगमंच में पहचान अलग। रंगमंचीय अभिनयए निर्देशनए परिकल्पना और अन्य कई विधाएं जैसे कोरियोग्राफरए आर्ट डायरेक्टरए स्क्रिप्ट लेखकए सेट डिजाइनरए लाइटए साउंड और तकनीक आदि हमारी कला और संस्कृति को जीवंत रखते हुए रोजगार और पहचान के भी बेहतरीन अवसर देती हैं। महान अंग्रेजी नाटककारए कवि अभिनेता रहे विलियम शेक्सपियर को भला कौन नहीं जानता होगा! उनके लिखे दार्शनिक शब्द आज भी यथार्थ के धरातल पर वैसे ही प्रभावी हैंए जितना उन्होंने अपने जीवन काल 1564.1616 के दौरान लिखे थे। ऐसी ही अनेकों रचनाओं ने उन्हें महान नाटककार बनाया। शेक्सपियर आज भी थिएटर के जाने.मानेए प्रभावी व्यक्तित्व हैं। उनके लिखे शब्द श्सारा संसार एक रंगमंच है जिसमें सभी पुरुष.महिलाएं महज कलाकार हैं।श शेक्सपियर ने हैमलेटए रोमियो.जूलियटए मैकबेथ जैसे 38 से अधिक नाटक और कई सॉनेट लिखे। जीवन वास्तव में एक दार्शनिक सत्यए तथ्य और रंगमंच है जिसमें बाल अवस्था से वृध्दावस्था और मृत्यु तक हमारे ढ़ेरों किरदार होते हैं। कोई नायकए कोई खलनायकए कोई विदूषकए तो कोई विचारक होता है। हम अपने जीवन के अलग.अलग चरणों में भिन्न.भिन्न भूमिकाएं निभाते हैं।

इस वर्ष 64वां विश्व रंगमंच दिवस शुक्रवार 25.27 मार्च तक लक्जमबर्ग में हो रहा है। विषय ष्रंगमंच और शांति की संस्कृतिष हैए जो विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवादए सहानुभूति और समझ को बढ़ावा देने में जीवंत प्रदर्शन की भूमिका पर जोर देता है। इस संदेश को जाने.माने अमेरिकी अभिनेता विलेम डेफो ने लिखा हैए जिसमें रंगमंच के साझा मानवीय अनुभवए चिंतन और नैतिक जुड़ाव को प्रस्तुत किया गया है। सच में रंगमंच हमें अपने जीवन में नई सीखए समझ के साथ हर दिन जीने की प्रेरणा देता है। हमें थिएटर जाना चाहिएए लोगों को प्रेरित भी करना चाहिए। थिएटर के मर्मए धर्म और सत्य को समझना.स्वीकारना चाहिए। जिंदगी में अपने किरदार को पहचानना और जरूरत पड़ने पर बदलना भी चाहिए शायद यही सच्चा थिएटर होगा।

धर्म, जाति और धर्मांतरणः सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

ललित गर्ग

धर्म, जाति, आरक्षण और धर्मांतरण का प्रश्न भारत में लंबे समय से विवाद और बहस का विषय रहा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इस जटिल विषय को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है। इससे न केवल आरक्षण व्यवस्था अधिक स्पष्ट और न्यायसंगत बनेगी, बल्कि धर्मांतरण और कानूनी लाभ के बीच जो विसंगतियाँ थीं, वे भी काफी हद तक समाप्त होंगी। यह निर्णय सामाजिक संतुलन, कानूनी स्पष्टता और राष्ट्रीय एकता-तीनों को मजबूत करने वाला निर्णय है।

धर्म, जाति और धर्मांतरण का प्रश्न भारत के सामाजिक, संवैधानिक और राष्ट्रीय जीवन से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील और जटिल विषय है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया यह निर्णय कि यदि अनुसूचित जाति का कोई व्यक्ति हिन्दू, सिख या बौद्ध धर्म छोड़कर किसी अन्य धर्म को स्वीकार कर लेता है तो वह अनुसूचित जाति का संवैधानिक दर्जा और उससे जुड़े लाभों का अधिकारी नहीं रहेगा, केवल एक सामान्य कानूनी निर्णय नहीं है, बल्कि यह भारतीय संविधान की मूल भावना, सामाजिक न्याय की अवधारणा और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता को ध्यान में रखकर दिया गया एक दूरगामी और ऐतिहासिक निर्णय है। इस निर्णय को भारतीय न्याय व्यवस्था की परिपक्वता, संतुलन और दूरदर्शिता का प्रतीक कहा जा सकता है।

भारत में अनुसूचित जाति की व्यवस्था का निर्माण किसी धर्म विशेष को लाभ देने के लिए नहीं किया गया था, बल्कि उन सामाजिक वर्गों को संरक्षण और अवसर देने के लिए किया गया था, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते रहे थे। संविधान निमार्ताओं ने यह माना था कि समाज में जो ऐतिहासिक अन्याय और सामाजिक असमानता रही है, उसे दूर किए बिना वास्तविक समानता स्थापित नहीं की जा सकती। इसी कारण आरक्षण और विशेष कानूनी संरक्षण की व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था मूलतः सामाजिक भेदभाव पर आधारित थी, आर्थिक आधार पर नहीं। इसलिए अनुसूचित जाति का प्रश्न धर्म से अधिक सामाजिक संरचना से जुड़ा हुआ था।

जब कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर ऐसे धर्म को स्वीकार करता है, जहां जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं दी जाती, तो फिर यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या उसे उसी आधार पर अनुसूचित जाति के लाभ मिलते रहने चाहिए। इसी प्रश्न को लेकर वर्षों से देश में बहस चलती रही है। कई मामलों में यह देखा गया कि व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन कर लिया, वह दूसरे धर्म की धार्मिक और सामाजिक व्यवस्था में सक्रिय भी हो गया, लेकिन वह अनुसूचित जाति के आरक्षण, छात्रवृत्ति, नौकरी में आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट जैसे कानूनों का लाभ लेना चाहता था। इससे एक प्रकार की कानूनी और सामाजिक विसंगति उत्पन्न हो रही थी। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी विसंगति को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और यह स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उपयोग उसी सामाजिक संदर्भ में किया जा सकता है, जिसके लिए वे बनाई गई थीं।

धर्मांतरण का प्रश्न भारत में केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं रहा है, बल्कि कई बार यह सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और जनसंख्या संतुलन से भी जुड़ जाता है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषकर गरीब, वंचित और अनुसूचित जाति तथा जनजाति वर्गों में धर्मांतरण की घटनाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। कई बार धर्मांतरण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सहायता के माध्यम से हुआ, तो कई बार लालच, प्रलोभन, दबाव या सामाजिक परिस्थितियों के कारण भी धर्म परिवर्तन के आरोप लगे। इसी कारण कई राज्यों ने धर्मांतरण को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए, ताकि बल, प्रलोभन या धोखे से होने वाले धर्म परिवर्तन को रोका जा सके, लेकिन इन कानूनों का प्रभाव उतना व्यापक नहीं हो पाया जितनी अपेक्षा थी।

जब किसी विशेष सामाजिक वर्ग का बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन होता है, तो उसका प्रभाव केवल धर्म पर ही नहीं पड़ता, बल्कि जातीय संरचना, सामाजिक संतुलन, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक संबंधों पर भी पड़ता है। धीरे-धीरे यह स्थिति सामाजिक और धार्मिक संतुलन को प्रभावित करने लगती है। भारत जैसे बहुधर्मी और बहुजातीय देश में सामाजिक और धार्मिक संतुलन का बने रहना राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज लगातार जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर बदलता और विभाजित होता रहेगा, तो इसका प्रभाव सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता पर पड़ना स्वाभाविक है। इस दृष्टि से धर्मांतरण का प्रश्न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन का भी प्रश्न बन जाता है।

आरक्षण व्यवस्था का उद्देश्य भी यही था कि जो लोग सामाजिक रूप से वंचित हैं, उन्हें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सम्मान के क्षेत्र में अवसर मिल सके। लेकिन यदि धर्म परिवर्तन के बाद भी लोग आरक्षण का लाभ लेते रहेंगे, तो इससे आरक्षण व्यवस्था का मूल उद्देश्य प्रभावित होगा और वास्तविक जरूरतमंद लोगों के अधिकारों पर भी प्रभाव पड़ेगा। इससे समाज में असंतोष और असंतुलन भी उत्पन्न हो सकता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय आरक्षण व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत, पारदर्शी और उद्देश्यपूर्ण बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है। यह निर्णय यह स्पष्ट करता है कि संविधान की सुविधाएँ अधिकार हैं, लेकिन उनका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता है। यहां अनेक धर्म, जातियां, भाषाएं और संस्कृतियां होते हुए भी देश एक है। लेकिन यदि धर्म, जाति और जनसंख्या संतुलन को लेकर लगातार राजनीतिक और सामाजिक प्रयोग होते रहेंगे, तो इससे राष्ट्रीय एकता प्रभावित हो सकती है। धर्मांतरण यदि पूरी तरह से व्यक्तिगत आस्था और विचार की स्वतंत्रता के आधार पर हो तो वह व्यक्ति का अधिकार है, लेकिन यदि वह लालच, भय, दबाव, सामाजिक अलगाव या राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हो, तो वह केवल धार्मिक परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन को प्रभावित करने वाली प्रक्रिया बन जाता है। इसलिए इस विषय पर संतुलित, संवेदनशील और राष्ट्रीय दृष्टि से विचार करना आवश्यक है।

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है। यह निर्णय केवल यह नहीं कहता कि धर्म परिवर्तन के बाद अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त हो जाएगा, बल्कि यह निर्णय संविधान की मूल भावना को भी स्पष्ट करता है कि सामाजिक न्याय का आधार सामाजिक वास्तविकता है, न कि केवल कानूनी तकनीक। यह निर्णय यह भी स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उद्देश्य समाज में समानता और न्याय स्थापित करना है, न कि कानूनी व्यवस्था का दुरुपयोग होने देना।

आज भारत एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां कानून, संविधान और न्याय व्यवस्था केवल तकनीकी व्याख्याओं तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि सामाजिक वास्तविकता, राष्ट्रीय हित और सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखकर निर्णय दिए जा रहे हैं। इस दृष्टि से यह निर्णय नए भारत की कानूनी सोच और संवैधानिक दृष्टि का प्रतीक भी कहा जा सकता है। यह निर्णय यह संदेश देता है कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता दोनों साथ-साथ चल सकते हैं और संविधान दोनों की रक्षा करने में सक्षम है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि धर्म, जाति, आरक्षण और धर्मांतरण का प्रश्न भारत में लंबे समय से विवाद और बहस का विषय रहा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इस जटिल विषय को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है। इससे न केवल आरक्षण व्यवस्था अधिक स्पष्ट और न्यायसंगत बनेगी, बल्कि धर्मांतरण और कानूनी लाभ के बीच जो विसंगतियाँ थीं, वे भी काफी हद तक समाप्त होंगी। यह निर्णय सामाजिक संतुलन, कानूनी स्पष्टता और राष्ट्रीय एकता-तीनों को मजबूत करने वाला निर्णय है। इसलिए यह कहना उचित होगा कि यह निर्णय केवल एक न्यायालय का फैसला नहीं, बल्कि नए भारत, सशक्त भारत और संगठित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण आधार स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए।

जब निकलें शिशु के दांत

हर मां यही चाहती है कि उसके बच्चों को दांत निकलने में कोई तकलीफ न हो और उसके दांत सुंदर और मजबूत निकलें। कई बार सही जानकारी न होने के कारण अकसर अभिभावक परेशान हो जाते हैं। अगर आपका शिशु भी उम्र की इस अवस्था से गुजर रहा है तो आप इन बातों का ध्यान जरूर रखें :

कैसे हों स्वस्थ दांत

- अगर आप चाहती हैं कि आपके बच्चों के दांत स्वस्थ हों तो इसके लिए गर्भावस्था के समय से ही आपको अपने खानपान पर ध्यान देना चाहिए। आपको दूध, केला, सेब, संतरा जैसे कैल्शियमयुक्त पदार्थों का सेवन करना चाहिए और साथ ही कैल्शियम की गोली भी नियमित रूप से लेनी चाहिए।

- इस दौरान टैट्रासाइक्लिन, आयरन सिरप और एंटीबॉयोटिक दवाओं का सेवन न ही करें तो अच्छा है, क्योंकि अगर गर्भावस्था के दौरान कोई स्त्री इन दवाओं का सेवन करे तो जन्म के बाद बच्चों के जो दांत निकलते हैं, उनमें दाग-धब्बे हो सकते हैं और उनकी बनावट भी टेढी-मेढी हो सकती है।
- प्राय: छह माह से एक वर्ष के भीतर बच्चों के दांत निकलना शुरू हो जाते हैं। अकसर पहले नीचे के दांत और उसके बाद ही ऊपर के दो दांत निकलते हैं। अगर ऊपर के दांत पहले आएं या बच्चों के दांत निकलने में निर्धारित समय सीमा से थोडी देर हो तो घबराना नहीं चाहिए।

क्या होते हैं लक्षण

बच्चों के दंात निकलने का सबसे प्रमुख लक्षण होता है कि उसके मसूढे सख्त हो जाते हैं, उनमें सूजन भी आ जाती है। बच्चा चिडचिडा हो जाता है, अकसर रोता भी रहता है। इसके अलावा वह चीजें भी उठाकर मुंह में डालता है। दरअसल बच्चों के मसूढे के मांस को चीर कर दांत बाहर निकलते हैं, इसलिए उनमें दर्द और खुजली होती है। इस तकलीफ से राहत पाने के लिए वह इधर-उधर की चीजें उठा कर उन्हें चबाने की कोशिश करता है। इससे गंदगी और वायरस उनके शरीर में चले जाते हैं। यही वजह है कि इस दौरान बच्चों को बुखार और लूज मोशन जैसी समस्याएं होने लगती हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

- दांत निकलने के दौरान बच्चे को ऐसी चीजें देनी चाहिए, जिनमें कैल्शियम, प्रोटीन, आयरन, विटमिन और मिनरल्स पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हों।
- दांत निकलने के दौरान बच्चों को केला, उबला हुआ सेब, संतरे का जूस, दाल, खिचडी और सूजी की खीर जैसी चीजें देनी चाहिए।
- उसे ऐसा मल्टी विटमिन ड्रॉप्स भी देना चाहिए, जिसमें विटमिन डी-3 हो। अगर दस माह तक बच्चों के दांत नहीं निकले हैं तो बच्चों को कैल्शियम सिरप देना चाहिए।
- बच्चों को धूप में लिटाना भी फायदेमंद होता है क्योंकि धूप में प्राकृतिक विटमिन डी होता है, जो उसके दांतों और हड्डियों को मजबूत बनाता है।
- दांत निकलने के दौरान बच्चों घुटने के बल चलना सीख रहे होते हैं, इसलिए जमीन में गिरी चीजों को उठाकर मुंह में डालते हैं। इस वजह से घर के फर्श की सफाई का पूरा ध्यान रखें। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि बच्चा जमीन पर गिरी हुई कोई चीज उठाकर मुंह न डालने पाए।
- इस दौरान बच्चों को चबाने के लिए प्लास्टिक के खिलौने दिए जाते हैं, लेकिन ऐसा करते वक्त आप इस बात का ध्यान रखें कि खिलौने गरम पानी से धुले हों ताकि उनमें किसी तरह के कीटाणु न हों।
- इसके अलावा आप बच्चों के हाथ में खाने की कोई ऐसी सख्त चीज पकडा दिया करें, जिससे उसे मसूढे की खुजली से भी राहत मिले और उसकी सेहत को भी कोई नुकसान न पहुंचे। आप उसे गाजर, बिस्किट, नमकपारा आदि दे सकती हैं।

आप इन बातों का ध्यान रखेंगी तो आपके बच्चों को दांत निकलने के दौरान जरा भी परेशानी नहीं होगी।

इन पर भी ध्यान दें

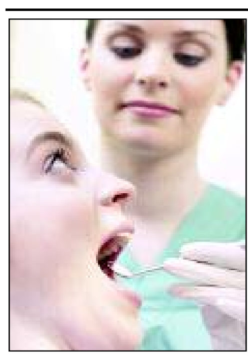

- दांतों की हलके हाथों से नियमित रूप से सफाई जरूरी है।
- दांतों की समस्याओं के लिए सदैव मान्यता प्राप्त व सही डाक्टर से परामर्श लें।
- वर्ष में कम से कम 2 बार दांतों का चेकअप अवश्य करवाएं।
- दांतों की सफाई पर ध्यान न देने पर एड्स व हैपीटाइटिस बी जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। मधुमेह के मरीजों को तो नियमित रूप से दांतों का चेकअप करवाना चाहिए।
- किसी भी प्रकार के धूम्रपान और तंबाकू, पानमसाला आदि के सेवन से भी दांतों में कैंसर की समस्या हो सकती है। इस से दांतों की आयु कम हो जाती है।
- 45 वर्ष की उम्र के बाद महिलाओं में कैल्सियम की कमी के कारण दांतों की अनेक समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं, जिन्हें गंभीरता से लेना चाहिए।
- दांतों की सुंदरता बढ़ाने के कई तरीके हैं। आप ब्लीचिंग व लेमीनेशन जैसी आधुनिकतम सुविधाओं का प्रयोग कर अपने व्यक्तित्व की शोभा बढ़ा सकती हैं।

हेल्थ प्लस

फाइबरयुक्त फूड रखे तनाव से दूर

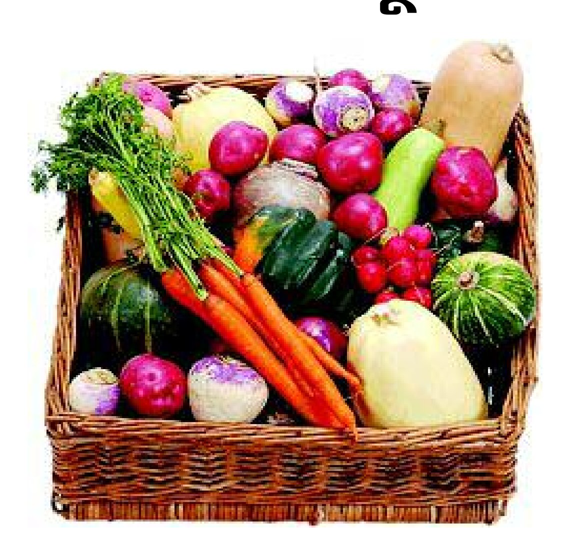

संतुलित आहार न सिर्फ आपकी सेहत को अच्छा रखता है, बल्कि तनाव को कम करने में मदद करता है। कुछ खास फूड और ड्रिंक्स सीधे तनाव का कारण बनते हैं। जैसे- कॉफी, चाय, चॉकलेट और केक आदि। इनमें कैफीन की मात्रा अत्यधिक पाई जाती है, जिनसे तनाव का स्तर बढ जाता है। इसलिए इनसे बचना ही बेहतर होता है।

क्या खाएं

- अपने आहार में कार्बोहाइड्रेट्स को शामिल करें। चावल, पास्ता, आलू, ब्रेड, लो कैलरीज कुकीज कार्बोहाइड्रेट के प्रमुख स्त्रोत होते हैं इसके। अगर आप दिन में एक बेक्ड आलू या एक कप स्पैगेटी या चावल लेते हैं तो आपका पूरा दिन चिंतामुक्त और तनावमुक्त गुजरेगा।
- अपने आहार में फाइबरयुक्त चीजों को शामिल करें। फाइबर आपकी पाचन-क्रिया को भी दुरुस्त रखता है। आपको अपने भोजन से प्रतिदिन लगभग 25 ग्राम फाइबर प्राप्त होता है। फल, सब्जियां और साबुत अनाज फाइबर के बेहतरीन स्त्रोत हैं। तनाव से बचने के लिए ब्रेकफास्ट में जूस की अपेक्षा पूरा फल खाएं। गेहूं से बनी ब्रेड, होल ग्रेन सीरियल्स लें। साबुत अनाज ब्रेन न्यूरोट्रांसमीटर सेरोटोनिन के उत्पाद को बढाता है, जो आपके सोचने-समझने की शक्ति को बढाता है और तनाव को कम करने में मदद करता है।
- पर्याप्त सब्जियां अपने आहार में शामिल करें। हरी, पीली और नारंगी रंग की सब्जियों में मिनरल्स, विटमिंस और फाइटोकेमिकल्स होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं, ताकि आप तनाव जैसी समस्याओं से लड सकें।

क्या न खाएं

- कैफीनयुक्त भोजन से बचें। कॉफी, ब्लैक टी नुकसानदेह होती है।
- तले और वसायुक्त भोजन से दूर रहें।
- हाई प्रोटीन फूड का भी कम प्रयोग करें।

सेहत संवारने के उपाय

आप अपनी दिनचर्या में कुछ कारगर उपायों को शामिल करके उनका प्रभाव देखें। इसके लिए आपको करना कुछ खास नहीं करना है, बस कुछ छोटी-छोटी किंतु महत्वपूर्ण बातों को अपनाना है।

- वे चीजें, जिनमें कैलरी ज्यादा हो, उन्हें थोडा ब्रेकफास्ट में और थोडा लंच में लें। दिन भर अगर आप गतिशील रहती हैं तो उनसे आपका मैटाबॉलिज्म मजबूत होगा व आपको ज्यादा ऊर्जा मिलेगी। एक्स्ट्रा कैलरीज जल्दी बर्न भी होंगी। डिनर में वसायुक्त भोजन न लें।

- अगर आप हाउसवाइफ हैं, घर में रोजमर्रा के काम करते हुए इस बात का ध्यान रखें कि आपका काम करने का तरीका ऐसा हो, जिससे कैलरीज ज्यादा से ज्यादा बर्न कर पाएं। जल्दी-जल्दी उठने-बैठने की आदत डालें व आलस से दूर रहें।
- लिफ्ट या एलीवेटर के स्थान पर स्टेयर्स (सीढियों) का उपयोग करें।
- रोज एक बाउल ओटमील खाना भी कोलेस्ट्रॉल कम करने के लिए फायदेमंद रहता है।
- यदि ज्यादा खाने की आदत है तो धीरे-धीरे चबाकर खाना खाएं। एक बाइट (ग्रास) को कम से कम 20 मिनट लगाकर चबाएं। अधिक समय लगाने से पेट भरा लगेगा और पाचन-क्रिया ठीक होगी।
- थोडी-थोडी देर में कुछ खाने से भी आप एक बार भर पेट खाना खाने से बच पाएंगी और कम कैलरी लेंगी।
- सूप पसंद है तो उसे बनाकर फ्रिज में रखें। दोबारा गरम करने से पहले उसके ऊपर की टॉपिंग उतार दें, जिससे अतिरिक्त फैट उस पर से हट जाए।
- कैफीन व एल्कोहॉल से बनी चीजों से दूर रहें।
- शरीर में आयरन की कमी पता चले तो रोज पालक का जूस पिएं। प्राकृतिक आयरन हासिल करने का इससे बेहतर स्त्रोत और कोई और नहीं।
- पानी ज्यादा से ज्यादा पीने की आदत बनाएं, इससे लीवर ठीक से काम करेगा, पाचन-क्रिया दुरुस्त रहेगी, जिससे शरीर को फायदा होगा। इसका परिणाम आपके चेहरे पर भी नजर आएगा।
- एक्सरसाइज को अपनी जीवन शैली का हिस्सा बनाएं। उसकी शुरुआत वार्म अप एक्सरसाइज से करें व अंत कूल डाउन से। शरीर को धीरे-धीरे एक्सरसाइज के लिए तैयार करना जरूरी होता है।
- एक्सरसाइज के समय ढीले व नैचरल फैब्रिक से बने हलके कपडे पहनें। ऐसे, जो पसीने को सोख सकें व पहनने में आरामदायक हों।
- यदि आप एक्सरसाइज करते हुए संगीत सुनती हैं तो आप अधिक समय तक एक्सरसाइज करने के साथ उसे एंजॉय भी कर सकती हैं। कुछ भी ऐसा चुनें, जो अलग हटकर हो और आपको पसंद आए। एकाग्रचित्त होने के लिए इससे बेहतर विकल्प कोई नहीं।
- यदि एक्सरसाइज करते समय आपको दर्द, चक्कर, बैचेनी, सांस का सामान्य न रहना तो तुरंत डॉक्टर से राय लें। ध्यान रहे, किसी भी नई एक्सरसाइज की शुरुआत बिना किसी योग्य प्रशिक्षक की देख-रेख के न करें।
- दिन व्यस्तता से भरा हो तो ब्रिस्क वॉक के लिए 20 मिनट निकालें। इससे आपका तनाव कम होगा और मन तरोताजा हो जाएगा।
- वॉकिंग करते वक्त यदि आपके पेट में क्रैम्स पड रहे हों तो बीच-बीच में रुकें, कमर पर से आगे की तरफ झुकें, सांस अंदर-बाहर करें, धीरे-धीरे और गहरी सांसें लेकर। इससे आपके पेट के निचले हिस्से के मसल्स को सामान्य होने में मदद मिलेगी।
- व्यस्त रोड या धुएं से भरे कमरे में एकसरसाइज करने से बचें। हमेशा प्रदूषण रहित साफ व खुला वातावरण एक्सरसाइज के लिए चुनें।
- सोच पॉजिटिव रखें व सदा मुस्कराती रहें।
- सोने व उठने का समय नियत करें व प्रतिदिन एक ही समय पर सोने जाएं।
- सोने से कुछ देर पहले लाइट बंद कर दें, जिससे नींद अच्छी आए। कोई अच्छी पुस्तक पढें या मधुर संगीत सुनें, वह नींद मीठी लाने में मदद करेगा।
- स्वास्थ्य से जुडी किसी समस्या के लिए जब भी कभी डॉक्टर के पास जाना हो पूछने वाले प्रश्नों की सूची बनाकर जाएं। जवाब लिख लें, न समझ आने पर दोबारा पूछें। यदि कोई दवा ले रही हैं तो वह भी बताएं। यदि किसी दवा से एलर्जी है तो उसे भी बताना न भूलें।

सिर दर्द

सिर दर्द होने का एक कारण आंखों की कमजोरी भी हो सकता है। आंखें कमजोर होने पर सिर दर्द ही क्यों होता है। यह प्रश्न विचारणीय है।

- सिर दर्द होने के दो कारण प्रमुख हैं- पहला आंखों में कम या ज्यादा भेंगापन होने से मांसपेशियों में असंतुलन होने से दर्द होना, दूसरा दृष्टिदोष, कमजोर नजरों (रिफरेक्टरी एरर) के कारण।
- आंखों में कालापानी या सूजन होने से भी सिर दर्द हो सकता है। आंखों में यदि अधिक दृष्टिदोष है, तो आंखों में तनाव पैदा होने से सिर दर्द होना स्वाभाविक है। इसके अलावा बुखार होने या प्रसव के पश्चात यदि हल्का सा भी दृष्टि दोष आंखों में उत्पन्न हो गया हो, तो सिर में दर्द होता है। सिर में दर्द होना एक आम बीमारी है यदि यह दर्द बार-बार होता है, तो नेत्र रोग चिकित्सक से जांच कराना उपयोगी होगा, क्योंकि सिर दर्द का सम्बन्ध आंखों की सम्बन्ध आंखों की कमजोरी से भी है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 3840

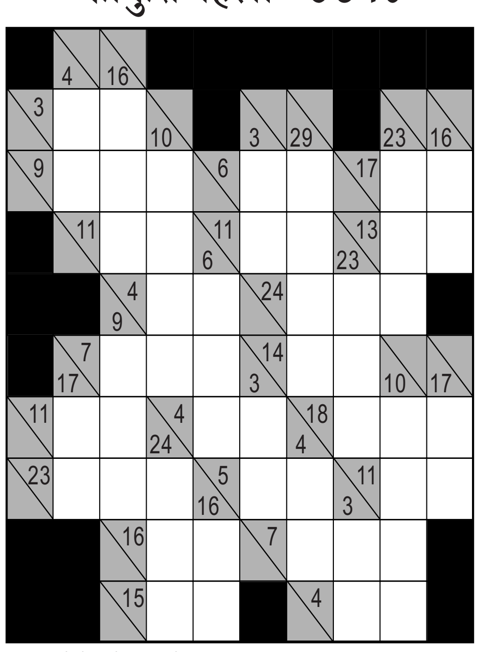

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

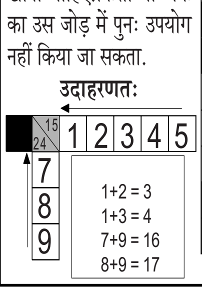

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो -3839 का हल

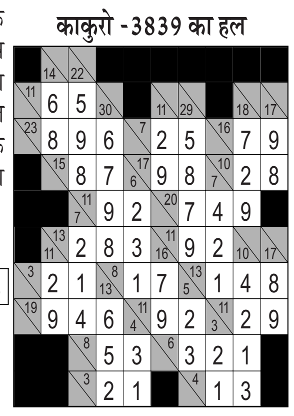

हंसी के फूव्वारें

क्या तुम मुझसे प्रेम करते हो ?
इसमें भी कोई सन्देह है.
'तो क्या तुम मेरे लिए मर भी सकते हो ?'
'नहीं प्रिय यह मेरा अमर प्रेम है.'

एक कुंवारी और कुंवारा घूम रहे थे कि तभी कुंवारी को जोर से खांसी आ गई, कुंवारा बोला-प्रिय तुम्हारे गले के लिए कुछ ले लूं क्या?
हां, वह मोतियों का हार जो सामने की दुकान पर है,कुंवारी बोली.

भगवान से सबकी रक्षा की विनती कर चुकने पर छोटे से मोहन ने कहा-मेहरबानी करके अपनी रक्षा भी करना यदि तुम्हें कुछ हो गया तो हमारा तो नाश हो जायेगा.

मरीज: डॉक्टर साहब, मुझे कब तक कड़वी दवा खानी पड़ेगी ?
डॉक्टर: जब तक मेरा बिल अदा न कर दोगे.

टिकटचेकर: बच्चा, टिकट दिखाओ.
साधु: हम तो साधु हैं, हमें टिकटों से क्या लेना-देना.
टिकटचेकर: तो क्या जिन्होंने टिकट ले रखे हैं वे सब क्या चोर-उचक्के हैं ?

फिल्म वर्ग पहेली - 3840

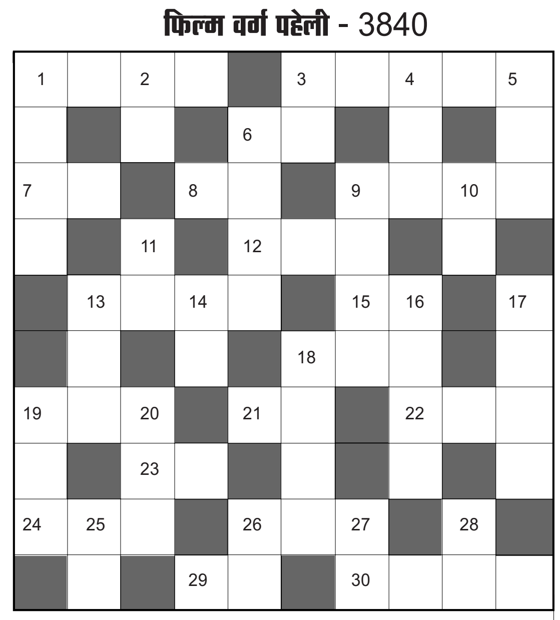

बायें से दायें:-

१. कारगिल युद्ध पर बनी जे. पी. दत्ता की बहु-सितारा फिल्म-२,१,१
३. 'रूप सलोना तेरा' गीत वाली सनी, अक्षय, मनीषा की फिल्म-२,३
६. आमिर, माधुरी दीक्षित की 'खंभे जैसी खड़ी है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'अपना बनाना है' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
८. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली फिल्म-२
९. 'रिमझिम के गीत' गीत वाली राजेद्र कुमार, बबीता की फिल्म-४
१२. 'छोटा कद और पेट बड़ा' गीत वाली संजयदत्त, नम्रता की फिल्म-३
१३. अजय देवगन, मधु, सोनाली की 'किसी के इश्क' गीत वाली फिल्म-४
१५. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम की नायिका कौन थी-२
१८. अक्षय कुमार, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सात सुरों के तार' गीत वाली जैकी, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२१. फरदीन, करीना की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'डैडी कूल कूल' गीत वाली शाहरूख खान, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२३. राजीव कपूर, डिम्पल की 'कोई भी नाम दो' गीत वाली फिल्म-२
२४. अभिनेत्री पूजा भट्ट के पिता-३
२६. दिलीपकुमार, वहीदा रहमान की 'कल के सपने' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'तुझे ना देखूँ तो' गीत वाली जीतेंद्र, कमल सदाना, दिव्या की फिल्म-२
३०. सुमीत सहगल, शिखा की 'पीछे पीछे आजा' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल लगाने की' गीत वाली अक्षय, अमिताभ, राखी, जूही की फिल्म-२,२
२. अतीन भल्ला, संदली की एक फिल्म-२
३. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली फिल्म-२
४. संजयदत्त, काजोल की 'आवाज दो हमको' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली फिल्म-३
६. अजय देवगन, रवीना की 'कितना हसीन चेहरा' गीत वाली फिल्म-४
९. राजेश खन्ना, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
१३. सनी, बॉबी, उर्मीला की 'कोई नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'तुम आए तो आया' गीत वाली अजय देवगन, पूजा भट्ट की फिल्म-२
१६.'कहाँ से आई रानी' गीतवाली फिल्म-२,२
१७. 'मैं जब बोलूँ हाँ' गीत वाली जीतेंद्र, नीतूसिंह की फिल्म-४
१८. अशोककुमार, सुमिता की 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'दोस्त दोस्त ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
२०. अक्षय, करिश्मा की 'दिल ले गया' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'रजिया सुल्तन' में रजिया सुल्तन की शीर्षक भूमिका किसने की हैं-२
२६. 'तेरा क्या लगता है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'काजल' की नायिका कौन थी-३
२८. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3839

का	ला	प	थ्थ	र		को	ह	श	
र		ड़ो		क्ष	त्रि	य		जा	ल
वॉ		स	ड़	क		ला	वा		म्हे
	जा	न			ज		दा	दा	
दि	ल		ख	ट्टा	मी	ठा		मि	ली
व्या		खे	ल		र		स	नी	
	प		ना	ना		डॉ	न		डो
प	रि	च	य		सु		म	वा	ली
	वा		क	सू	र			रि	
पा	र	स		र्या		वि	श्र	स	त

सूडोकु -3840

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1			
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3839 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

शब्द पहेली - 3840

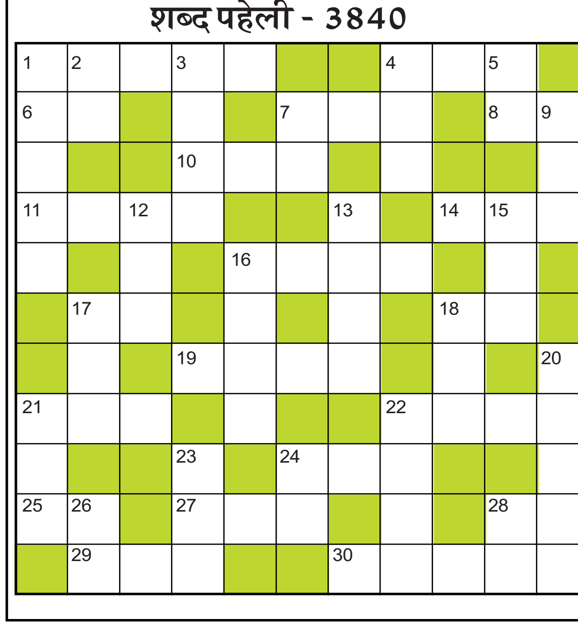

बाएँ से दाएँ

1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

ऊपर से नीचे

1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

शब्द पहेली -3839 का हल

	म	हा	भा	र	त		प	र	वा	ना
त	न		स्क		मा	हि	र		र	ग
न		त	र	क	श		ख	र		वा
ब	न्ध	क			बी	वी		न	ज	र
द		दी		दा	न		फां		ल	
न	ज	र	बं	द		न	सी	ब	वा	ला
	रु		दी		म	न		च		प
श	री	र		जं	हा			प	गा	र
रा		न	म		सा	ग	वा	न		वा
फ	ल		स	ज	ग		च		आ	ह
त	क्ष	शि	ला		र	द्द	क	र	ना	

पंचकूला नगर निगम की एफडीआर में कथित गड़बड़ी, बैंक कर्मचारी गिरफ्तार

चंडीगढ़ ।

हरियाणा राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसवीएसीबी) ने पंचकूला नगर निगम की करीब 150 करोड़ रुपये की सावधि जमा रसीदों (एफडीआर) में कथित गड़बड़ी के मामले में पहली गिरफ्तारी की है। कोटक महिंद्रा बैंक के तत्कालीन ग्राहक संबंध प्रबंधक दिलीप कुमार राघव को गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि राघव ने नगर निगम को फर्जी एफडीआर रिपोर्ट भेजी और मुख्य आरोपियों के साथ मिलकर धोखाधड़ी की। नगर निगम का दावा है कि उसके रिकॉर्ड और बैंक रिकॉर्ड में करीब 150 करोड़ रुपये का अंतर है। बैंक विवरण के अनुसार 16 एफडीआर में जमा राशि 145 करोड़ रुपये से अधिक होनी चाहिए थी, जबकि खाते में शुरुआत में केवल 2.17 करोड़ रुपये और बाद में 12.85 करोड़ रुपये दिखाई दी, जो निगम के आंकड़ों से मेल नहीं खाती। बैंक ने कहा कि सभी लेनदेन बैंकिंग नियमों के तहत हुए और उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। एसवीएसीबी ने इस मामले में भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, जालसाजी और आपराधिक साजिश का मामला दर्ज किया है। जांच अभी जारी है और अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है।

सुनील मित्तल एयरटेल अफ्रीका के चेयरमैन पद से होंगे रिटायर

नॉन-एग्जीक्यूटिव चेयरमैन के रूप में गोपाल विट्टल को किया गया नियुक्त

नई दिल्ली ।

भारत की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल की अफ्रीकी शाखा एयरटेल अफ्रीका में बड़ा नेतृत्व बदलाव होने जा रहा है। कंपनी के निदेशक मंडल ने कहा कि संस्थापक सुनील भारती मित्तल जुलाई में वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के बाद एयरटेल अफ्रीका के चेयरमैन पद से रिटायर होंगे। यह कदम कंपनी की उत्तराधिकार योजना का हिस्सा है और इसके जरिए नेतृत्व में निरंतरता सुनिश्चित की जाएगी। नॉन-एग्जीक्यूटिव चेयरमैन के रूप में गोपाल विट्टल को नियुक्त किया गया है। वहीं श्राविन भारती मित्तल, सुनील मित्तल के बेटे, डिप्टी चेयरमैन की जिम्मेदारी संभालेंगे। कंपनी ने कहा कि श्राविन मित्तल संस्थापक परिवार और अहम शेयरधारकों के बीच संपर्क का काम करेंगे और एयरटेल मनी बोर्ड तथा मुख्यालय, दुबई, के साथ बोर्ड संबंधों को बनाए रखेंगे। एयरटेल अफ्रीका की गैर-कार्यकारी निदेशक एनिका पीटियानेन भी जुलाई एजीएम के साथ सेवानिवृत्त होंगी। सुनील मित्तल ने उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने ऑडिट और जोखिम समिति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और बोर्ड की स्थिरता सुनिश्चित करने में मदद की। सुनील मित्तल ने कहा कि एयरटेल अफ्रीका के पास मजबूत रणनीति और उत्कृष्ट नेतृत्व टीम है। उन्होंने कहा, -यह मेरे लिए सम्मान की बात रही कि मैं कंपनी का नेतृत्व कर सका। अब समय आ गया है कि मैं चेयरमैन पद से हटूं, लेकिन जरूरत पड़ने पर कंपनी का समर्थन करता रहूंगा। एयरटेल अफ्रीका 14 अफ्रीकी देशों में सक्रिय है। कंपनी ने 2010 में जेन टेलकॉम का अधिग्रहण करके अफ्रीका में प्रवेश किया था। सुनील मित्तल 2019 में लंदन स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टिंग के बाद से चेयरमैन पद पर थे।

सोने के भाव में तेजी, चांदी भी हुई महंगी

सोने की कीमत 1,44,100, चांदी 2,34,700 रुपए पर

नई दिल्ली ।

कमोडिटी बाजार में कीमती धातुओं ने जोरदार तेजी दिखाई है, जिससे निवेशकों का रुझान एक बार फिर सोना और चांदी की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दोनों धातुओं के दाम में मजबूत बढ़त दर्ज की गई है। एमसीएक्स पर सोने की कीमत 1,44,100 रुपये तक पहुंच गई है, जिसमें 5,188 रुपये की तेजी देखी गई। इसी तरह चांदी ने भी शानदार प्रदर्शन किया है और इसकी कीमत 2,34,700 रुपये पर पहुंच गई है, जो 10,759 रुपये की बढ़त को दर्शाती है। बाजार जानकारों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता, डॉलर में उतार-चढ़ाव और सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग के चलते सोना और चांदी दोनों में खरीदारी बढ़ी है। यही वजह है कि दोनों धातुओं में इतनी तेज तेजी देखने को मिल रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर यही रुख जारी रहता है तो आने वाले दिनों में सोना और चांदी के दाम में और भी उछाल आ सकता है। ऐसे में निवेशकों के लिए यह समय रणनीति के साथ निवेश करने का हो सकता है। फिलहाल, बाजार में जारी इस तेजी ने कीमती धातुओं को फिर से सुर्खियों में ला दिया है और आने वाले सत्रों में इनकी चाल पर सबकी नजर बनी रहेगी।

इंदौर सराफा बाज़ार

इन्दौर ।

गुरुवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा सामान्य ही रही। किन्तु दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे
चाँदी (9999) 227000, चाँदी (99) 226000, टंच 225500, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 147000,
कासलीवाल/पीएम/26 मार्च 2026

देशभर में पेट्रोल-डीजल की मांग में अचानक उछाल

एचपीसीएल ने आश्वासन दिया, ईंधन की कोई कमी नहीं

मुंबई ।

देशभर के पेट्रोल पंपों पर हाल के दिनों में भीड़ बढ़ने लगी है, क्योंकि पेट्रोल और डीजल की मांग में अचानक तेज़ी देखी गई है। सरकारी तेल कंपनी हिंदुस्तान पेट्रो लियम कारपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के अनुसार, पिछले दो दिनों में ईंधन की बिक्री में 15 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई है, जबकि कुछ क्षेत्रों में यह बढ़ोतरी 50 फीसदी तक पहुंच गई है। एचपीसीएल ने साफ किया है कि यह उछाल मुख्य रूप से अचानक हुई खरीदारी और अफवाहों के कारण है, न कि किसी वास्तविक कमी की वजह से। कंपनी ने कहा कि देश में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार मौजूद है और सभी सप्लाई सेंटर पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अफवाहों के कारण हुई इस अचानक मांग के उछाल को देखते हुए, जनता को सुरक्षित और संयमित खरीदारी करनी चाहिए।

होटल और रेस्तरां में एलपीजी और ईंधन चार्ज वसूली पर सीसीपीए सख्त

सीसीपीए ने किया स्पष्ट, मेन्यू में लिखी कीमत ही अंतिम

नई दिल्ली ।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने होटल और रेस्तरां संचालकों को चेतावनी दी है कि वे ग्राहकों से एलपीजी, गैस, ईंधन या अन्य परिचालन खर्चों के नाम पर अतिरिक्त शुल्क बिल में न जोड़ें। प्राधिकरण ने यह कदम उपभोक्ताओं से मिली लगातार शिकायतों और मीडिया रिपोर्ट्स के बाद उठाया है। सीसीपीए ने कहा कि मेन्यू में दर्ज कीमत ही अंतिम कीमत होनी चाहिए और इसके अलावा केवल लागू टैक्स ही बिल में अलग जोड़ा जा सकता है। सीसीपीए ने स्पष्ट किया कि एलपीजी, बिजली, गैस और अन्य परिचालन लागत व्यवसाय का हिस्सा हैं और इन्हें मेन्यू कीमत में शामिल करना ही सही तरीका है। इन खर्चों को अलग से वसूलना उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 2(47) के तहत अनुचित व्यापार व्यवहार माना जाएगा। इससे न केवल पारदर्शिता खत्म होती है बल्कि ग्राहकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ भी पड़ता है। सीसीपीए ने कहा कि कोई भी होटल या रेस्तरां ग्राहकों को किसी भी अतिरिक्त शुल्क के लिए मजबूर नहीं कर सकता। सभी शुल्क स्वैच्छिक होने चाहिए। अगर कोई रेस्तरां या होटल इन नियमों का उल्लंघन करता है, तो प्राधिकरण उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई करेगा। सीसीपीए ने यह भी स्पष्ट किया कि चाहे इन शुल्कों को किसी भी नाम से बुलाया जाए, यह सर्विस चार्ज या अतिरिक्त फीस की श्रेणी में आते हैं। बिल में डिफॉल्ट रूप से शुल्क जोड़ना 4 जुलाई, 2022 के जारी सीसीपीए दिशानिर्देशों का उल्लंघन है।

उड़ान योजना के नए चरण को मंजूरी, 10 वर्षों में 28,840 करोड़ खर्च होंगे

दूरदराज क्षेत्रों में हवाई संपर्क मजबूत करने के लिए 100 नए एयरपोर्ट का होगा विकास

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उड़ान योजना के अगले चरण को मंजूरी दे दी है। इस चरण के तहत 2026-27 से अगले 10 वर्षों में कुल 28,840 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यह आवंटन पिछले दशक के मुकाबले काफी अधिक है, जब सरकार ने व्यवहार्यता अंतर निधि (वीजीएफ) और हवाई अड्डों के विकास पर करीब 9,200 करोड़ रुपये खर्च किए थे। नई योजना के तहत बंद पड़ी हवाई पट्टियों को पुनर्जीवित करते हुए 100 हवाई अड्डों का विकास किया जाएगा, जिस पर 12,159 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके अलावा, दुर्गम और दूरदराज क्षेत्रों तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने के लिए 3,661 करोड़ रुपये की लागत से 200 आधुनिक हेलीपैड बनाए जाएंगे। सरकार ने यह भी स्वीकार किया है कि क्षेत्रीय हवाई अड्डे सीमित आय और उच्च संचालन एवं रखरखाव लागत की चुनौती से जूझते हैं। इसे देखते हुए अगले तीन वर्षों तक एयरपोर्ट्स को वित्तीय सहायता दी जाएगी। प्रति हवाई अड्डा 3.06 करोड़ रुपये सालाना और हेलीपोर्ट तथा वाटर एरोड्रोम के लिए 90 लाख रुपये तक की सहायता का प्रावधान किया गया है।

इस मद में 2,577 करोड़ रुपये का कुल आवंटन 441 एरोड्रोम के लिए किया गया है। वहीं गैर-लाभकारी हवाई मार्गों पर उड़ान संचालन के लिए एयरलाइंस को वीजीएफ के तहत 10 वर्षों में 10,043 करोड़ रुपये की सहायता दी जाएगी।

सरकार का मानना है कि इस योजना से देश में सस्ती हवाई यात्रा को बढ़ावा मिलेगा और भारत का विमानन क्षेत्र वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनेगा।

कोटक म हिंद्रा बैंक ने सावधि जमा धोखाधड़ी मामले में दर्ज की शिकायत

बैंक नगर निगम द्वारा संचालित जमा और संबंधित खातों का विस्तृत कर रहा मिलान

नई दिल्ली ।

पंचकूला नगर निगम से जुड़े सावधि जमा (फिक्स्ड डिपॉजिट) में कथित धोखाधड़ी के मामले के बाद कोटक महिंद्रा बैंक ने हरियाणा पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। बैंक ने कहा कि वह नगर निगम द्वारा संचालित जमा और संबंधित खातों का विस्तृत मिलान कर रहा है। बैंक प्रवक्ता ने बताया कि अब तक मिलान से पुष्टि हुई है कि खाता खोलने की प्रक्रिया, केवायसी दस्तावेज और अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता सही थे और लेन-देन बैंकिंग नियमों के अनुरूप प्रबंधित किए गए। बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन राशि का एक बड़ा हिस्सा नगर निगम के साथ मिलान हो चुका है और प्रक्रिया अब भी जारी है। बैंक ने यह भी कहा कि वह नगर निगम, सरकारी अधिकारियों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ पूरी तरह सहयोग कर रहा है। यह मामला हरियाणा सरकार की जमा राशि से जुड़ी अन्य धोखाधड़ी की घटनाओं के बीच सामने आया है। हाल ही में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्माल फाइनेंस बैंक में भी अनियमितताएं पाई गईं। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में चंडीगढ़ शाखा में 645 करोड़ रुपये की विसंगतियों का पता चला, जिसमें कर्मचारियों ने जाली

दस्तावेज और भुगतान निर्देशों मंजूर किए। इसमें शामिल कर्मचारियों को निलंबित किया गया और फोरेंसिक ऑडिट के लिए केपीएमजी नियुक्त किया गया। हरियाणा सरकार ने 18 फरवरी को निजी बैंकों में रखे सरकारी खातों को बंद करने का निर्देश दिया।

इसके बाद कई खातों को बंद करने के अनुरोध आए और विसंगतियाँ उजागर हुईं। कोटक महिंद्रा बैंक का मामला अभी जांचाधीन है

और बैंक ने धोखाधड़ी की राशि सार्वजनिक नहीं की है।

बांग्लादेश 56वें स्वतंत्रता दिवस पर आर्थिक और राजनीतिक दबाव में

बांग्लादेश की विकास दर वित्त वर्ष 2022 के बाद लगातार घटती जा रही

नई दिल्ली । बांग्लादेश 26 मार्च को अपना 56वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, लेकिन देश के सामने आर्थिक चुनौतियां भी हैं। वित्त वर्ष 2016 से 2019 तक देश की जीडीपी में 7 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई थी। कोविड-19 महामारी के दौरान यह विकास दर गिर गई और अर्थव्यवस्था डगमगा गई। महामारी के बाद सुधार हुआ, लेकिन वित्त वर्ष 2022 के बाद विकास दर लगातार घटती रही और वित्त वर्ष 2025 में यह केवल 3.5 फीसदी पर आ गई। मुद्रास्फीति भी लगातार बढ़ी है। वित्त वर्ष 2016 में यह 5.92 फीसदी थी और 2021 तक 6 फीसदी से नीचे रही। हाल के वर्षों में कीमतों में तेज़ी से वृद्धि हुई और वित्त वर्ष 2025 में मुद्रास्फीति 10 फीसदी से अधिक हो गई। बढ़ती महंगाई ने आम नागरिकों की जीवनशैली पर दबाव डाला है। वित्त वर्ष 2016 में व्यापार घाटा 15.78 अरब डॉलर था, जो वित्त वर्ष 2022 में 50.62 अरब डॉलर तक बढ़ गया। वित्त वर्ष 2024 में यह घटकर 27.3 अरब डॉलर हो गया, लेकिन वित्त वर्ष 2025 में निर्यात में गिरावट के कारण व्यापार घाटा दोबारा बढ़कर 38.19 अरब डॉलर हो गया। देश में समय-समय पर राजनीतिक अस्थिरता रही है। नई सरकार, बीएनपी प्रमुख तारिक रहमान के नेतृत्व में, ऐसे समय में चुनौतियों का सामना कर रही है ।

पीएनजी नेटवर्क वाले इलाकों में नहीं मिलेगा एलपीजी सिलेंडर

सरकार एलपीजी संकट से निपटने के लिए पीएनजी को दे रही बढ़ावा

नई दिल्ली। सरकार ने आदेश जारी कर कहा है कि जिन क्षेत्रों में पाइपलाइन से प्राकृतिक गैस (पीएनजी) उपलब्ध है, वहां के घरों को पीएनजी कनेक्शन लेना अनिवार्य होगा। यदि कोई उपभोक्ता तीन महीने के भीतर पीएनजी के लिए आवेदन नहीं करता है, तो उस पते पर एलपीजी सिलिंडर की आपूर्ति बंद कर दी जाएगी। यह नियम केवल उन घरों पर लागू होगा, जहां पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है या बिछाई जा रही है। तकनीकी अड़चन वाले मामलों में अनापत्ति प्रमाण पत्र देना आवश्यक होगा। सरकार का लक्ष्य अधिक से अधिक लोगों को पीएनजी नेटवर्क से जोड़ना है, ताकि पश्चिम एशिया संकट के चलते एलपीजी की आपूर्ति पर दबाव कम हो। पीएनजी को घरेलू उपयोग के लिए सुविधाजनक और स्थिर ईंधन विकल्प के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है। आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत जारी आदेश में पाइपलाइन बिछाने और विस्तार के लिए समयबद्ध रूपरेखा दी गई है, जिससे मंजूरी और भूमि तक पहुंच में देरी जैसी अड़चनों को कम किया जा सके। देशभर में अब तक 307 भौगोलिक क्षेत्रों में सीजीडी नेटवर्क विस्तार की मंजूरी दी गई है। 110 क्षेत्रों में 9,046 पीएनजी कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं। इसका उद्देश्य एलपीजी पर निर्भरता घटाना और ईंधन

आपूर्ति को स्थिर रखना है। सरकार ने वाणिज्यिक एलपीजी का कुल 50 फीसदी आवंटन सुनिश्चित किया है। और पेट्रोल व डीजल की कोई कमी नहीं है। देशभर के पेट्रोल पंप सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं। मुंद्रा पोर्ट ने निर्यातकों के लिए 15 दिन तक मुफ्त भंडारण, रेफर प्लग-इन शुल्क में 80 फीसदी छूट और लिफ्ट-ऑन/लिफ्ट-ऑफ व परिवहन शुल्क माफ करने जैसी सुविधाएं शुरू की हैं। इससे पश्चिम एशिया संकट के दौरान निर्यातकों को राहत मिलेगी।

इस निर्णय से घरेलू ईंधन आपूर्ति स्थिर होगी

और पीएनजी का उपयोग बढ़ाकर एलपीजी पर दबाव कम किया जा सकेगा।

ओडिशा और कर्नाटक में रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार का तेजी से विस्तार

चंद्रिखोल में 400 एकड़ भूमि मंजूर, 363.3 एकड़ के लिए आईएसपीआरएल को मांग पत्र मिल चुका

नई दिल्ली ।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने संसद को जानकारी दी है कि ओडिशा और कर्नाटक में भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार (एसपीआर) की विस्तार परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। ओडिशा के चंद्रिखोल में 400 एकड़ भूमि मंजूर हो चुकी है, जिसमें से 363.3 एकड़ के लिए इंडिया स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड (आईएसपीआरएल) को मांग पत्र मिल चुका है। शेष 36.7 एकड़ के लिए जल्द मांग पत्र जारी होने की उम्मीद है। कर्नाटक के पादुर में भूमि अधिग्रहण का काम लगभग पूरा हो चुका है। देश में पहले से ही आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम और कर्नाटक के मंगलूर और पादुर में कुल 53.3 लाख टन क्षमता वाले एसपीआर मौजूद हैं। ये भंडार आपूर्ति संकट के समय बफर के रूप में काम करते हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने बताया कि देश की वर्तमान कुल राष्ट्रीय भंडारण क्षमता 74 दिन की है, जिसमें तेल विपणन कंपनियों की 64.5 दिनों की क्षमता शामिल है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार सदस्य देशों को पिछले वर्ष के शुद्ध आयात के बराबर 90 दिनों का तेल भंडार बनाए रखना होता है। सरकार ने जुलाई 2021 में ओडिशा (चंद्रिखोल) और कर्नाटक (पादुर) में 65 लाख टन क्षमता वाली दो नई वाणिज्यिक-सह-रणनीतिक भंडार सुविधाओं को पीपीपी मॉडल के तहत मंजूरी दी थी। परियोजना की कुल लागत 14,527 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है,

जिसमें 60 प्रतिशत तक वित्तपोषण का व्यवहार्यता अंतर शामिल है।

पश्चिम एशिया में संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा संकट को देखते हुए सरकार पूरे देश में पर्याप्त स्टॉक स्थापित करने पर जोर दे रही है। इन भंडारों से आपूर्ति संकट के समय देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी।

अमेरिका-ईरान तनाव से म्युचुअल फंड एनएफओएस पर ब्रेक

फंड कंपनियों ने 15 मार्च के बाद सिर्फ तीन योजनाओं के लिए दस्तावेज जमा किए

नई दिल्ली ।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने भारतीय म्युचुअल फंड इंडस्ट्री को भी प्रभावित किया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मार्च में लगभग दो दर्जन नई योजनाओं को मंजूरी दी है, लेकिन अब तक केवल 9 नई इक्विटी योजनाएं (एनएफओएस) ही लॉन्च हुई हैं। फंड कंपनियों ने 15 मार्च के बाद सिर्फ तीन योजनाओं के लिए दस्तावेज जमा किए, जबकि पहले दो हफ्तों में 19 योजनाओं के लिए फाइलिंग हुई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि मार्च आम तौर पर वित्त वर्ष के अंत का महीना होने के कारण एनएफओएस की संख्या कम रहती है, लेकिन इस साल भू-राजनीतिक अनिश्चितता ने स्थिति और जटिल बना दी है। म्युचुअल फंड इंडस्ट्री के वरिष्ठ प्रतिनिधि का कहना है कि कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, बढ़ती मुद्रास्फीति और ब्याज दरों की चिंताओं के कारण निवेशक नई योजनाओं में तुरंत निवेश नहीं कर रहे हैं। फंड कंपनियां इस समय नए एनएफओ लॉन्च करने में हिचकिचा रही हैं और बाजार स्थिर होने का इंतजार कर रही हैं। अमेरिका-ईरान संघर्ष का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ा है। मार्च में निफ्टी-50 लगभग 9 फीसदी गिर चुका है। पिछले 18 महीनों में बाजार पहले ही भारी बिकवाली का सामना कर चुका है। भू-राजनीतिक तनाव और तेल की कीमतों में तेजी से निवेशकों का विश्वास कमजोर हुआ है, जिससे व्यापक स्तर पर बिकवाली शुरू हो गई है। म्युचुअल फंड कंपनियों और निवेशक दोनों ही अस्थिर वैश्विक परिस्थितियों और घरेलू बाजार दबाव को देखते हुए सतर्क हैं। मार्च में एनएफओएस की धीमी रफ्तार और शेयर बाजार में गिरावट संकेत देती है कि निवेशक केवल स्थिरता लौटने के बाद ही नए निवेश करने में रुचि दिखा रहे हैं।

जीएसटी कटौती से वाहन और कृषि उत्पादों की बिक्री में उछाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोक सभा में कहा कि सितंबर 2025 में जीएसटी दरों में सुधार लागू करने के बाद देश में आर्थिक गतिविधियों में स्पष्ट बढ़ोतरी देखी गई है। मंत्री ने बताया कि खुदरा यात्री वाहन बिक्री में 26.1 प्रतिशत, ग्रामीण यात्री वाहन बिक्री में 34 प्रतिशत, और दोपहिया वाहन बिक्री में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ट्रैक्टर की बिक्री में भी 36.4 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया। सीमेंट उत्पादन लगभग 9.3 प्रतिशत बढ़ा। वित्त मंत्री ने कहा कि मासिक जीएसटी संग्रह में भी हाल के महीनों में लगातार वृद्धि हुई है। तमिलनाडु में दिसंबर 2025 में 8 प्रतिशत, जनवरी 2026 में 5 प्रतिशत और फरवरी 2026 में 18 प्रतिशत की एसजीएसटी वृद्धि देखी गई। मंत्री ने पहले सुविधा, बाद में प्रवर्तन दृष्टिकोण दोहराया। विलंबित ऑडिट में तकनीकी चूक के लिए निश्चित जुर्माने की व्यवस्था और शून्य कटौती प्रमाणपत्र के लिए नियम-आधारित स्वचालन की घोषणा की। प्राथमिक सहकारी समितियों को दूध, फल, सब्जियां,

पशु चारा और कपास बीज की आपूर्ति पर कर कटौती का लाभ मिलेगा। सदस्यों को मिलने वाले लाभांश पर अनुकूल कर उपचार लागू होगा। भारत के मछली पकड़ने वाले जहाजों को विशेष आर्थिक क्षेत्रों और गहरे समुद्र में शुल्क से छूट मिलेगी। 1 अप्रैल 2026 से लागू नए आयकर प्रावधान अनुपालन सरल बनाएंगे, अपील सीमा बढ़ाएंगे और मुकदमेबाजी कम करेंगे।

डेटा केंद्रों के लिए निवेश प्रोत्साहन घरेलू अवसंरचना निर्माण और स्थानीय मूल्य संवर्धन से जुड़े हैं,

जिसमें निवेश का अनुमान 70 अरब डॉलर है।

मीराबाई चानू ने CWG और Asiad के बीच वजन वर्ग में बदलाव की रणनीतिक योजना बनाई

रायपुर (एजेंसी)। भारत की वेटलिफ्टिंग स्टार मीराबाई चानू ने बड़े अंतरराष्ट्रीय इवेंट्स के लिए वजन वर्गों को मैनेज करने की अपनी रणनीतिक अप्रोच का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि वह कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए अपना वजन 48 किलोग्राम वर्ग में बनाए रखेंगी, लेकिन उसके तुरंत बाद उन्हें 49 किलोग्राम वर्ग में जाना होगा क्योंकि एशियन गेम्स दो महीने के अंदर ही होने वाले हैं।

एक दशक से भी ज्यादा समय से साइखोम मीराबाई चानू भारतीय वेटलिफ्टिंग का चेहरा रही हैं। इस दौरान उन्होंने कई शानदार मेडल जीते हैं जिनमें टोक्यो ओलंपिक्स का सिल्वर मेडल, तीन वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल और तीन कॉमनवेल्थ गेम्स में पोडियम फिनिश शामिल हैं। फिर भी मणिपुर की इस वेटलिफ्टर से एक उपलब्धि अभी भी दूर है और वो है एशियन गेम्स में मेडल जीतना। मीराबाई ने पहली बार 19 साल की उम्र में इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था और 2014 के इंचियोन एशियन गेम्स में नौवें स्थान पर रहीं थीं। बाद में पीठ की चोट के कारण उन्हें 2018 के जकार्ता एशियन गेम्स से हटना पड़ा था, जिससे उनकी तैयारियों में रुकावट आई थी।

मेडल के सबसे करीब वह 2022 के हांगझोऊ एशियन गेम्स में पहुंची थीं, जहां कूल्हे की चोट ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया था जबकि वह पोडियम फिनिश हासिल करने के बेहद करीब थीं। इस झटके के कारण उन्हें लगभग 5 महीने तक खेल से दूर रहना पड़ा था। 31 साल की इस खिलाड़ी ने शानदार वापसी करते हुए 2024 के पेरिस समर ओलंपिक्स के लिए क्वालिफाई किया, जहां वह लगातार दूसरा ओलंपिक मेडल जीतने से बाल-बाल चूक गईं। तब से उनका पूरा ध्यान आखिरकार एशियन गेम्स में मेडल न जीत पाने के सूखे को खत्म करने पर लगा हुआ है।

हम प्ले-ऑफ में पहुंचे हैं, लेकिन ट्रॉफ़ी जीतने पर ही असली सम्मान मिलेगा : संजीव गोयनका

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स टाटा आईपीएल 2026 में एक नई पहचान के साथ-साथ टीम और सपोर्ट स्टाफ़ में कुछ बड़े बदलावों के साथ आगे बढ़ना चाहेगी। जियो स्टार के 'आईपीएल टुडे लाइव ' पर बात करते हुए, एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका और क्रिकेट के ग्लोबल डायरेक्टर टॉम मूडी ने पिछले सीजन से टीम में हुए सुधारों और पहला टाइटल जीतने के दबाव पर अपने विचार साझा किए।

एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका ने उन एरिया के बारे में बताया जिनमें फ्रेंचाइजी ने आईपीएल 2026 सीजन में सुधार किया है। उन्होंने कहा, ÷अच्छी बात यह थी कि हमारे ज़्यादातर फ्रंटलाइन बॉलर के चोटिल होने के बावजूद हमने अपने पहले छह में से चार गेम जीते। कुछ बड़े कदम उठाए गए, एडेन मार्करम और मिशेल मार्श ने ओपनिंग की, जो उनकी आम पोजीशन नहीं है, और यह उन दोनों के लिए उनका सबसे अच्छा आईपीएल सीजन साबित हुआ। दिग्वेश राठी बिल्कुल नए खिलाड़ी के तौर पर आए और उन्होंने हमारे लिए अच्छा किया। हालांकि, हमें एहसास हुआ कि हमारे पास एक मजबूत बॉलिंग कोर की कमी है, और हमने इस बार एक घरेलू बॉलिंग यूनिट बनाकर इस पर ध्यान दिया है। आप हमेशा सुधार कर सकते हैं, सुधार का कोई अंत नहीं है। अब यह एक साथ आने और अकेले परफॉर्म करने की बात है। बहुत सारे लोग परफॉर्म कर रहे थे। इस साल, हम एक टीम के तौर पर परफॉर्म करना चाहते हैं।'

एलएसजी के लिए अपनी पहचान बनाने के लिए ट्रॉफी जीतना कैसे ज़रूरी होगा, इस पर उन्होंने कहा, ÷मुझे लगता है कि असली पहचान अभी भी बन रही है। किसी भी स्पोर्ट्स टीम के लिए, जब तक आप जीतते नहीं हैं, आपको ट्रॉफी उठाने जैसा सम्मान या प्यार नहीं मिलता है। हाँ, हम दो बार प्लेऑफ़ में पहुँचे हैं, लेकिन यह साफ़ तौर पर काफ़ी नहीं है। आप कुछ जीतते हैं, कुछ हारते हैं, लेकिन हमें अपनी पहली ट्रॉफी जीतनी है।÷

टॉम मूडी ने बताया कि सपोर्ट स्टाफ के लिए भारतीय घरेलू पेस-बॉलिंग अटैक एक फोकस एरिया क्यों था। उन्होंने कहा, ÷लखनऊ में मिस्टर गोयनका से लेकर पूरे सिस्टम तक सभी से बात करने के बाद, यह बहुत साफ़ है कि 2025 के लिए तैयारी उतनी अच्छी नहीं थी जितनी हो सकती थी। हमारे कई खिलाड़ी फिटनेस के मामले में कमज़ोर थे। अब हमारे पास जो स्क्वॉड और बैलेंस है, उसमें एक मज़बूत, हाई-क्वालिटी घरेलू फास्ट-बॉलिंग अटैक शामिल है, जिसे हमने ऑफ-सीज़न में मोहम्मद शमी के लिए ट्रेड करके स्मार्ट तरीके से जोड़ा है, जो उस ग्रुप को लीड कर सकते हैं और आगे का रास्ता दिखा सकते हैं। जिन सभी एरिया में हमें लगा कि सुधार की जरूरत है, उन पर ध्यान दिया गया है, जिसमें एक नई मेडिकल टीम लाना भी शामिल है। इस समय, हमारे सभी फास्ट बॉलर हमें सिलेक्शन में सिरदर्द दे रहे हैं, जो पहले गेम में जाने से पहले आप बिल्कुल यही चाहते हैं।' एलएसजी के लिए ट्रॉफी जीतने के प्रेशर पर उन्होंने कहा, 'मुझे लंबे समय से प्रोफेशनल क्रिकेट से जुड़े रहने का मौका मिला है, और यही इस खेल का चार्म और चैलेंज दोनों है, प्रेशर को झेलना। जिस शांत कॉन्फिडेंस की हमने पहले बात की थी, वह इस विश्वास से आता है कि टीम इसके लिए तैयार है। आप आगे जो होने वाला है, उससे बेफिक्र हुए बिना ऐसा नहीं कर सकते। वे इसके लिए तैयार हैं।'

रोहित और डिकॉक की जोड़ी विरोधियों पर भारी पड़ेगी : बद्रीनाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस (एमआई) 29 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। इसमें एक बार फिर रोहित शर्मा और क्विंटन डिकॉक मुम्बई की पारी की शुरुआत करते हुए दिखेंगे। इसी को लेकर पूर्व बल्लेबाज सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने कहा है कि रोहित और डिकॉक की सलामी जोड़ी आईपीएल में विरोधी टीमों पर भारी पड़ेगी। डिकॉक को मुंबई ने आईपीएल 2026 के लिए हुई नीलामी में एक करोड़ रुपये के आधारमूल्य पर खरीदा था। डिकॉक ने मुम्बई की ओर से साल 2019 से 2021 तक खेल खेलते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। बद्रीनाथ ने कहा, 'रोहित अभी भी भारतीय टी20 टीम का हिस्सा बनने के लिए शानदार हैं। डिकॉक के साथ उसकी शुरुआती जोड़ी काफी अच्छी है।'

बद्रीनाथ ने कहा कि टीम को तिलक वर्मा को नंबर 3 पर ही उतारना चाहिये। उन्होंने यह भी कहा कि सूर्यकुमार यादव को नंबर 4 और कप्तान हार्दिक पांड्या को नंबर 5 पर ही उतारें। बद्रीनाथ ने कहा, तिलक ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के लिए नंबर 5 और 6 पर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है पर अगर वह वहीं बल्लेबाजी करेंगे तो नंबर 3 पर किसे उतारा जाएगा। उसके बाद हार्दिक, नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड और विल जैक्स जैसे विकल्प टीम के पास हैं। भारतीय न टीम ने रिंकू सिंह के नहीं होने की पर तिलक को नीचे बल्लेबाजी करने भेजा पर आईपीएल में तिलक को नंबर 3 पर ही उतारना चाहिये।

इस पूर्व क्रिकेटर नरे रोहित की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अभी भी इतने फिट है कि भारतीय टी20 टीम से खेल सकते है। रोहित ने टी20 प्रारुप से पहले ही संन्यास ले लिया है हालांकि वह आईपीएल में अब भी मुम्मई इंडियंस के लिए खेलते हैं।

आंकड़ों में आरसीबी पर भारी नजर आती है सनराइजर्स

बेंगलुरु (एजेंसी)। गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के अपने पहले मुकाबले में अपने घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 28 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद से खेलेगी। इस मैच में हालांकि आरसीबी की राह आसन नहीं कही जा सकती। आंकड़ों पर नजर डालें तो आईपीएल इतिहास में इन दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 26 मुकाबले हुए हैं। जिसमें से 13 मैच सनराइजर्स हैदराबाद ने जबकि 11 मुकाबले आरसीबी ने जीते हैं। वहीं दो मैचों का परिणाम नहीं निकला। रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी ने पिछली बार खिताबी जीता था जिससे टीम इस बार बनाये रखना चाहेगी। आरसीबी की टीम के पास अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और फिल साल्ट सहित कई अच्छे खिलाड़ी हैं। वहीं देवदत्त पडिक्कल मध्यक्रम में रनों की जिम्मेदार संभालेंगे। इसके अलावा

टिम डेविड और जितेश शर्मा ने भी आईपीएल 2025 में अपनी बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा था। रोमारियो शेफर्ड और क्रुणाल पांड्या से भी टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। वहीं वेंकटेश अय्यर के आने से टीम की बल्लेबाजी मजबूत हुई है पर टीम की कमजोरी उनकी तेज गेंदबाजी है। टीम के मुख्य तेज गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड फिट नहीं होने के कारण शुरुआती मुकाबले नहीं खेलेंगे। ऐसे में स्विंग के लिए मशहूर भुवनेश्वर कुमार गेंदबाजी की कमान संभालेंगे। पिछले सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज यश दयाल भी इस बार टीम में नहीं हैं। ऐसे में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी को बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

वहीं दूसरी ओर, सनराइजर्स हैदराबाद एक बार फिर जमकर रन बनाना चाहेगी। उसके पास अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड और ईशान किशन जैसे अच्छे खिलाड़ी हैं। कप्तान पैट कमिंस के नहीं होने से ईशान शुरुआती मुकाबलों में कप्तानी संभालेंगे। वहीं हेनरिक क्लासन से भी टीम को आक्रामक बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी।

फिनिशर के तौर पर उसके पास अनिकेत वर्मा के अलावा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी हैं। लियाम लिविंगस्टन भी अपने को साबित करना चाहेंगे। सनराइजर्स की भी कमजोरी उसका गेंदबाजी आक्रमण है। मुख्य तेज गेंदबाज कमिंस के नहीं होने से गेंदबाजी की जिम्मेदारी ईशान मलिंगा, हर्षल पटेल और जयदेव उनादकट के पास रहेगी। वहीं स्पिन की जिम्मेदारी युवा स्पिनर जीशान अंसारी के पास रहेगी।

ऋतुराज बोले, सैमसन और मैं करेंगे सीएसके की पारी की शुरुआत

चेन्नई। आईपीएल टीम चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने कहा है कि इस सत्र में वह संजू सैमसन के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। गायकवाड़ के इस बयान के बाद टीम की सलामी जोड़ी को लेकर लगायी जा रही अटकलें भी समाप्त हो गयी हैं। सैमसन इस सत्र में रॉयल्स को छोड़कर सीएसके से जुड़ गये थे। ऋतुराज ने कहा कि तीसरे नंबर पर आयुष म्हात्रे उतरेंगे। सैमसन ने पिछले कुछ समय में शानदार प्रदर्शन कर दिखाया है कि टी20 में वह पारी की शुरुआत के लिए काफी अच्छे हैं। सैमसन ने टी-20 विश्व कप 2026 में में भी काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 300 से अधिक रन बनाये थे। ऐसे में सीएसके को उनसे इसी प्रकार के प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। वहीं गायकवाड़ आईपीएल के पिछले सत्र में केवल पांच मैच ही खेल सके थे। जिसमें उन्होंने 150 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 122 रन बनाए थे। ऐसे में वह इस बार अधिक से अधिक रन बनाने का प्रयास करेंगे। चेन्नई सुपरकिंग्स का प्रदर्शन आईपीएल 2025 में बेहद निराशाजनक रहा था। टीम 14 में से सिर्फ 4 ही मैच जीत सकी थी जबकि 10 मुकाबलों में टीम को हार झेलनी पड़ी थी। हालांकि, इस बार टीम ने कई युवा खिलाड़ियों को शामिल किया है जिससे उसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। आईपीएल मुकाबले इसी माह के अंत में खेले जाएंगे।

आरसीबी और राजस्थान के बिकने से बीसीसीआई को भी करोड़ों रुपये का फायदा

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 19 वां सत्र शुरु होने से पहले ही करोड़ों रुपये का फायदा हुआ है। बोर्ड को ये लाभ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) जैसी टीमों के बिकने से हुआ है। आरसीबी जहां 16660 करोड़ रुपए, वहीं आरआर 15290 करोड़ रुपए में बिकी। इस तरह दोनों टीम टीमों को मिला दिया जाये तो करार की रकम 31000 करोड़ रुपए तक पहुंच गयी है। जिससे बीसीसीआई को भी ट्रेड डील के तहत मोटी रकम मिली है। गौरतलब है कि आईपीएल में जब भी किसी टीम का मालिक बदलता है तो बीसीसीआई को ट्रेड डील के तहत 5-5 फीसदी कमीशन दिया जाता है। ऐसे में आरसीबी के बिकने से बीसीसीआई को 833 करोड़ और राजस्थान से करीब 750 करोड़ रुपए कमीशन के तहत मिले हैं। इससे क्रिकेट बोर्ड को बिना कुछ किये ही 1583 करोड़ रुपए मिले हैं। इस करार के अलावा बीसीसीआई को हर साल आईपीएल से करोड़ों का राजस्व मिलता है। आरसीबी को आदित्य बिरला ग्रुप, अमेरिकी खेल निवेशक डेविड ब्लिट्ज़र और अमेरिकी निजी इक्विटी फर्म ब्लैकस्टोन ने मिलकर खरीदा है। वहीं राजस्थान रॉयल्स को काल सोमानी के समूह ने खरीदा है। राजस्थान और आरसीबी की टीम आईपीएल में एक-एक बार की चैंपियन रही है। राजस्थान की टीम ने आईपीएल के पहले सत्र में साल 2008 में खिताब जीता था।

पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2026 सीजन से पहले स्टेडियम में की पूजा

चंडीगढ़। पंजाब किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सीजन से पहले बुधवार को न्यू चंडीगढ़ के नए इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पूजा की। आज यहां इस मौके पर टीम के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग, स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले और विकेटकीपिंग कोच ब्रैड हैडिन मौजूद थे। टीम ने आने वाले सीजन के लिए आशीर्वाद मांगा। फ्रेंचाइजी एक रोमांचक अभियान के लिए पूरी तरह से तैयार है। पंजाब किंग्स अपने आईपीएल 2026 सीजन की शुरुआत 31 मार्च को अपने घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटन्स के खिलाफ करेंगे।

थॉमस और उबर कप बैडमिंटन में लक्ष्य और सिंधु पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन अगले महीने होने वाले थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष टीम की कमान संभालेंगे। वहीं ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और उभरती खिलाड़ी उन्नति हुड्डा उबर कप में महिला टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। भारतीय बैडमिंटन संघ ने 24 अप्रैल से तीन मई तक डेनमार्क के होर्सेंस में होने वाले थॉमस कप के लिए लक्ष्य के अलावा, किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को टीम में बरकरार रखा है। वहीं युवा आयुष शेट्टी को को भी पहली बार टीम में जगह दी है। पुरुष टीम में एमआर अर्जुन ध्रुव कपिला और किरण जॉर्ज को भी जगह मिली है। वहीं उबर कप में सिंधु, शीर्ष युगल जोड़ी गायत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली भारती की ओर से पदक की प्रबल दावेदार रहेंगी। भारतीय टीम पिछली बार सेमीफाइनल तक पहुंची थी पर इस बार उसका लक्ष्य और बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उन्नति हुडा के साथ देविका सिहाग, इशारानी बरुआ और किशोरी तन्वी शर्मा जैसी युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी टीम में रहेंगी। भारतीय बैडमिंटन संघ के अनुसार खिलाड़ियों का चयन 10 मार्च तक की बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग के आधार पर किया गया है, जिसमें शीर्ष पांच एकल खिलाड़ी और शीर्ष दो युगल जोड़ियां शामिल हैं। टीम संयोजन को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है।

आईपीएल के इस सत्र में डिविलियर्स और उथप्पा को पीछे छोड़ सकते हैं राहुल

नई दिल्ली। इस माह के अंत में शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज केएल राहुल के पास एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम हासिल करने का अवसर रहेगा। राहुल इस सत्र में सबसे ज्यादा बाउंड्री लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल दक्षिण अफ्रीका के पूर्व स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स और अपने ही हमवतन रॉबिन उथप्पा को पीछे छोड़ सकते हैं। राहुल अभी 145 मैचों में 660 बाउंड्री के साथ नौवें नंबर पर हैं। राहुल ने 452 चौके और 208 छक्के लगाये हैं। राहुल को डिविलियर्स का रिकार्ड तोड़ने के लिए पांच और उथप्पा को पीछे छोड़ने चार बाउंड्री चाहिये। विलियर्स ने 184 आईपीएल मैचों में 664 बाउंड्री लगायी हैं। इस दौरान उन्होंने 413 चौके और 251 छक्के लगाये और दिल्ली व आरसीबी की ओर से खेला। वहीं उथप्पा ने 205 मुकाबलों में से 663 में बाउंड्री लगाई। उन्होंने 481 चौके और 182 छक्के लगाये। वह चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) समेत पांच फ्रेंचाइजी में शामिल रहे। लीग में सबसे अधिक 1062 का रिकार्ड विराट कोहली का है जबकि 942 बाउंड्री के साथ ही रोहित शर्मा दूसरे नंबर पर है। 920 बाउंड्री के साथ शिखर धवन तीसरे जबकि 899 के साथ ही डेविड वार्नर पांचवे नंबर पर हैं।

आईपीएल से पहले नाम वापस लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों पर भड़के गावस्कर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने लीग की शुरुआत से ठीक पहले नाम वापस लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों को आड़े हाथों लिया है। गावस्कर ने कहा कि इस प्रकार का रवैया ठीक नहीं है। इसके खिलाफ कड़े कदम उठाने की जरुरत है। पिछले कुछ समय से लगातार देखने में आया है कि खिलाड़ी लीग से पहले कई प्राकर की बहानेबाजी कर हट जाते हैं जिससे टीम को नुकसान होता है। गावस्कर ने कहा कि टीम करोड़ों रुपये देकर जब इन खिलाड़ियों का अनुबंधित करती। इसके बाद टीम की रणनीत बनती है पर इनके नहीं खेलने से सब बेकार हो जाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार गावस्कर का कहना गलत नहीं है। टीम नीलामी में करोड़ों रुपये खर्च कर विदेशी खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ती हैं, उनकी भूमिका तय करती हैं और उसी हिसाब से टीम का संयोजन बनाती हैं।

वहीं जब यही खिलाड़ी टूर्नामेंट के अहम समय पर गायब हो जाते हैं, उसके लिए सभी कुछ बेकार हो जाता है।

आमतौर पर चोट, वर्कलोड मैनेजमेंट, या फिर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का हवाला देते हुए खिलाड़ी हटते हैं।यह अपने आप में गलत नहीं है। किसी भी खिलाड़ी का फिट रहना और लंबे समय तक खेलना प्राथमिकता होनी चाहिए पर ये सवाल यह है कि जब खिलाड़ी आईपीएल अनुबंध करते हैं तभी उन्हें सभी बातों का ध्यान रखना चाहिये।

यहां मामला 'उपलब्धता' से ज्यादा 'प्राथमिकता' का है। इससे आईपीएल की साख भी प्रभावित हो रही है। ऐसा लगता हैकि आईपीएल विदेशी खिलाड़ियों के लिए सिर्फ एक विकल्प बनकर रह गया है, जहां वे सुविधा के अनुसार खेलते हैं और असुविधा होते ही हट जाते हैं जिस स्वीकार नहीं किया जा सकता। ऐसे खिलाड़ियों को लीग से प्रतिबंधित कर दिया जान चाहिये। ऐसे में फ्रेंचाइजियां को अपने चयन में अधिक सतर्कता रखते हुए केवल उसी खिलाड़ी को शामिल करना चाहिये जो खेलन को लेकर गंभीर हो। खिलाड़ी की उपलब्धता और प्रतिबद्धता के ट्रैक रिकॉर्ड को भी चयन में पहली प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

अर्जुन तेंदुलकर पर टिप्पणी को लेकर अश्विन पर भड़े योगराज

मुम्बई। अर्जुन तेंदुलकर को लेकर दिये बयान को लेकर पूर्व स्पिनर आर अश्विन और पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह में ठन गयी है। अर्जुन आईपीएल के इस सत्र में मुंबई इंडियंस की जगह पर लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलेंगे। इसी को लेकर अश्विन की टिप्पणी आई है। जिसमें उन्होंने कहा है कि टीम में पहले से ही मयंक यादव, मोहसिन खान, आवेश खान और मोहम्मद शमी जैसे अच्छे तेज गेंदबाज हैं। ऐसे में अर्जुन के लिए अंतिम एकादश में जगह बनाना आसान नहीं होगा और उन्हें काफी प्रयास करना होगा। वहीं अश्विन के इस बयान से योगराज नाराज हो गये। उनका कहना है कि अश्विन की टिप्पणी गलत है। साथ ही कहा कि किसी भी खिलाड़ी की क्षमता पर इस तरह सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करना गलत है। योगराज ने यहां तक कह दिया कि अगर अर्जुन छह महीने में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज नहीं बनते, तो वह अपनी दाढ़ी कटवा लेंगे। योगराज ने साथ ही कहा कि अर्जुन को केवल गेंदबाज के रूप में देखना गलत है, बल्कि वह एक ऑलराउंडर के तौर पर अधिक प्रभावी साबित हो सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अर्जुन की फिटनेस और तकनीक को लेकर पहले भी चर्चा हो चुकी है और सही मार्गदर्शन मिलने पर वह बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। अर्जुन के लिए यह सीजन काफी अहम माना जा रहा है। मुंबई इंडियंस में सीमित अवसर मिलने के बाद लखनऊ ने उन्हें अवसर दिया है। अब टीम संयोजन और प्रदर्शन के आधार पर ही उनका भविष्य तय होगा।

मियामी ओपन 2026: सबालेंका और राइबाकिना के बीच सेमीफाइनल में होगी टक्कर

मियामी (एजेंसी)। मियामी में खेले जा रहे प्रतिष्ठित मियामी ओपन 2026 में महिला एकल वर्ग में वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका और दुनिया की नंबर-2 खिलाड़ी एलेना राइबाकिना के बीच एक और हाई-वोल्टेज मुकाबला देखने को मिलेगा। दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने क्वार्टरफाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है।

डिफेंडिंग चैंपियन सबालेंका ने अमेरिका की हैली बैपटिस्ट को 6-4, 6-4 से हराया। वहीं राइबाकिना ने पांचवीं वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को 2-6, 6-3, 6-4 से शिकस्त दी। पेगुला पिछले साल इसी टूर्नामेंट में सबालेंका से फाइनल हार चुकी थीं।

दोनों स्टार खिलाड़ी गुरुवार रात हार्ड रॉक स्टेडियम में फाइनल में जगह बनाने के लिए आमने-सामने होंगी।

सबालेंका और राइबाकिना के बीच हाल के मुकाबले बेहद रोमांचक रहे हैं। इस साल जनवरी में खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में राइबाकिना ने सबालेंका को हराया था, जो 2026 में सबालेंका की एकमात्र हार रही। हालांकि, सबालेंका ने इंडियन वेल्स ओपन के फाइनल में जीत दर्ज कर उसका बदला चुका लिया।

मैच के बाद सबालेंका ने कहा कि राइबाकिना के खिलाफ मुकाबले हमेशा कड़े और रोमांचक होते हैं और वह इस भिड़ंत को लेकर काफी उत्साहित हैं। सबालेंका अब 'सनशाइन डबल' (इंडियन वेल्स और मियामी ओपन जीतने) से सिर्फ दो जीत दूर हैं।

क्वार्टरफाइनल में सबालेंका को बैपटिस्ट से कड़ी चुनौती मिली, लेकिन अहम मौकों पर उन्होंने दबाव संभालते हुए जीत दर्ज की।

दूसरी ओर, राइबाकिना ने पेगुला के खिलाफ खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी की। पहला सेट गंवाने के बाद उन्होंने लय पकड़ी और लगातार पांचवीं बार पेगुला को हराया।

पुरुष वर्ग में लेहेका की जीत

पुरुष एकल वर्ग में चेक गणराज्य के जिरी लेहेका ने स्पेन के क्वालीफायर मार्टिन लैंडालुसे को 7-6(7/1), 7-5 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

लेहेका को यह जीत आसान नहीं रही, क्योंकि लैंडालुसे ने पहले सेट में सभी ब्रेक प्वाइंट बचाए। हालांकि, टाईब्रेक में लेहेका ने दबदबा बनाया और दूसरे सेट के अंतिम गेम में ब्रेक हासिल कर मैच अपने नाम किया। अब लेहेका का मुकाबला अमेरिका के टॉमी पॉल और फ्रांस के आर्थर फिल्स के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

मीनोपोज के बाद के मोटापे को यूं घटाएं

मीनोपोज (माहवारी) बंद होने के बाद बढ़ने वाला बैली फैट कई महिलाओं के लिए एक बड़ी समस्या है। ये कोई साधारण फैट नहीं है, जो डाइटिंग और योगा से कम हो जाए! इसलिए इसे जिद्दी फैट भी कहा जाता है। शोधकर्ताओं ने इस वजह को ढूंढ निकाला है कि आखिर मीनोपोज के बाद मोटापा क्यों बढ़ता है? शोधकर्ताओं के मुताबिक, मीनोपोज के बाद एस्ट्रोजन लेवल कम होने से हिप्स और थाईंज का फैट लोअर-एब्डॉमन में चला जाता है लेकिन डाइट में बदलाव करके आप शरीर का एक्स्ट्रा फैट घटा सकते हैं।

आमतौर पर महिलाएं बेली फैट कम करने के चक्कर में हेल्दी फैट का सेवन करना भी छोड़ देती हैं जो कि गलत है। क्या आप जानते हैं कुछ फैट ऐसे भी होते हैं जिनका सेवन बैली फैट घटाने में मदद कर सकता है। जैसे एवोकैडो, ऑलिव्स, सैल्मन मछली और कोकोनट ऑयल। अध्ययन से पता चला है कि एक महीने के लिए हर सप्ताह तीन बार 28 ग्राम साल्मन मछली खाने से लगभग एक किलो से अधिक वजन घटाया जा सकता है। ऐप्पल साइडर विनेगर (सिरका) आपके मेटाबॉलिज्म को तेज करने में मदद करता है। सिरका में शामिल एसिडिक एसिड प्रोटीन वजन कम करने में मदद करता है। इसके साथ ही ग्रीन स्मूदी भी आपका बैली फैट घटाने में मददगार हो सकती है।

ये हैं डैंड्रफ को दूर करने के उपाय

अधिकतर महिलाएं डैंड्रफ की समस्या से परेशान रहती हैं। इससे स्कैल्प में सफेद रंग की पपड़ी जमने लगती है। डैंड्रफ के कारण सिर में खुजली भी होने लगती है। बहुत अधि?क खुजली करने से सिर में घाव बन जाते हैं। साथ ही बालों की जड़ें भी कमजोर हो जाती है। कुछ खास उपायों की सहायता से आप डैंड्रफ की इस समस्या से राहत पा सकती हैं।

डैंड्रफ की समस्या को दूर करने के लिए जरूरी है कि आप नियमित रूप से बालों में कंघी करें। इससे बालों की जड़ों से ज्यादा तेल निकलता है। इसके अलावा बालों में कंघी करने से बालों की ग्रोथ भी बढ़ती है।

डैंड्रफ में अच्छी क्वालिटी के शैंपू का ही इस्तेमाल करें। ऐसे हेयर प्रोड्क्ट का इस्तेमाल करें जिसमें जिंक पाइरिथियन मौजूद होता है। ये डेंड्रफ को दूर करने में कारगर साबित होता है।

एलोवेरा के रस से बालों की मसाज करें और एक घंटे बाद ठंडे पानी से धो लें। ऐसा करने से डैंड्रफ की समस्या दूर हो जाएगी। नारियल के तेल में कपूर मिलाकर रख लें। नहाने से आधे घंटे पहले इससे बालों की मसाज करें। नियमित रूप से ऐसा करने से डैंड्रफ की समस्या दूर हो जाएगी। अपने बालों को रोजाना अच्छी क्वालिटी के एंटी-डैंड्रफ शैंपू से धोएं। इससे डैंड्रफ की समस्या काफी हद तक खत्म हो जाती है। एक गि?लास पानी में चार बड़े चम्मच बेसन मिलाकर पेस्ट बना लें और इसे बालों में लगाकर एक घंटे के लिए छोड़ दें और फिर बाल धो लें।

मेहंदी तभी खूबसूरत लगती है, जब उसका रंग गहरा हो

शादियों का सीजन चल रहा हैं, ऐसे में मेहंदी के बिना श्रृंगार पूरा नहीं होता। मेहंदी लगाना न केवल सोलह श्रृंगार में से एक है बल्किर इसे शुभ शगुन के तौर पर भी देखा जाता है। हमारे देश में कोई भी खास मौका हो, हाथों में मेंहदी रचाए बिना पूरा नहीं माना जाता। पर मेहंदी तभी खूबसूरत लगती है, जब उसका रंग गहरा हो और यह सही से रचे। मेहंदी का एक खास गहरा लाल रंग होता है जो हाथों पर बेहद खूबसूरत लगता है।

कई बार ऐसा होता है कि मेहंदी लगी तो बहुत अच्छी होती है लेकिन सही से न रचने के कारण खूबसूरत डिजाइन भी खिलकर नहीं आ पाता। ऐसे में आप इन उपायों को अपनाकर गहरी और खूबसूरत मेंहदी रचा सकती हैं। पहले यह तय कर लें कि आपकी मेहंदी का घोल अच्छे से तैयार किया गया हो।

इन उपायों को अपनाने से गहरी रचेगी मेंहदी

मेहंदी लगाने के बाद धैर्य रखना बहुत जरूरी है। कम से कम पांच से छह घंटे के लिए मेहंदी को हाथों पर रचे रहने दें। इससे मेहंदी का रंग गहरा चढ़ता है।

नींबू और चीनी के घोल के इस्तेमाल से भी मेहंदी का रंग गहरा चढ़ता है। दरअसल, इस घोल को लगाने से मेहंदी ज्यादा देर के लिए हाथों में चिपकी रहती है और इससे उसका रंग गहरा हो जाता है।

मेहंदी छुड़ाने के लिए पानी का इस्तेमाल न करें। हो सके तो 10 से 12 घंटों तक हाथों पर पानी के इस्तेमाल से बचें। साबुन के इस्तेमाल से दूर ही रहें तो बेहतर होगा। मेहंदी छुड़ाने के बाद सरसों के तेल को हाथों पर मल लें। इन उपायों को अपनाने से मेंहदी का रंग गहरा चढ़ता है।

इस कारण होता है मोतियाबिंद

मोतियाबिंद की समस्या पहले सिर्फ बुजुर्गों में ही पायी जाती थी लेकिन आजकल ये युवाओं ओर बच्चों को भी अपना शिकार बना रही है। अगर आप किसी बीमारी से ग्रस्त हैं तो उसका असर भी आपके आंखों की रोशनी पर होता है जिससे मोतियाबिंद की समस्या होती है।

हमारी आंख की पुतली के पीछे एक लेंस होता है। पुतली पर पड़ने वाली लाइट को यह लेंस फोकस करता है और रेटिना पर ऑब्जेक्ट की साफ इमेज बनाता है। रेटिना से यह इमेज नर्व्स तक और वहां से दिमाग तक पहुंचती है। आंख की पुतली के पीछे मौजूद यह लेंस पूरी तरह से साफ होता है , ताकि इससे लाइट आसानी से पास हो सके।

कभी-कभी इस लेंस पर कुछ धुंधलापन आ जाता है , जिसकी वजह से इससे गुजरने वाला प्रकाश का रास्ता बंद हो जाता है। इसका नतीजा यह होता है कि पूरी लाइट पास होने पर जो ऑब्जेक्ट इंसान को बिल्कुल साफ दिखाई देता है,अब कम लाइट पास होने की वजह से वही ऑब्जेक्ट धुंधला नजर आने लगता है। लेंस पर होनेवाले इसी धुंधलेपन की स्थिति को मोतियाबिंद कहा जाता है। यह क्लाउडिंग धीरे - धीरे बढ़ती जाती है और मरीज की नजर पहले से ज्यादा धुंधली होती जाती है। मोतियाबिंद के कारण हो सकती हैं ये बीमारियां।

मधुमेह

मधुमेह शरीर के दूसरे अंगों जैसे गुर्दे और हृदय की ही अनेक बीमारियों का कारण ही नहीं है बल्कि आंखों पर भी कई प्रकार से इसका दुष्प्रभाव पड़ता है। मधुमेह के लगभग 80 प्रतिशत रोगियों को जीवन में आंखों की किसी न किसी समस्या का सामना अवश्य करना पड़ता है। आंखों की इन समस्याओं में प्रमुख हैं- डायबेटिक रेटिनोपैथी, मोतियाबिंद तथा काला मोतिया। मधुमेह के कारण होने वाली इन बीमारियों से बचने के लिए जरूरी है कि मधुमेह के रोगी समय-समय अपनी आंखों की जांच कराते रहें और कोई भी दिक्कत सामने आते ही उसका इलाज करवाना शुरू कर दें। कुछ मरीजों में लैंस में धुंधलापन आ जाता है, उसकी पारदर्शिता खत्म हो जाती है इसे डायबिटिक कैटरैक्ट कहते हैं।

यूवाइटिस

यूवाइटिस एक प्रकार की सूजन है जो यूवेइआ में होते हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं जिनमें ट्रामा या संक्रमण भी एक हैं। इस बीमारी के कोई भी ज्ञात कारण नहीं है। मोतियाबिंद की समस्या उन लोगों में ज्यादा होती है जो जो यूवाइटिस से ग्रस्त होते हैं। यूवाइटिस अमेरिका, यूरोप और अन्य विकसित देशों में तेजी से फैल रही है। भारत में भी इस बीमारी के मरीजों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। दुनिया में यूवाइटिस को कैंसर से भी खतरनाक माना जा रहा है।

मायोपिया में मोतियाबिंद का खतरा ज्यादा

जो लोग उच्च निकट दृष्टि दोष (मायोपिया) से प्रभावित होते हैं उनमें मोतियाबिंद का खतरा कहीं अधिक होता है। डॉक्टर के मुताबिक बचपन में देखन की क्षमता का विकास होता और किशोरावस्था में आंख की लंबाई बढ़ती है लेकिन निकट दृष्टि दोष होने की वजह से यह कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में आंख में जानेवाला प्रकाश रेटिना पर केंद्रित नहीं होता। इसी वजह से तस्वीर धुंधली दिखाई देती है लेकिन इस दोष को कॉटैक्ट लेंस या सर्जरी से ठीक कराया जा सकता है।

सेहतमंद रहने के लिए सुधारें कुछ आदतें

दिन में सपने देखना

दिन में सपना देखने को अक्सर लोग बुरा मानत हैं। जबकि एक शोध में ये बुरी नहीं बल्कि एक अच्छी आदत मानी गई है। एक्सपर्ट्स का दावा है कि दिन में सपने देखने वाले लोगों की याददाश्त तेज होती है। वो ना सिर्फ फुर्तीले होते हैं बल्कि काफी बुद्धिमान भी होते हैं। दिन में सपने देखने वाले लोगों की याददाश्त बेहतर होती है, एकाग्रता अधिक रहती है और मल्टीटास्किंग में आसानी होती है।

कुछ ऐसी आदतें भी होती हैं जिन्हें आमतौर पर अच्छा नहीं माना जाता पर इनके साथ भी आप स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। एक अध्ययन में यह बात सामने आई है। जैसे कि कॉफी की कम मात्रा सेहत के लिए अच्छीर हो सकती है, लेकिन अधिक कॉफी पीना सेहत के लिए अच्छो नहीं माना जाता। दिनभर में तकरीबन तीन कॉफी पीने से पित्त की पथरी का खतरा कम होता है। किडनी स्टोन के होने का खतरा भी नहीं रहता। इसके अलावा अगर आपका भी मूड खराब है तो आप कॉफी का एक कप जरूर लें। कॉफी में कुछ ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो आपके मूड को ठीक करने में मदद करते हैं।

चॉकलेट के फायदे

अधिकतर लोग चॉकलेट को जंक फूड मानते हैं इसीलिए रोजाना चाकलेट खाने से बचते हैं पर ऐसा नहीं है, चॉकलेट खाना बुरा नहीं है। रिसर्च के मुताबिक, चॉकलेट सिर्फ आपको मीठा खाने की संतुष्टि ही नहीं देता बल्कि ये दिल की बीमारियों से भी बचाता है। खासतौर पर डार्क चॉकलेट। साथ ही यह निम्न रक्तचाप को भी संतुलित करता है। एक अन्य रिसर्च के मुताबिक, जो लोग अधिक चॉकलेट खाते हैं उन्हें स्ट्रोक का खतरा भी कम होता है।

गॉसिपिंग से भी है लाभ

गॉसिप करना सेहत के लिए बहुत अच्छां होता है। गॉसिपिंग के दौरान बॉडी से फील गुड हार्मोन रिलीज होता है जो कि तनाव और एंजाइटी से मुक्त करने में मदद करता है। इसके अलावा, ऑफिस में गॉसिपिंग सेफ्टी वॉल्व की तरह होती है, जिससे आप अपने दिल की बात बाहर निकाल सकते हैं।

इस प्रकार लंबे समय तक चलेंगे ब्यूटी प्रोडक्ट

खूबसूरती निखारने आप घरेलु नुस्खे भी आजमा सकती हैं। हमेशा महंगे उत्पाद खरीदने की जरुरत नहीं है। मस्कारा व आईलाइनर सूख जाए या फिर खत्म होने की स्थिति में हो तो उसे हल्के गर्म पानी में रखें या कॉन्टेक्ट लेंस सॉल्यूशन की कुछ बूंदे डालकर उनको आप एक बार फिर इस्तेमाल कर सकती हैं। मेकअप हटाने के लिए रिमूवर व क्लीजिंग मिल्क की जगह नारियल तेल , बेबी ऑयल या फिर दूध का उपयोग किया जा सकता है। फाउंडेशन वाला स्पंज अगर खराब हो गया है तो ब्रश से भी फाउंडेशन लगा सकती हैं। ब्रश से उसे फैलाएं, फिर टिश्यू पेपर को हल्का गीला करके उसको एक सार करें।

डार्क शेड के फाउंडेशन को अपनी स्किन टोन से मिलाने के लिए फाउंडेशन और मॉइश्चराइजर के साथ इसे मिलाएं।

लिप बाम बनाने के लिए बची हुए लिपस्टिक किसी स्टिक से निकाल लें फिर उसे माइक्रोवेव में मेल्ट कर लें। फिर उसे एक बाउल में निकाल लें। फिर इसे लिप बाम की तरह इस्तेमाल करें। स्क्रब खत्म हो जाए तो नया स्क्रब खरीदने की जगह ब्राउन शुगर और शहद को आपस में मिला कर स्क्रब बनाएं।

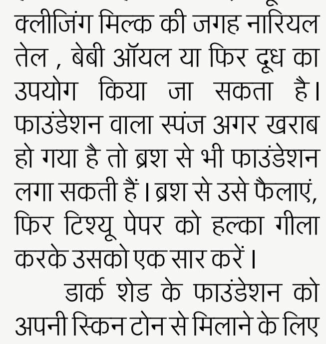

गालों की ललिमा को बनाए रखने के लिए ब्लशऑन की जगह पिंक लिपस्टिक का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।अगर बॉक्स में ड्राई आईशैडो टूट गया है तो इसे जोडऩे के लिए उसमें एल्कोहल की कुछ बूंदें डालकर मिलाएं और उसी डिब्बी में जमा कर रखें।टूटे कॉम्पेक्ट को एक डिब्बी में एक साथ रख लें। फिर उसे इस्तेमाल करें।टूटी हुई लिपस्टिक को जोडऩे के लिए उसे थोड़ा गर्म करे या फिर हेयर ड्रायर चला कर टूटे हिस्सों को जोड़ दें।

नींद की कमी से बढ़ जाता है कई बिमारियों का खतरा

रात में गहरी नींद सोने से सुबह हम तरोताजा महसूस करने के साथ ही स्वस्थ भी रहते हैं। वहीं नींद की कमी से कई बिमारियों को खतरा बढ़ जाता है। यह देखा गया है कि कई बार नींद नहीं आती या अगर आप रात के समय कम सोते हैं और सोने के बाद बार-बार आपकी नींद खुल जाती है, तो सावधान हो जाएं क्योंकि एक अध्ययन की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि यह आपके याद रखने की क्षमता को पूरी तरह नष्ट कर सकती है।

ना केवल मानसिक, बल्किा यह शारीरिक सेहत के लिए भी ठीक नहीं है। अध्ययनकर्ताओं का दावा है कि इससे डिमेंशिया बीमारी का खतरा बढ़ जाता है।

एक किताब में कुछ ऐसा ही दावा किया गया है.

किताब को लिखने वाले न्यूरोलॉजिस्ट का कहना है कि सोने के दौरान हमारा मस्तिनष्क बहुत से काम करता है.जैसे कि यादों को संचित करने और उन्हें संभालने जैसे काम करता है।

डिमेंशिया एक ऐसी बामारी है, जिसमें आप चीजों को भूलने लगते हैं, आप का मूड बदलने लगता है, काम में आपका मन नहीं लगता और साथ ही आप चिड़चिड़े भी हो जाते हैं।

कम नींद आपके दिमाग पर बुरा असर डालती है, जिसके चलते व्यक्ति में सोचने-समझने जैसी संज्ञानात्मक क्षमता के साथ चीजों को याद रखने की क्षमता भी कम होने लगती है।

एक अध्ययन में यह भी सामने आया कि कम नींद की वजह से कैंसर होने की आशंका भी बढ़ जाती है।

इन बीमारियों से बचने

सोने का एक समय बनाएं

हर दिन एक ही समय पर सोएं और उसी समय के अनुसार उठें। इस तरह से अपका दिमाग एक समय पर सोने और उठने का आदि हो जाएगा और आपकी नींद अच्छी होने लगेगी।

देर रात खाने से बचें

रात में सोने से लगभग 3 घंटे पहले तक कुछ ना खाएं क्योंकि देर रात खाते ही लेट जाने से खाना डाइजेस्ट नहीं हो पाता, जिस कारण सोने के बाद बार-बार आपकी आंख खुलती रहती है और आप सुकुन की नींद नहीं ले पाते।

सोते समय लाइट्स बंद रखें

रोशनी का हमारे नींद पर बहुत असर पड़ता है। इसलिए सोने से पहले सभी लाइट्स को जरुर बंद करें. क्योंकि अंधेरे में नींद अच्छी आती है।

दोपहर में ना सोएं।

जिन लोगों को रात के समय ठीक से नींद नही आती वो लोग दोपहर में कभी ना सोएं।

कुंभकर्ण की भूमिका में नजर आएंगे फैसल मलिक

फिल्म 'रामायण' सबसे ज्यादा इंतजार किए जाने वाले प्रोजेक्ट्स में से एक है। इस फिल्म में रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश जैसे कई बेहतरीन कलाकार शामिल हैं। फिल्म को लेकर फैंस उत्साहित हैं। खबर है कि इस फिल्म से 'पंचायत' फेम फैसल मलिक भी जुड़ रहे हैं। वह इसमें अहम किरदार निभाएंगे।

'रामायण' में कुंभकर्ण की भूमिका के लिए फैसल मलिक को चुना गया है। इससे पहले, इस भूमिका के लिए बॉबी देओल का नाम सामने आया था। फैसल मलिक को सीरीज 'पंचायत' में प्रह्लादचा का किरदार निभाने के लिए जाना जाता है। हाल ही में उन्हें अनिल कपूर की फिल्म 'सूबेदार' में भी देखा गया था।

पहला शेड्यूल पूरा किया

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल पूरा कर लिया है। बताया जाता है कि वह मुंबई के प्राइम फोकस स्टूडियो में कुंभकर्ण के शुरुआती सीन के लिए यश के साथ शामिल हुए। सूत्र ने पोर्टल को बताया कि फैसल मलिक की लंबाई और उनकी अच्छी-खासी कद-काठी उन्हें इस रोल के लिए एकदम सही बनाती है। अब तक, फैसल मलिक को कास्ट किए जाने की कोई भी आधिकारिक पुष्टि न तो फिल्म बनाने वालों की तरफ से हुई है और न ही एक्टर की तरफ से।

रामायण की कास्ट

वैरायटी इंडिया ने हाल ही में जानकारी दी थी कि राघव जुयाल को रामायण में मेघनाद (जिसे इंद्रजीत भी कहा जाता है) का रोल निभाने के लिए चुना गया है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम का रोल निभा रहे हैं, वहीं साई पल्लवी देवी सीता के रूप में नजर आएंगी। यश इस फिल्म में रावण के रूप में दिखाई देंगे। सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण का रोल निभाएंगे। काजल अग्रवाल और रकुल प्रीत सिंह मंदोदरी और शूर्पणखा के रूप में नजर आएंगी।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं। रामायण पार्ट वन इस दिवाली पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाला है, जबकि इसका दूसरा भाग 2027 की दिवाली पर रिलीज होगा।

सपनों को उड़ान देने के लिए पंख जरूरी और ये पंख हमारे अपने होते हैं

सपनों को पूरा करने की दौड़ में कड़ा संघर्ष करना पड़ता है। ऐसे में अगर किसी का सहारा मिले तो संघर्ष कुछ हद तक आसान लगने लगता है। यही बात बॉलीवुड अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने इंटरव्यू में कही। उन्होंने कहा कि टैलेंट के साथ-साथ अगर किसी का साथ मिल जाए तो इंसान कामयाबी हासिल कर सकता है। दिव्या दत्ता ने कहा, ''हर इंसान के अंदर टैलेंट जरूर होता है, लेकिन उसे पहचानने के लिए किसी अपने का साथ जरूरी होता है। जब किसी व्यक्ति को परिवार का साथ मिलता है तो उसका आत्मविश्वास और हौसला दोगुना हो जाता है। सपनों को उड़ान देने के लिए पंख चाहिए होते हैं, और ये पंख हमारा अपना परिवार और अपने ही लोग ही होते हैं।'' दिव्या दत्ता ने अपना अनुभव भी साझा किया। उन्होंने कहा, ''मैंने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए लोगों को देखा है कि वे किस तरह अपनी पहचान बना रहे हैं। कोई गृहिणी अपने कुकिंग टैलेंट को दुनिया के सामने ला रही है, तो कोई ट्रैवल ब्लॉग के जरिए लोगों के बीच अपनी पहचान बना रहा है। इन सभी कहानियों में एक चीज समान है, और वो है अपने परिवार और करीबियों का साथ... इस साथ के जरिए उन्हें आगे बढ़ने की हिम्मत मिलती है।''

उन्होंने कहा, ''मैंने अक्सर देखा है कि लोग अपनी ही दुनिया में सिमटे रहते हैं और ये मानकर बैठे रहते हैं कि उनकी परेशानियां और संघर्ष सबसे बड़े हैं, लेकिन जब हम दूसरों की कहानियों को देखते हैं, तब पता चलता है कि हर किसी की अपनी-अपनी लड़ाई है, जिसे लड़कर वह आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में अगर किसी को थोड़ा सा भी सहारा मिल जाए तो वह बड़ी से बड़ी मुश्किल को पार कर सकता है।'' इस बातचीत में फिल्ममेकर सशांत शाह ने भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''आज के समय में सोशल मीडिया एक बड़ा प्लेटफॉर्म बन चुका है। यहां हर किसी के टैलेंट को मौका मिलता है, लेकिन साथ ही यह भी जरूरी है कि टैलेंट को सही समर्थन भी मिले। अगर किसी के अंदर काबिलियत है तो उसे आगे लाने के लिए किसी का साथ मिलना बहुत जरूरी है।''

रोमांटिक अंदाज में वापसी करेंगे शाहरुख

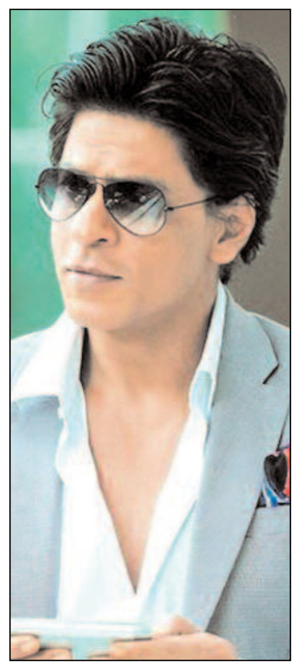

शाहरुख खान एक बार फिर बड़े पर्दे पर रोमांस का जादू बिखेरने की तैयारी में हैं। हाल ही में आई रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म 'किंग' के बाद किंग खान एक बिग बजट रोमांटिक फिल्म में नजर आ सकते हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म में उनका लुक काफी अलग और विंटेज स्टाइल का होगा, जो दर्शकों के लिए नया अनुभव लेकर आएगा। रिपोर्ट के मुताबिक यह फिल्म क्लासिक लव स्टोरी पर आधारित होगी, जिसमें इमोशंस और पुराने दौर की फीलिंग्स को मॉडर्न टच के साथ पेश किया जाएगा। मेकर्स इस प्रोजेक्ट को बड़े स्तर पर बनाने की तैयारी कर रहे हैं, ताकि दर्शकों को एक भव्य सिनेमैटिक अनुभव मिल सके। रिपोर्ट के मुताबिक शाहरुख इस फिल्म में एक परिपक्व और गहराई वाले किरदार में दिखाई देंगे। उनका यह अवतार उनके पुराने रोमांटिक इमेज की याद दिलाएगा, जिसे दर्शकों ने 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है' और 'वीर-जारा' जैसी फिल्मों में खूब पसंद किया था।

श्रीलीला ने बताया क्यों छोड़ना चाहती थीं इंडस्ट्री

तेलुगु अभिनेत्री श्रीलीला इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में वो पवन कल्याण के साथ नजर आई हैं। इस बीच श्रीलीला ने ट्रोलिंग को लेकर बात की और बताया कि ट्रोलिंग से उन पर क्या प्रभाव पड़ता है। उन्होंने ये भी बताया कि आखिर क्यों उन्होंने फिल्में छोड़ने तक का प्लान भी बना लिया था?

पहले ट्रोलिंग करती थी परेशान

श्रीलीला ने ट्रोलिंग को लेकर बात की। उनसे पूछा गया कि क्या ट्रोलिंग उन्हें परेशान करती है? इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि जब मैंने इस इंडस्ट्री में शुरुआत की थी, तब तो करती थी। मुझे बहुत बुरा लगता था, मैं रोती थी। मैंने अपनी मां से भी कहा था, मुझे नहीं लगता कि मैं यह कर पाऊंगी। क्या मुझे वापस स्कूल या कॉलेज जाना चाहिए? मैं बहुत संवेदनशील थी, लेकिन अब मुझे इसकी परवाह नहीं है। श्रीलीला ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि आजकल लोगों में अपनी बुद्धि होती है। इसलिए, निगेटिविटी देखने पर भी वे थोड़ा सोचते हैं। आजकल के लोगों में पहले से ज्यादा बुद्धि होती है। इसलिए वो ज्यादा ही सोचते हैं।

कार्तिक आर्यन के साथ नजर आएंगी श्रीलीला

वर्कफ्रंट की बात करें 'उस्ताद भगत सिंह' के बाद श्रीलीला अब अनुराग बसु द्वारा निर्देशित अनाम फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म में वो कार्तिक आर्यन के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। यह एक म्यूजिकल लव स्टोरी है। पहले इसे 'आशिकी 3' बताया जा रहा था, हालांकि, बाद में मेकर्स ने साफ किया कि ये 'आशिकी 3' नहीं है। अब फिल्म का नाम 'तू मेरी जिंदगी है' बताया जा रहा है। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

'द इंडिया हाउस' से मेरा हिस्टोरिकल ड्रामा में काम करने का उनका सपना रहा है

अभिनेत्री सई मांजरेकर अपनी पैन इंडिया फिल्म 'द इंडिया हाउस' को लेकर काफी काफी उत्साहित हैं। 1905 में प्रेम और क्रांति की पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म में सई सती की भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म को लेकर सई का कहना है कि एक हिस्टोरिकल ड्रामा में काम करने का उनका सपना रहा है, जो इस फिल्म के साथ पूरा हो रहा है।

बातचीत में एक्ट्रेस ने फिल्म को लेकर कहा कि किसी ऐतिहासिक फिल्म में अभिनय करना हमेशा से मेरा सपना रहा है। जब मुझे पता चला कि मैं अभिनेत्री बनना चाहती हूं, तभी से मैं एक ऐतिहासिक फिल्म में काम करना चाहती थी। इसलिए यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। 'द इंडिया हाउस' का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास और अद्भुत अनुभव है। जब मैंने पहली बार इसकी कहानी सुनी, तो मुझे पता चल गया कि यह सिर्फ एक और फिल्म नहीं है, बल्कि एक ऐसी कहानी है जिसमें भावनाएं, इतिहास और उद्देश्य समाहित हैं।

अपने किरदार को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि मेरा किरदार सती का है, और यह एक खूबसूरत भूमिका है। वह दृढ़ इच्छाशक्ति वाली होने के साथ-साथ कोमल और दयालु भी हैं। अपने भीतर इस संतुलन को खोजना एक बेहद यादगार अनुभव रहा। मुझे याद है कि एक सीन के बीच में मैं अक्सर 'प्लीज' या 'धन्यवाद' जैसे शब्द बोल देती थी, जो हम अन्य जॉनर में आसानी से इस्तेमाल करते हैं। फिर मैं माफी मांगती और सीन दोबारा करती। उस दौर के बारे में जानना और लोगों के रहन-सहन, पहनावे और बोलने के तरीके को समझना एक दिलचस्प अनुभव रहा है। इतने समृद्ध इतिहास से घिरे हम्पी में शूटिंग करने से मुझे काफी कुछ सीखने को मिला।

भाग्यशाली हूं राम चरण के साथ काम करने का मौका मिला

फिल्म की टीम के साथ काम करने के अनुभव को लेकर सई ने कहा कि राम चरण के पहले प्रोडक्शन में काम करना मेरे लिए सचमुच अनमोल है। वो साउथ इंडस्ट्री के सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं। सिनेमा और इसमें शामिल हर व्यक्ति के प्रति उनका सम्मान इस फिल्म के हर पहलू में झलकता है। खिल सिद्धार्थ और अनुपम खेर के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए एक बड़ा सीखने का अनुभव रहा है।

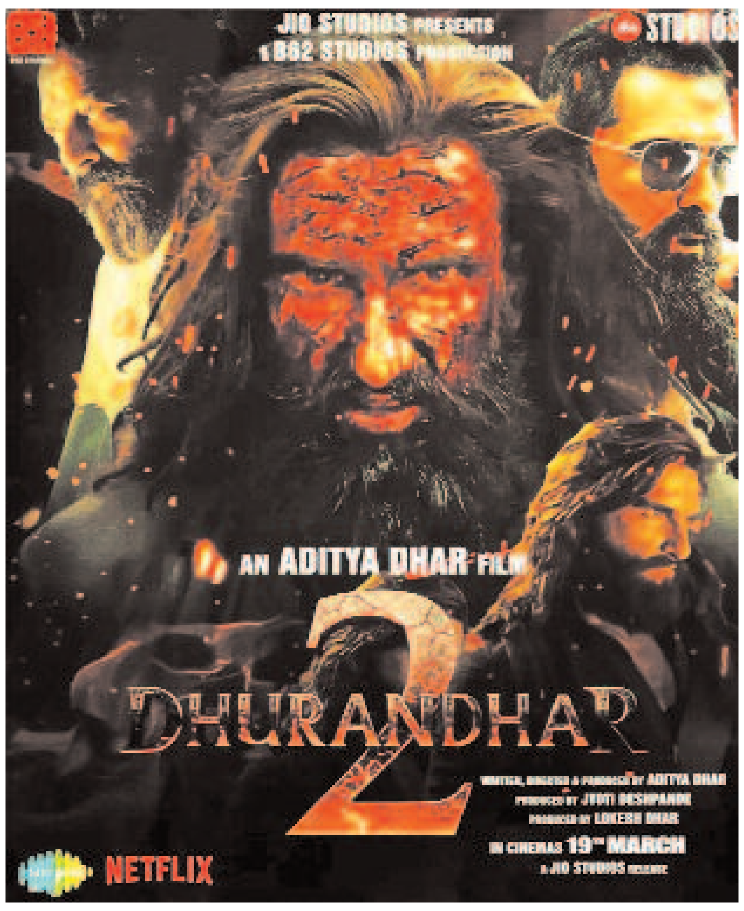

धुरंधर 2 के नए कलाकारों अपनी एक्टिंग से किया हैरान

'धुरंधर' की सफलता के बाद अब 'धुरंधर 2' सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। इस बार फिल्म को लेकर लोगों का उत्साह पहले पार्ट से भी ज्यादा देखने को मिल रहा है। दूसरे पार्ट में कहानी आगे बढ़ती है। यही कारण है कि इस बार फिल्म की कास्ट में कई नए कलाकार भी शामिल हुए हैं। जानते हैं 'धुरंधर 2' में शामिल हुए नए कलाकारों के बारे में।

दानिश इकबाल

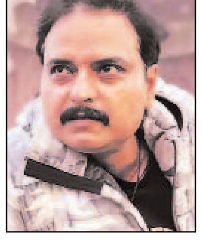

'धुरंधर' के बाद हर किसी को इंतजार था कि 'धुरंधर 2' में बड़े साहब कौन है? अब फिल्म की रिलीज के बाद इस बात से पर्दा हट चुका है। क्योंकि बड़े साहब के किरदार में दानिश इकबाल नजर आए हैं। फिल्म में उन्होंने जबरदस्त काम किया है और अपने किरदार से इंसाफ किया है।

यामी गौतम

ऐसे कयास लगाए जा रहे थे कि 'धुरंधर 2' में यामी गौतम भी नजर आ सकती हैं। अब 'धुरंधर 2' के रिलीज होने के बाद यामी गौतम का फिल्म कैमियो नजर आया है। 'धुरंधर : द रिवेंज' में यामी शाजिया बानो की भूमिका निभा रही हैं, जो एक नर्स है। हालांकि, इसके आगे बताना स्पॉइलर हो जाएगा। लेकिन इस स्पाई-थ्रिलर में यामी का कैमियो है।

उदयबीर संधू

यामी गौतम के अलावा 'धुरंधर 2' में अभिनेता उदयबीर संधू ने भी अहम भूमिका निभाई है। उदयबीर फिल्म में जसकीरत सिंह रांगी (रणवीर सिंह) के करीबी दोस्त गुरबाज सिंह का किरदार निभा रहे हैं। उन्हें प्यार से पिंडा कहा जाता है।

भाषा सुंबली

'द कश्मीर फाइल्स' से चर्चा में आई अभिनेत्री भाषा सुंबली भी इस स्पाई-थ्रिलर में नजर आई हैं। उन्होंने 'धुरंधर 2' में एक वकील की भूमिका निभाई है। उनका किरदार बहुत लंबा तो नहीं, लेकिन महत्वपूर्ण जरूर है।

मधुरजीत सरघी

मधुरजीत सरघी जसकिरत सिंह रांगी यानी रणवीर सिंह की मां प्रभनीत कौर रांगी के किरदार में नजर आती हैं। वो इससे पहले टेलीविजन शो और कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

सुविंदर पाल

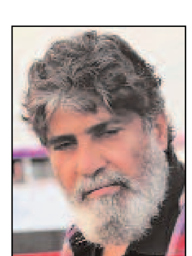

सुविंदर पाल ने ब्रिगेडियर जहांगीर का किरदार निभाया है। कोहरा फिल्म के लिए मशहूर इस अभिनेता को 'धुरंधर द रिवेंज' में अर्जुन रामपाल उर्फ मेजर इकबाल के पिता के रूप में देखा जा सकता है।

परवीर कौर

जसकीरत सिंह रांगी की बहन के किरदार में परवीर कौर नजर आई हैं। उन्होंने फिल्म में जसलीन कौर रांगी की भूमिका निभाई है। फिल्म में उनकी भूमिका अहम है।

हितिका बाली

अभिनेत्री हितिका बाली ने 'धुरंधर 2' में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वो फिल्म में जसकीरत सिंह रांगी की दूसरी बहन हरलीन कौर रांगी के रोल में नजर आई हैं।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण प्रशांत महासागर में 7.6 मैग्नीट्यूड का भूकंप

टोंगा , एजेंसी। दक्षिणी प्रशांत महासागर में टोंगा के नजदीक 7.6 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, भूकंप का केंद्र समुद्र में 237 किलोमीटर की गहराई में था और जमीन पर भी तगड़े झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र टोंगा के दूसरे सबसे बड़े शहर नीएफू से 153 किलोमीटर दूर पश्चिम में था। भूकंप में अभी तक किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।

रूस ने यूक्रेन पर करीब 400 ड्रोन दागे, छह लोगों की मौत

कीव, एजेंसी। रूस के ड्रोन और मिसाइल हमले में यूक्रेन के छह लोगों की मौत हो गई और 46 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि रूस की सेना ने यूक्रेन की अग्रिम रक्षा पंक्ति को तोड़ने के प्रयास तेज कर दिए हैं, जिसे वसंत में संभावित जमीनी हमले की शुरुआत माना जा रहा है। यूक्रेन की वायु सेना ने बताया कि रूस ने रातभर में लगभग 400 लंबी दूरी के ड्रोन दागे, जो हाल के हफ्तों का सबसे बड़ा हमला है। यह हमला मंगलवार तक जारी रहा और दिन में भी राजधानी कीव को कई ड्रोन से निशाना बनाया गया। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने बताया कि रूस ने ईरान में डिजाइन किए गए शाहेद ड्रोन का इस्तेमाल करते हुए सात शहरों पर हमला किया। वायु सेना के अनुसार, रूस ने रात में देशभर में 10 स्थानों पर 23 क्रूज मिसाइल और सात बैलिस्टिक मिसाइल भी दागीं। दोपहर में हुए हमलों में मध्य यूक्रेन के शहर निप्रो में 13 लोग घायल हुए, जिनमें तीन बच्चे शामिल हैं। पश्चिमी शहर लविव में एक अपार्टमेंट पर हमले में भी 13 लोग घायल हुए।

डेनमार्क चुनाव में प्रधानमंत्री फ्रेडरिकसेन को बहुमत के आसार नहीं

कोपेनहेगन, एजेंसी। डेनमार्क के आम चुनाव में निर्णायक नतीजे आने का अनुमान नहीं है। प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन के भविष्य पर संशय बरकरार है। इस राजनीतिक अभियान के दौरान ग्रीनलैंड संकट के बजाय रोजी-रोटी के मुद्दों पर ध्यान दिया गया। मंगलवार को जारी नतीजों में महिला प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन की सेंटर-लेफ्ट सोशल डेमोक्रेट्स पार्टी ने 2022 के चुनाव की तुलना में कम सीटें जीतीं। उनकी निवर्तमान सरकार के दोनों सहयोगी दलों को भी नुकसान हुआ। इस चुनाव में संसद में न तो वामपंथी और न ही दक्षिणपंथी गुट को बहुमत मिला। अनुभवी विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन किंगमेकर बन गए, जो पूर्व प्रधानमंत्री हैं। उनकी सेंट्रिस्ट मॉडरेट पार्टी अब तय करेगी कि फ्रेडरिकसेन तीसरा कार्यकाल संभालेंगी या नहीं। बता दें कि यूरोपीय संघ और नाटो का सदस्य देश डेनमार्क की आबादी करीब 60 लाख है।

ताइवान के करीब फिर दिखे चीनी विमान और नौसैनिक जहाज

ताइपे, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ताइवान के आसपास एकबार फिर चीनी गतिविधि देखी गई है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक बुधवार सुबह करीब 6 बजे क्षेत्रीय जल के पास चीन के 16 विमान, 10 नौसैनिक जहाज और दो आधिकारिक जहाज देखे गए। इनमें से 13 विमानों ने मध्य रेखा पार कर ताइवान के हवाई रक्षा पहचान क्षेत्र में प्रवेश किया। इससे पहले मंगलवार को भी तीन चीनी सैन्य विमान और नौ जहाज देखे गए थे। गौरतलब है कि ताइवान को ऐतिहासिक और राजनीतिक तर्कों के आधार पर चीन अपना अविभाज्य हिस्सा मानता है। दूसरी तरफ ताइवान स्वतंत्र प्रशासन, सेना और अर्थव्यवस्था के आधार पर अपनी अलग पहचान का दावा करता है। ऐसे में ताइवान की स्थिति अंतरराष्ट्रीय बहस का महत्वपूर्ण बिंदु है। चीन का दावा सैकड़ों साल पहले 1683 में किंग राजवंश के द्वीप पर कब्जे से शुरू हुआ। 1949 में चीन में गृहयुद्ध होने के बाद हालात बदल गए। फिलहाल, ताइवान स्वतंत्र है, लेकिन सैन्य संघर्ष से बचने के लिए यहां के प्रशासन ने औपचारिक स्वतंत्रता घोषित नहीं की है।

ट्रंप की लोकप्रियता घटी : ईरान जंग और महंगाई के बीच गिरकर 36 प्रतिशत पहुंची ; 61% अमेरिकियों ने हमले को नकारा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लोकप्रियता घटकर 36 प्रतिशत रह गई है। यह उनके दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद का सबसे कम स्तर है। यह जानकारी रॉयटर्स/इप्सोस के एक सर्वे में सामने आई है। चार दिन तक चले इस सर्वे में पाया गया कि ट्रंप के कामकाज से संतुष्ट लोगों की संख्या 40 प्रतिशत से घटकर 36 प्रतिशत रह गई है। सर्वे के अनुसार, ईंधन की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी और ईरान के साथ युद्ध को लेकर लोगों की नाराजगी का असर ट्रंप की लोकप्रियता पर पड़ा है। अमेरिका और इस्राइल के 28 फरवरी को ईरान पर हमले के बाद पेट्रोल की कीमतें बढ़ी हैं, जिससे लोगों का खर्च बढ़ा है।

कुवैत के एयरपोर्ट पर ईरान का ड्रोन अटैकः फ्यूल टैंक में आग लगी

इराकी लड़ाकों का अमेरिका के 23 ठिकानों पर हमला

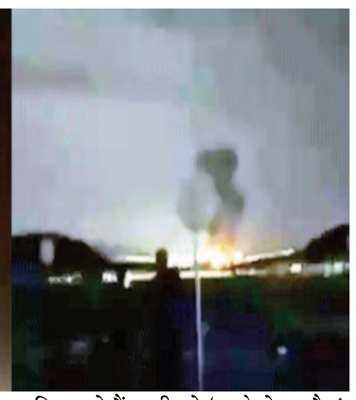

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 26वां दिन है। ईरान ने मंगलवार रात कुवैत के इंटरनेशनल एयरपोर्ट ड्रोन अटैक किया, जिससे वहां मौजूद फ्यूल टैंक में आग लग गई। कुवैत की सेना ने जवाबी कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि अगर कहीं धमाके की आवाज सुनाई दे रही है, तो वह दुश्मन के ड्रोन और मिसाइलों को हवा में ही मार गिराने की वजह से है। सेना ने लोगों से अपील की है कि वे सरकार के सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। इससे पहले कुवैत के नेशनल गार्ड ने बताया कि उसने अपने इलाके में 5 ड्रोन मार गिराए हैं। वहीं, इराक के एक उग्रवादी समूह इस्लामिक रेजिस्टेंस इन इराक ने कहा है कि उसने पिछले 24 घंटे में अमेरिका से जुड़े 23 ठिकानों पर हमले किए हैं। ग्रुप के मुताबिक, इन हमलों में ड्रोन और मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। हालांकि, इन हमलों से कितना नुकसान हुआ, इसकी पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

हिजबुल्लाह ने इजराइल पर 30 रॉकेट दागे : लेबनान के उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह ने आज इजराइल पर करीब 30 रॉकेट दागे गए। हमलों के बाद उत्तरी इजराइल के कई इलाकों में सायरन बजने लगे। फिलहाल यह साफ नहीं है कि इन हमलों से कितना नुकसान हुआ। गाजा में इजराइल की एयरस्ट्राइक, 4 लोगों की मौत सेंट्रल गाजा में इजराइल के हवाई हमले में 4 लोगों की मौत हो गई है। न्यूज एजेंसी वफा के मुताबिक, यह हमला अज-जवायदा इलाके में हुआ, जहां अचानक एयर स्ट्राइक की गई। एक्सपर्ट बोले- ट्रम्प के चारों ओर जाल कसता जा रहा अमेरिका के डिफेंस एक्सपर्ट और व्हाइट हाउस के पूर्व सलाहकार रॉबर्ट पेप ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प के चारों ओर जाल कसता जा रहा है। ट्रम्प ईरान के साथ बढ़ते तनाव में ऐसे हालात में फंस सकते हैं, जहां युद्ध धीरे-धीरे और बड़ा होता चला जाता है। रॉबर्ट पेप ने भारतीय मीडिया से बात करते हुए कहा कि शुरुआत में छोटे-छोटे हमले किए जाते हैं, लेकिन जब उनसे बड़ा टागरेट हासिल नहीं होता, तो हमले और बढ़ा दिए जाते हैं। इसी को 'एस्केलेशन ट्रैप' कहा जाता है, यानी ऐसा जाल जिसमें फंसकर युद्ध लगातार बढ़ता जाता है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर युद्ध बढ़ा, होर्मुज स्ट्रेट पर असर पड़ सकता है, जहां से दुनिया का बड़ा हिस्सा तेल गुजरता है। इससे तेल महंगा हो सकता है और दुनिया की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ सकता है। पेप के मुताबिक, इस स्थिति में ईरान मजबूत हो सकता है और तेल पर ज्यादा कंट्रोल हासिल कर सकता है। हालात संभालने के लिए इजराइल की सैन्य कार्रवाई को कंट्रोल करना जरूरी है और यह फैसला ट्रम्प ही ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका के मरीन सैनिक ईरान पहुंच जाते हैं, तो हालात और ज्यादा खराब हो सकते हैं। अभी ट्रम्प ने हमले कुछ दिनों के लिए कम किए हैं, लेकिन यह सिर्फ समय लेने का तरीका हो सकता है। पेप ने यह भी कहा कि जब तक अमेरिका अपने सैनिकों को वापस नहीं बुलाता, तब तक यह नहीं कहा जा सकता कि तनाव कम हो रहा है।

अमेरिकी संसद में ईरान जंग रोकने का प्रस्ताव गिरा अमेरिकी संसद के ऊपरी सदन सीनेट में ईरान जंग रोकने के लिए लाया गया प्रस्ताव गिर गया। विपक्षी डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से लाए गए इस प्रस्ताव के पक्ष में 47 जबकि विपक्ष में 53 वोट पड़े। यह तीसरी बार था जब डेमोक्रेट्स ने ऐसा प्रस्ताव रखा था। उनका कहना है कि अमेरिका में युद्ध शुरू करने का अधिकार कांग्रेस के पास होता है, इसलिए ट्रम्प बिना पूरी मंजूरी के यह कदम नहीं उठा सकते। इसी वजह से वे लगातार ऐसे प्रस्ताव ला रहे हैं, ताकि सरकार पर दबाव बनाया जा सके। डेमोक्रेट्स ने यह भी आरोप लगाया है कि ट्रम्प सरकार इस युद्ध को ठीक से समझा नहीं पा रही है। सांसद क्रिस मर्फी ने कहा कि सरकार अब तक यह नहीं बता पाई है कि युद्ध क्यों जरूरी है। डेमोक्रेट्स ने साफ कर दिया है कि वे इस मुद्दे को यहीं नहीं छोड़ेंगे और हर हफ्ते इस पर वोटिंग कराते रहेंगे, जब तक सरकार आकर अपनी बात साफ नहीं करती।

टोक्यो में चीनी दूतावास में घुसने के आरोप में जापानी सैनिक गिरफ्तार, चीन ने जताया विरोध; मांगा जवाब

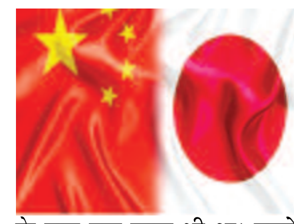

टोक्यो , एजेंसी। जापान के अधिकारियों ने बुधवार को एक जापानी सैनिक को गिरफ्तार करने की पुष्टि की है। इस सैनिक पर कथित रूप से टोक्यो में चीनी दूतावास में बिना इजाजत (अवैध रूप) से घुसने का आरोप है। चीन ने इस घटना पर विरोध जताया था, जिसके एक दिन बाद यह गिरफ्तारी हुई है। अब यह मामला जापान और चीन के बीच बढ़ते तनाव का नया केंद्र बन गया है।

चीनी विदेश मंत्रालय ने क्या कहा : चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बीजिंग में एक मीडिया वार्ता के दौरान बताया कि मंगलवार सुबह एक व्यक्ति दीवार फांदकर दूतावास परिसर में जबरन घुस आया। उस व्यक्ति ने खुद को जापानी आत्म-रक्षा बल का अधिकारी बताया था। टोक्यो पुलिस ने बुधवार को जानकारी दी कि गिरफ्तार व्यक्ति की उम्र 23 साल है और वह जापान की थल सेना (जीएसडीएफ) का सदस्य है। जापानी सेना ने पुष्टि की है कि संदिग्ध सैनिक मियाजाकी प्रांत के कैंप एबिनो में तैनात है। सेना के अधिकारी इस मामले में पुलिस का पूरा सहयोग कर रहे हैं। जापानी मीडिया ने पुलिस के हवाले से बताया कि यह सैनिक चीनी राजदूत को यह कहने के लिए दूतावास में घुसा था कि चीन जापान के प्रति अपना कड़ा रुख बंद करे। सैनिक के पास एक चाकू भी था। उसने धमकी दी थी कि अगर उसकी मांग नहीं मानी गई, तो वह खुद को मार लेगा। जापान के सरकारी चैनल एनएचके के अनुसार, उस व्यक्ति को मौके पर ही पकड़ लिया गया और आगे की जांच के लिए टोक्यो पुलिस को सौंप दिया गया। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, उस व्यक्ति ने कथित तौर पर दूतावास की दीवार फांदी थी और वहां एक चाकू भी मिला है। चीन ने इस घटना पर गहरा दुख और गुस्सा जताया है। प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि जापान अपने सैनिकों को ठीक से नियंत्रित और अनुशासित करने में नाकाम रहा है। उन्होंने कहा कि जापान ने चीनी दूतावास और उसके कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपनी जिम्मेदारी पूरी नहीं की। चीन ने मांग की है कि जापान इस मामले की पूरी जांच करे, दोषी को सजा दे और चीन को इस पर स्पष्टीकरण दे। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ा हुआ है।

बांग्लादेश नरसंहार दिवसः 1971 हत्याकांड था सुनियोजित कत्लेआमः पीएम तारिक रहमान

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में 25 मार्च को मनाए जाने वाले नरसंहार दिवस पर प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने 1971 के हत्याकांड को सुनियोजित नरसंहार बताते हुए शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि 25 मार्च 1971 का दिन बांग्लादेश के इतिहास में सबसे काले और क्रूर दिनों में से एक है, जब पाकिस्तानी सेना ने 'ऑपरेशन सर्चलाइट' के नाम पर निहत्थे नागरिकों पर हमला किया।

शिक्षकों और नागरिकों को बनाया निशाना : प्रधानमंत्री ने बताया कि उस रात ढाका विश्वविद्यालय, पिलखाना और राजारबाग पुलिस लाइंस समेत कई जगहों पर शिक्षकों, बुद्धिजीवियों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर अंधाधुंध गोलियां चलाई गईं। इस हमले में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई।उन्होंने इसे पूरी तरह से पूर्व नियोजित कत्लेआम बताते हुए कहा कि उस समय की राजनीतिक परिस्थितियों और नेतृत्व की भूमिका पर आज भी शोध की जरूरत है।

यहीं से शुरू हुआ मुक्ति संग्राम : रहमान ने कहा कि 25 मार्च की रात चट्टोग्राम में 8वीं ईस्ट बंगाल रेजिमेंट ने 'वी रिवोल्ट' का नारा देकर प्रतिरोध शुरू किया। इसी के साथ नौ महीने लंबे बांग्लादेश मुक्ति संग्राम की शुरुआत हुई, जिसने अंततः देश को आजादी दिलाई।

नई पीढ़ी को इतिहास जानना जरूरी : प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को स्वतंत्रता के मूल्य समझाने के लिए 25 मार्च के नरसंहार के बारे में जानना जरूरी है। उन्होंने शहीदों के बलिदान को याद करते हुए समानता, मानव गरिमा और सामाजिक न्याय पर आधारित समाज बनाने की अपील की। इस बीच बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद ने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में पेश उस प्रस्ताव का स्वागत किया है, जिसमें 1971 के नरसंहार को औपचारिक मान्यता देने की मांग की गई है। यह प्रस्ताव ग्रेग लैंड्समैन द्वारा पेश किया गया है। प्रधानमंत्री ने नागरिकों से एक न्यायपूर्ण, विकसित, आत्मनिर्भर और लोकतांत्रिक बांग्लादेश के निर्माण के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया।

कभी मेल बैलेट के विरोधी रहे ट्रंप ने खुद इसी से किया मतदान

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर फ्लोरिडा में मेल बैलेट के जरिए अपना वोट डाला है। जबकि वे सार्वजनिक रूप से इस मतदान तरीके को धोखाधड़ी का जरिया बताते हैं और कांग्रेस से इसे सीमित करने की मांग कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ उन्होंने खुद इसी तरीके का इस्तेमाल किया। पाम बीच काउंटी के रिकॉर्ड से पता चला है कि राष्ट्रपति ने मंगलवार को राज्य विधानसभा सीटों के लिए हुए विशेष चुनाव में मेल से वोट दिया और उनके वोट की गिनती भी हो गई है। ट्रंप के समर्थन के बावजूद उनके रिपब्लिकन उम्मीदवार यहां से चुनाव हार गए है। यहां डेमोक्रेट की एमिली ग्रेगरी ने जीत हासिल की है।

व्हाइट हाउस की प्रवक्ता ओलिविया वेल्स ने इस पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि ट्रंप 'यूनिवर्सल मेल-इन वोटिंग' के खिलाफ हैं, न कि उन व्यक्तिगत मामलों के जहां मतदाता को इसकी जरूरत होती है। वेल्स के अनुसार, ट्रंप जिस 'सेव अमेरिका एक्ट' का समर्थन करते हैं, उसमें बीमारी, विकलांगता, सेना या यात्रा जैसी स्थितियों में मेल से वोट देने की छूट दी गई है। उन्होंने कहा यूनिवर्सल मेल-इन वोटिंग की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, क्योंकि इसमें धोखाधड़ी की बहुत ज्यादा गुंजाइश होती है। उन्होंने कहा कि ट्रंप फ्लोरिडा के निवासी हैं लेकिन वे वाशिंगटन में रहते हैं, इसलिए उनका मेल से वोट देना कोई बड़ी बात नहीं है।

इसके बावजूद, ट्रंप ने पिछले हफ्त मेल-इन वोटिंग को धोखाधड़ी और बेहद भ्रष्ट बताया था। वे कांग्रेस से 'सेव एक्ट' पास करने का आग्रह कर रहे हैं ताकि मेल मतदान के विकल्पों को बहुत सीमित किया जा सके। हालांकि, ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूशन की 2025 की एक रिपोर्ट के अनुसार, मेल मतदान में धोखाधड़ी के मामले न के बराबर हैं। रिपोर्ट बताती है कि हर एक करोड़ वोटों में से सिर्फ चार मामलों में ही गड़बड़ी पाई गई है। सीनेट में डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर ने ट्रंप के इस कदम की आलोचना की है। शूमर ने कहा कि ट्रंप के अनुसार जब दूसरे लोग मेल से वोट दें तो वह 'धोखाधड़ी' है, लेकिन जब वे खुद ऐसा करें तो वह सही है। ट्रंप 2020 के चुनाव में अपनी हार के बाद से ही मेल मतपत्रों पर निशाना साध रहे हैं। हालांकि, अमेरिकी अदालतों और उनके खुद के अटॉर्नी जनरल को चुनाव नतीजों को प्रभावित करने वाली किसी धोखाधड़ी का कोई सबूत नहीं मिला।

फ्लोरिडा के इस चुनाव में ट्रंप ने रिपब्लिकन उम्मीदवार जॉन मेपल्स का समर्थन किया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर लोगों से मेपल्स को वोट देने की अपील की थी, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्होंने खुद मेल से वोट दिया है। ट्रंप के समर्थन के बावजूद जॉन मेपल्स चुनाव हार गए और डेमोक्रेट एमिली ग्रेगरी ने जीत हासिल की।

ब्रिटेन सरकार का फैसला- नए घरों में सोलर पैनल और हीट पंप अनिवार्य, ऊर्जा सुरक्षा के लिए अहम कदम

लंदन, एजेंसी। ईरान युद्ध से पैदा हुए वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच ब्रिटेन ने ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने इंग्लैंड में बनने वाले सभी नए घरों में सोलर पैनल और हीट पंप अनिवार्य करने का एलान किया है, ताकि जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता घटाई जा सके। ब्रिटेन सरकार ने मंगलवार को नए नियम पेश करते हुए स्पष्ट किया कि यह कदम नीति-निर्माताओं की ओर से ईरान युद्ध के आर्थिक और ऊर्जा प्रभावों के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। सरकार के अनुसार, यह पहल फ्यूचर होम्स स्टैंडर्ड का हिस्सा है, जो 2028 से लागू होगा। इस मानक के तहत सभी नए घरों में ऑन-साइट रिन्यूएबल बिजली उत्पादन सुनिश्चित किया जाएगा, जिसमें प्रमुख भूमिका सौर ऊर्जा की होगी। साथ ही, घरों में लो-कार्बन हीटिंग सिस्टम जैसे हीट पंप और हीट नेटवर्क को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाएगा। ब्रिटेन के ऊर्जा मंत्री एड मिलिबैंड ने कहा, ईरान युद्ध ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि ऊर्जा सुरक्षा के लिए स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ना जरूरी है। उन्होंने कहा सरकार का लक्ष्य जीवाश्म ईंधन बाजारों की पकड़ से बाहर निकलना है, जिन पर देश का नियंत्रण नहीं है। मिलिबैंड ने यह भी बताया कि सरकार न केवल नए घरों में सोलर पैनल को मानक बना रही है, बल्कि आने वाले महीनों में दुकानों पर प्लग-इन सोलर पैनल भी उपलब्ध कराए जाएंगे, जिन्हें लोग अपने घरों की बालकनी में आसानी से स्थापित कर सकेंगे।

ऊर्जा सुरक्षा बनाम घरेलू उत्पादन : इस फैसले को लेकर ब्रिटेन की घरेलू राजनीति में भी बहस तेज हो गई है। विपक्षी कंजरवेटिव पार्टी की शैडो एनर्जी सेक्रेटरी क्लेयर कुटिन्हो ने सरकार से नॉर्थ सी में नए तेल और गैस क्षेत्रों के लाइसेंस जारी करने की मांग की है, ताकि घरेलू ऊर्जा आपूर्ति बढ़ाकर उपभोक्ताओं के बिल कम किए जा सकें। यह बहस इस बात को रेखांकित करती है कि ऊर्जा संकट से निपटने के लिए देशों के सामने दो विकल्प हैं, नवीकरणीय ऊर्जा की ओर तेज बदलाव या पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोतों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाना।

अन्य देशों ने भी अपनाए सख्त उपाय : छुट्टी, राशनिंग और 'वर्क फ्रॉम होम' का सहारा एशियाई देशों ने सबसे तेजी से कदम उठाए हैं। श्रीलंका ने स्कूलों और सरकारी दफ्तरों में छुट्टी घोषित कर दी, साथ ही क्यूआर कोड आधारित फ्यूल राशनिंग लागू कर दी। बांग्लादेश ने शिक्षा संस्थान बंद कर ऑनलाइन पढ़ाई शुरू कर दी और रोजाना 5 घंटे की बिजली कटौती लागू की। भूटान ने जमाखोरी रोकने के लिए जरीकैन में ईंधन बिक्री पर प्रतिबंध लगाया। पाकिस्तान में चार दिन का वर्क वीक लागू।

शांति वार्ता के बीच ट्रंप को ईरान से मिला रहस्यमयी तोहफा, बोले- ये तेल और गैस से जुड़ा महंगा गिफ्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को एक चौंकाने वाला बयान दिया। ईरान के साथ युद्धविराम पर बातचीत की चर्चाओं के बीच ट्रंप ने कहा है कि ईरान ने उन्हें एक बहुत बड़ा और काफी कीमती तोहफा भेजा है। हालांकि उन्होंने इस तोहफे के बारे में कोई जानकारी नहीं दी और सिर्फ इतना कहा कि ये तोहफा तेल और गैस से जुड़ा है। ट्रंप जहां ईरान के साथ बातचीत का दावा कर रहे हैं, वहीं ईरान की सेना अमेरिका के साथ किसी भी बातचीत से इनकार कर रही है।

ट्रंप बोले- हम ईरान में सही लोगों से बात कर रहे : दरअसल मंगलवार को व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान ट्रंप से पूछा गया कि ईरान की तरफ से जो लोग युद्धविराम पर बातचीत कर रहे हैं, क्या उन्हें उन पर विश्वास है? इसके जवाब में ट्रंप ने कहा, वे किसी पर विश्वास नहीं करते, लेकिन उन्होंने ईरान से एक तोहफा मिलने का संकेत दिया। जिसके आधार पर ट्रंप ने कहा कि वे सही लोगों से बात कर रहे हैं।

ट्रंप को मिला तोहफा तेल और गैस से जुड़ा : ट्रंप ने कहा, 'उन्होंने हमें एक तोहफा दिया है और वो तोहफा आज पहुंच गया है। यह एक बड़ा तोहफा है, जिसकी बहुत ज्यादा कीमत है, लेकिन मैं आपको ये नहीं बताने वाला हूं कि वह क्या है, लेकिन ये एक खास तोहफा है।' ट्रंप ने बताया कि यह तोहफा तेल और गैस से जुड़ा है। इसके अलावा ट्रंप ने ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया। युद्धविराम के लिए अमेरिका ने ईरान को भेजा 15 सूत्रीय प्रस्ताव इससे पहले सोमवार को ट्रंप ने ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले पांच दिनों के लिए रोकने का एलान किया। इस दौरान ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका और ईरान की युद्धविराम को लेकर बात हो रही है। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिकी सरकार ने ईरान को 15 सूत्रीय युद्धविराम प्रस्ताव भेजा है। हालांकि ईरान की तरफ से इसे लेकर कोई बयान जारी नहीं किया गया है। इस बीच अमेरिका द्वारा पश्चिम एशिया में अपने सैनिकों की तैनाती बढ़ाई जा रही है। जिससे चर्चा है कि अगर युद्धविराम पर सहमति नहीं बनती है तो अमेरिका ईरान के खिलाफ जमीनी आक्रमण कर सकता है।

अमेरिका की 'फर्स्ट लेडी' मेलानिया ट्रंप के टेक अलायंस में शामिल हुए 45 देश

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका की 'फर्स्ट लेडी' मेलानिया ट्रंप ने 45 देशों और बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों को एक साथ लाने वाला एक नया वैश्विक गठबंधन किया है। इसका उद्देश्य दुनियाभर के बच्चों के लिए शिक्षा और तकनीक तक पहुंच बढ़ाने के लिए समन्वित प्रयास करना है। अमेरिकी विदेश विभाग में आयोजित 'फोस्टरिंग द फ्यूचर टुगेदर' शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'एक इंसान के तौर पर हम सपने देखते हैं। लीडर के तौर पर हम आगे बढ़ते हैं। एक राष्ट्र के रूप में हम निर्माण करते हैं। आज से, आइए अपने नए ग्लोबल अलायंस को गति दें, ताकि हमारे बच्चों के विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़े।' दो दिवसीय इस सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय नेता और बड़ी टेक कंपनियां एक साथ आई हैं, ताकि डिजिटल माहौल में बच्चों के लिए शैक्षणिक संसाधनों को बढ़ाने और सुरक्षा को मजबूत करने पर मिलकर काम किया जा सके। मेलानिया ट्रंप ने कहा, 'हमारे गठबंधन का मिशन बच्चों को तकनीक और शिक्षा तक ज्यादा पहुंच देकर उन्हें सशक्त बनाना है। यह एक ऐतिहासिक क्षण है।'

अपने भाषण में 'फर्स्ट लेडी' ने एक रोडमैप भी पेश किया, जिसमें नवाचार आधारित शिक्षण कार्यक्रम विकसित करना, शिक्षा के लिए सहायक नीतियों की वकालत करना, तकनीक आधारित कानूनों को प्रोत्साहित करना और सरकारों व निजी क्षेत्र के बीच साझेदारी को मजबूत करना शामिल है। उन्होंने कहा, 'हमारा साझा दृष्टिकोण बच्चों को राजनीति, भौगोलिक सीमाओं और स्थानीय पूर्वाग्रहों से ऊपर रखता है,' और सभी सदस्य देशों से 'क्षेत्रीय बैठक आयोजित करने, शोध अध्ययन करने, नई साझेदारियां बढ़ाने और अन्य देशों के साथ सहयोग करने' का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमारा कॉमन विजन बच्चों को राजनीति, भौगोलिक सीमाओं और स्थानीय पूर्वाग्रहों से ऊपर रखता है। उन्होंने सभी सदस्य देशों से क्षेत्रीय बैठक आयोजित करने, शोध अध्ययन करने, नई साझेदारियां बढ़ाने और अन्य देशों के साथ सहयोग करने का भी आग्रह किया। यह सम्मेलन चार प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है, जिसमें एडटेक टूल्स, शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑनलाइन सुरक्षा और डिजिटल साक्षरता शामिल हैं। उन्होंने प्रमुख अमेरिकी टेक कंपनियों की भागीदारी का भी उल्लेख किया और कहा कि उद्योग की भूमिका इस पहल को आकार देने में अहम है। उन्होंने कहा, 'इससे पहले कभी इतने सारे टेक विजनरी दो दिन में स्टेट डिपार्टमेंट और व्हाइट हाउस के लीडर्स की इतनी बड़ी ग्लोबल ऑडियंस के सामने खड़े नहीं हुए थे।' उन्होंने मेटा, गूगल, ओपन एआई, माइक्रोसॉफ्ट और जूम जैसी कंपनियों का जिक्र किया और बैठक को 'अभूतपूर्व' बताया। उन्होंने कहा, 'यह कमरा असाधारण मानवीय क्षमता से भरा है। नेता इसका उपयोग अपने बच्चों को ऊपर उठाने, लोगों को सशक्त बनाने और अर्थव्यवस्थाओं को तेज करने के लिए करें। मेलानिया ने आगे कहा कि यह प्लेटफॉर्म एक 'कैपेबिलिटी मल्टीप्लायर' के तौर पर काम करेगा, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता, शिक्षा और वैश्विक नेतृत्व पर आधारित होगा। मेलानिया ने कहा, 'हमारा मुख्य उद्देश्य इस तेजी से बदलती दुनिया में सफल होने के लिए युवाओं को जरूरी कौशल सिखाना है। 'फर्स्ट लेडी' ने कहा कि यह समिट एक बड़े वैश्विक प्रयास की 'सिर्फ शुरुआत' है। उन्होंने कहा, 'आइए, हम सब मिलकर निवेश करें, पहुंच बढ़ाएं और शिक्षा व तकनीक के नए अवसर तैयार करें।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)